Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 21 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-111

नांदेड़ की विशाल रैली में कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी

चुनाव से पहले ही कांग्रेस ने हार मान ली है

- कांग्रेस के शहजादे को वायनाड में भी संकट
- किसी दूसरी सीट से भी लड़ सकते हैं चुनाव

नांदेड़, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले चरण के बाद बूथ लेवल पर जो विश्लेषण हुआ है, उससे यह विश्वास पक्का हो गया है कि पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा मतदान हुआ है। पीएम मोदी ने कहा, मतदाता देख रहे हैं कि इंडी गठबंधन के लोग अपने स्वार्थों में और अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। पहले चरण में ही लोगों ने इंडी गठबंधन को पूरी तरह से नकार दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग दावे जो भी करें, लेकिन सच्चाई यही है कि चुनाव से पहले ही कांग्रेस के नेताओं ने हार मान ली है। इसलिए कुछ नेता, जो लोकसभा से जीतकर आते थे, इस बार राज्यसभा के जरिए अंदर जाकर बैठ गए हैं। हालात यह है कि विपक्षी गठबंधन को चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे। ज्यादातर सीटों पर इनकी पार्टी के नेता चुनाव प्रचार के लिए नहीं जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगले 25 साल भारत के हैं। ज्यादा मत प्रतिशत बताता है कि भारत की लोकतांत्रिक ताकत बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर करारा प्रहार किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे को वायनाड में भी संकट दिख रहा है। शहजादे और उनकी टोली 26 अप्रैल को वायनाड में वोटिंग का इंतजार कर रही है। 26 अप्रैल को वोटिंग के बाद, ये शहजादे के लिए एक और सुरक्षित सीट घोषित कर देंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कांग्रेस का ये परिवार आजादी के बाद पहली बार खुद कांग्रेस को ही वोट नहीं देगा, क्योंकि जहां वो रहते हैं, वहां कांग्रेस का उम्मीदवार ही नहीं है। जिस परिवार के भरोसे कांग्रेस चलती है, वो खुद कांग्रेस को वोट नहीं दे पाएगा। विपक्षी गठबंधन को निशाने पर लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि लोग देख रहे हैं कि विपक्षी गठबंधन के भ्रष्ट नेता अपने परिवारों के हितों के लिए इकट्ठे हुए हैं, लेकिन लोगों ने उन्हें नकार दिया है।

पीएम मोदी ने कहा, करतारपुर साहिब कॉरिडोर का काम पूरा होने के बाद लाखों श्रद्धालुओं को वहां दर्शन में मदद मिल रही है। हुजूर साहिब और हेमकुंड साहिब के दरबार तक बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर का इंतजाम करना हो या सिख परंपरा से जुड़े हर तीर्थ के विकास का काम, एनडीए सरकार ने पूरी शक्ति और भक्ति से काम किया है। खालसा पंथ की गुरु परंपरा और गुरु गोबिंद सिंह की सीख हमारी सरकार के लिए प्रेरणा रही है। नांदेड़ का सिखों के लिए बेहद धार्मिक महत्व है। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार सीएए कानून लेकर आई। सीएए नहीं होता तो हमारे सिख भाई-बहनों का क्या होता? ऐसा लगता है कि कांग्रेस 1984 का बदला अभी भी सिखों से ले रही है।

महाराष्ट्र के परभणी में भी पीएम मोदी ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी बेल है, जिसकी अपनी न कोई जड़ है, न जमीन है और इसे जो सहारा देता है, उसे ही सूखा देती है। आजादी के समय कांग्रेस ने देश का विभाजन करवा दिया, आजादी के बाद कश्मीर की समस्या खड़ी कर दी।

▶9पर

एससी-एसटी, ओबीसी और महिला शक्ति मेरी असली ताकत: मोदी

चिकबल्लापुर (कर्नाटक), 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

कर्नाटक के चिकबल्लापुर में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोदी सरकार के सबसे बड़े लाभार्थी एससी, एसटी और ओबीसी परिवार हैं। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में एससी, एसटी और ओबीसी परिवारों को झुग्गियों में रहने के लिए मजबूर किया गया था। उन लोगों ने सरकार से सारी उम्मीदें खो दी थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी सरकार में इन लोगों का खोया हुआ विश्वास फिर से वापस लौट आया है और पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं।

पीएम ने कहा, मैंने घर पर महिलाओं के सामने आने वाली सभी चुनौतियों को देखा है। भारत और दुनिया के सभी प्रमुख नेता मेरे खिलाफ एकजुट हो गए हैं, लेकिन यह महिलाओं का आशीर्वाद है कि आपने मुझे जो सुरक्षा कवच दिया है, उससे मैं सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हूं। उन्होंने कहा कि हमने एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाया और अब हमारा अगला लक्ष्य तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है, जिनकी सालाना आय 1 लाख रुपए से ज्यादा होगी।

▶9पर

राजस्थान के शकरगढ़ में बोले गृह मंत्री अमित शाह

नीति, नीयत और नेता विहीन है कांग्रेस

शकरगढ़, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र में विशाल रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। शाह ने कहा कि हर तीन महीने में विदेश यात्रा करने वाले राहुल बाबा एक तरफ हैं। दूसरी तरफ दीपावली के दिन भी काम करने वाले नरेंद्र मोदी हैं। सोनिया गांधी का एजेंडा है, मेरे बेटे को प्रधानमंत्री बनाओ, मोदी का एजेंडा है मेरे भारत को महान बनाओ। गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास न नीति है, न नीयत है, न नेता है, मोदी को वोट दीजिए और अगले पांच साल में भारत को दुनिया में उचित सम्मान वाले स्थान पर पहुंचाएंगे।

राजस्थान में शाहपुरा जिला स्थित शकरगढ़ में शनिवार को भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में भाजपा की चुनावी महासंकल्प सभा का आयोजन हुआ, जिसे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संबोधित किया। अपने चिर-परिचित अंदाज में अमित शाह ने कांग्रेस पर करारा वार करते हुए कहा कि राजस्थान की सभी सीटें भाजपा जीत रही है, इसमें कोई शक नहीं है। भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र से भाजपा की जीत रिकॉर्ड तोड़ेगी।

अमित शाह ने कहा कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत केवल अपने बेटे के लिए काम कर रहे हैं। शाह ने कहा कि रामलला का दर्शन नहीं करने वाले को जनता कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेस पार्टी ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं पहुंचकर जनता का अपमान किया है।

साल 2047 में विकसित भारत बनाने के लिए नरेंद्र भाई मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का आह्वान करते हुए अमित शाह ने कहा कि राजस्थान की तरह समूचे देश में इस बार भाजपा प्रचंड बहुमत से चुनाव जीत रही है। अमित शाह ने कहा कि राजस्थान 25 की 25 सीटें भाजपा को देने जा रहा है। प्रथम चरण में कल जो चुनाव हुआ है, उसमें 12 की 12 सीटें नरेंद्र मोदी जी की झोली में जा रहा है। अशोक गहलोत का बेटा भी बड़ी मार्जिन से हार रहा है। अमित शाह ने कहा कि जो लोग वोट बैंक के लालच से रामलला के दर्शन नहीं करते हैं, उसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। मोदी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध करने का काम किया है। मोदी ने भारत को 10 साल में 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से 5वें नंबर पर पहुंचा दिया।

▶9पर

राहुल बाबा झूठ के सरदार हैं : अमित शाह

कोटा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

कोटा की चुनावी जनसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, राहुल बाबा, झूठ पर झूठ मत बोलो, कान खोल कर सुन लो, कांग्रेस पार्टी अगर आरक्षण हटाना चाहती है तो भी जब तक भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता जिंदा है हम एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को हटाने नहीं देंगे। यह मोदी की गारंटी है। कांग्रेस ने इतने साल तक गरीबी हटाओ के नारे से वोट लिया गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। मोदी जी ने 25 करोड़ गरीबों का गरीबी रेखा के बाहर निकालने का काम किया। हम 400 पार की बात करते हैं तो कांग्रेस के पेट में दर्द होता है। वो झूठ फैलाने में लगे हैं कि 400 सीटें भाजपा को मिलेंगी तो आरक्षण चला जाएगा। ये असल में झूठ के सरदार हैं।हमारे पास पूर्ण बहुमत दस साल से है। आपने 2014 और 2019 में भी पूर्ण बहुमत दिया है।

▶9पर

आईसीबीएम बनाने में पाक की मददगार चार कंपनियों पर कार्रवाई

चीन की तीन कंपनियों समेत चार पर अमेरिकी बैन

वाशिंगटन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका ने चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन कंपनियों पर यह प्रतिबंध पाकिस्तान को इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के पुर्जे मुहैया कराने के लिए लगाया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने यह जानकारी दी। अमेरिका ने चीन की जिन तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें शियान लॉन्गडे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, तियानजिन क्रिएटिव सोर्स

▶9पर

संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों ने जताई गंभीर चिंता

पाकिस्तान में हिंदू और ईसाई महिलाओं की हालत दयनीय

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में आए दिन हिंदू और ईसाई महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार या फिर कहें कि जबरन निकाह आदि के मामले आते रहते हैं। मगर पाकिस्तान की ओर से हिंदू और ईसाई लड़कियों के साथ होने वाले इस अत्याचार पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता है, बल्कि इन मामलों को दबाकर नकारा जाता है। परंतु अत्याचार छुपाए नहीं छिपता है और दर्द सही मंच तक पहुंचता ही है। पाकिस्तान में हिंदू और ईसाई महिलाओं पर हो रहे इन अत्याचारों को लेकर अब संयुक्त राष्ट्र संघ के विशेषज्ञों ने पाकिस्तान की निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र संघ के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने इस बात पर गहरी चिंता जताई कि पाकिस्तान में गैर मुस्लिम महिलाओं के साथ जबरन निकाह के मामलों में कुछ नहीं हो रहा है। इस्लामिक देश में अल्पसंख्यक महिलाओं और लड़कियों की रक्षा के अभाव के विषय में असंतोष व्यक्त करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने कहा, हिंदू और ईसाई लड़कियों पर धार्मिक मतांतरण, अपहरण, तस्करी, बाल, जल्दी एवं जबरन निकाह, घरेलू

▶9पर

आपराधिक न्याय प्रणाली में अहम बदलाव के लिए देश तैयार

कानून में परिवर्तन नए युग के भारत का संकेत : चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नए आपराधिक न्याय कानूनों को समाज के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने शनिवार को कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि नए कानून तब सफल होंगे, जब हम इसे स्वीकार करेंगे। नए लागू कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच के लिए यह बदलाव करना बहुत जरूरी था। संसद द्वारा नए कानूनों पर मुहर लगाना इस बात का संकेत है कि देश बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है तथा मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए उसे नए कानूनी उपायों की आवश्यकता है।

सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी मौजूद थे। गौरतलब है, देश की

आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए नए अधिनियम भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय सक्षम अधिनियम एक जुलाई से लागू होंगे। वाहन चालकों द्वारा हिट एंड रन के मामलों से संबंधित प्रावधान को तुरंत लागू नहीं किया जाएगा। तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिल गई थी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को अपनी सहमति दी थी।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नागरिकों से आम चुनाव में मतदान करने का अवसर न चूकने का आग्रह करते हुए कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र में यह सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के माई वोट माई वॉयस मिशन के लिए एक वीडियो संदेश में कहा कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिक हैं, जो कि हमारा देश है। उन्होंने कहा कि संविधान नागरिक के रूप में हमें कई अधिकार देता है, लेकिन साथ ही यह भी अपेक्षा करता है कि हर कोई उसे सौंपा गया अपना कर्तव्य निभाए। संवैधानिक लोकतंत्र में नागरिकता के सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्यों में से एक कर्तव्य वोट डालना है।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा, मैं आप सभी से अनुरोध करूंगा कि कृपया हमारी महान मातृभूमि के नागरिक के रूप में जिम्मेदारी से मतदान करने का यह अवसर न चूकें। हर पांच साल में पांच मिनट, हमारे देश के लिए। यह किया जा सकता है, है न? आइए, गर्व के साथ मतदान करें। मेरा वोट, मेरी आवाज।

▶9पर

TIBCON CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35°
न्यूनतम : 27°

डेढ़ सौ साल पुरानी ब्रिटिश पत्रिका नेचर ने भारत के विकास पर लिखा संपादकीय

आर्थिक शक्ति के साथ महाशक्ति भी बन सकता है भारत

लंदन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

ब्रिटेन की 155 साल पुरानी प्रमुख वैज्ञानिक पत्रिका नेचर ने लीक से हटकर लिखे अपने संपादकीय में कहा है कि जीडीपी का महज 0.64 फीसदी खर्च करके भारत अंतरिक्ष में बड़ों-बड़ों की बराबरी कर रहा है, इसलिए और अधिक निवेश से वह महाशक्ति के रूप में उभर सकता है। संपादकीय में शोधकर्ताओं के हवाले से कहा गया है कि भारत की पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा देश में बुनियादी अनुसंधान की उपेक्षा की गई। नेचर के संपादकीय में कहा गया है कि भारत में आम चुनाव चल रहे हैं, इस बात की पूरी संभावना है कि एनडीए तीसरी बार सत्ता में आएगा। वह दशक के आखिर तक भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में सफल होगा। इसके अनुसार, विज्ञान के क्षेत्र में महाशक्ति बनने के लिए अनुसंधान प्रणाली को अधिक स्वायत्तता की जरूरत है। भारत सरकार व्यवसायों को अधिक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करके विज्ञान व्यय को बढ़ा सकती है, जैसा दुनिया के शीर्ष देशों ने किया है। पत्रिका ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए लिखा कि वर्ष 2021-22 में भारत मात्रा के हिसाब से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा दवा उद्योग था और सस्ती दवाओं और जेनेरिक दवाओं का अग्रणी आपूर्तिकर्ता था। दुनिया भर में कोविड महामारी से लड़ने में उसकी भूमिका अहम रही। पिछले साल भारत चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना और दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश। उसके पास दुनिया का सबसे बड़ा रिमोट-सेंसिंग उपग्रह भी है। संयुक्त राज्य अमेरिका

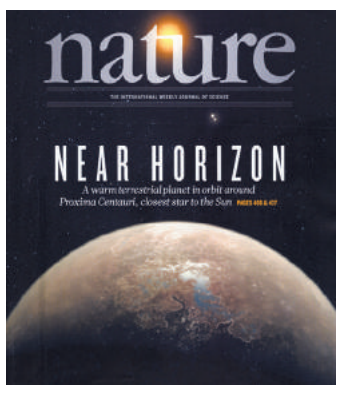

भारत की पूर्ववर्ती सरकारों ने बुनियादी अनुसंधान की उपेक्षा की

और चीन के बाद अनुसंधान और उत्पादन के मामले में भारत दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में से एक हो गया है। वर्ष 2014 से 2021 तक भारत में विश्वविद्यालयों की संख्या 760 से बढ़कर 1113 हो गई। पिछले दशक में 7 और आईआईटी स्थापित किए गए हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 23 हो गई है। दो नए भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान भी स्थापित किए गए। अब विचार करें कि ये लाभ उस देश द्वारा हासिल किए गए, जिसने 2020-21 के दौरान अनुसंधान और विकास पर अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 0.64 प्रतिशत खर्च किया। यदि नई सरकार खर्च को बढ़ाती है तो भारत इस क्षेत्र में बहुत कुछ हासिल कर सकता है।

पिछले महीने प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) में 38 उच्च आय वाले देशों का औसत आर एंड डी व्यय लगभग 2.7 फीसदी था, जबकि चीन ने 2.4 फीसदी खर्च किया। डीएसटी के अनुसार पूर्ण रूप से क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के लिए समायोजित भारत का विज्ञान खर्च 2014-15 में 50.3 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2020-21 में 57.9 अरब डॉलर हो गया। पीपीपी विभिन्न देशों में किसी मुद्रा की क्रय शक्ति का माप है। वर्ष 1991 में आर्थिक सुधार लागू होने के बाद आर एंड डी खर्च में भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ी, जो 2009-10 में सकल घरेलू उत्पाद के 0.82 प्रतिशत पर पहुंच गई थी।

भारत के अनुसंधान व्यय का लगभग 60 फीसदी केंद्र और राज्य सरकारों और विश्वविद्यालयों से और लगभग 40 फीसदी निजी क्षेत्र से लिया जा सकता है।

▶9पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 76,000/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 86,175/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

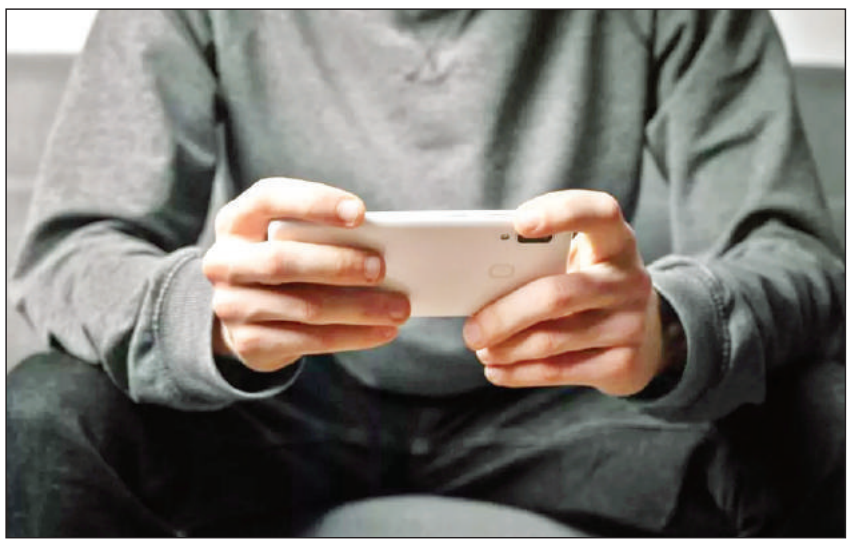

ब्लू व्हेल चैलेंज से जुड़ रहे यूएसए में भारतीय छात्र की मौत के तार सुसाइड गेम पर भारत सरकार ने भी जारी की थी एडवाइजरी

वॉशिंगटन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले भारतीयों के लिए एक गंभीर पहली घटना है, जब मार्च में प्रथम वर्ष के एक छात्र ने गेम खेलते समय अपनी जान ले ली। इसके पीछे की वजह ब्लू व्हेल चैलेंज नामक एक भयावह ऑनलाइन गेम को माना जा रहा है। यह एक आत्मघाती खेल है। इसे सुसाइड गेम भी कहा जाता है।

20 वर्षीय छात्र मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष में पढ़ता था। वह 8 मार्च को मृत पाया गया था। ब्रिस्टल काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के प्रवक्ता ग्रेग मिलियोट ने कहा कि मामले की जांच स्पष्ट आत्महत्या के रूप में की जा रही है।

मीडिया में चली थी लूटपाट के बाद हत्या की खबर – छात्र की मृत्यु को व्यापक रूप से एक हत्या के रूप में मीडिया में रिपोर्ट किया गया था, जिसमें उन्हें बोस्टन विश्वविद्यालय में नामांकित के रूप में गलत पहचान दी गई थी, जिसमें कहा गया था कि लूटपाट के बाद उसका शव जंगल में एक कार में पाया गया था। बोस्टन ग्लोब अखबार ने बाद में छात्र की पहचान नाम से की थी।आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, दो मिनट तक छात्र की सांसें चल रही थीं।

ब्लू व्हेल चैलेंज पर भारत सरकार ने गाइडलाइन की थी जारी – ब्लू व्हेल चैलेंज एक ऑनलाइन गेम है, जिसमें प्रतिभागियों को प्रदर्शन करने का साहस दिया जाता है, जो 50 लेवल पार करने पर और अधिक कठिन हो जाता है।

भारत सरकार वर्षों पहले इस गेम पर प्रतिबंध लगाना चाहती थी, लेकिन इसके बजाय एक अधिक विस्तृत सलाह पर विचार किया गया। आईटी मंत्रालय ने गेम के लॉन्च होने के एक साल बाद 2017 में जारी एक सलाह में कहा था, इस गेम में छात्र की मौत के बारे में विशेष रूप से पूछे जाने पर प्रवक्ता ग्रेग मिलियोट ने कहा, रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह गेम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खेला जाता है। इसमें एक एडमिनिस्ट्रेटर और एक भागीदार शामिल होता है। एडमिनिस्ट्रेटर 50 दिन की अवधि के लिए हर दिन एक टास्क देता है। शुरुआत में टास्क आसान होते हैं, लेकिन अंतिम चरण में खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ वे उत्तरोत्तर कठिन होते जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

नेतन्याहू को अपने खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी होने का डर: गाजा में वॉर क्राइम का आरोप, इजराइली पीएम ने ब्रिटेन-जर्मनी से मदद मांगी

तेल अवीव। हमास के खिलाफ जंग के बीच इजराइल को डर है कि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर सकता है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानूनों तोड़ने के आरोप में इजराइल के कई राजनेताओं और मिलिट्री लीडर्स के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है। दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल को सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली थी कि आईसीसी आने वाले समय में वारंट जारी करने पर विचार कर रही है। इसके बाद नेतन्याहू के ऑफिस में कई एक्सपर्ट्स ने इस मुद्दे पर इमरजेंसी मीटिंग भी की थी। इस दौरान वारंट को टालने के तरीकों पर चर्चा हुई थी। अरेस्ट वारंट टालने के लिए दूसरे देशों से मदद लेगा इजराइल इजराइल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस बैठक में विदेश मंत्री काट्ज, जस्टिस मिनिस्टर यारिव लेविन और स्ट्रैटेजिक अफेयर्स मिनिस्टर रॉन डेरमिर शामिल हुए थे। मीटिंग में इस बात पर सहमति बनी थी कि इजराइल अरेस्ट वारंट टालने के लिए आईसीसी और दूसरे डिप्लोमैटिक अधिकारियों से संपर्क करेगा। इसके अलावा पीएम नेतन्याहू ने ब्रिटेन और जर्मनी के विदेश मंत्रियों से भी इस मामले में मदद मांगी थी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक नेतन्याहू के मंत्रियों को डर है कि गाजा में मानवीय संकट को देखते हुए यह वारंट जारी हो सकता है। हमास के खिलाफ भी मुकदमा चला सकता है आईसीसी इससे पहले फरवीर में हमास की कैद से रिहा हुए कुछ इजराइलियों ने आईसीसी में हमास के वॉर क्राइम को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने हमास पर किडनैपिंग, टॉर्चर और शारीरिक हिंसा का आरोप लगाया था। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के चीफ प्रॉसीक्यूटर करीम खान पिछले साल दिसंबर में इजराइल के दौरे पर आए थे। इस दौरान वे उन क्षेत्रों में भी गए थे, जहां हमास ने हमला किया था। दौरे के आखिर में करीम खान ने कहा था कि इजराइल में हमास की क्रूरता के सबूत मौजूद हैं। अब हमास के खिलाफ कार्रवाई शुरू करना है उनका कर्तव्य है। 2002 में शुरू हुआ इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट 1 जुलाई 2002 को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट यानी आईसीसी की शुरुआत हुई थी। ये संस्था दुनियाभर में होने वाले वॉर क्राइम, नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच करती है। ये संस्था 1998 के रोम समझौते पर तैयार किए गए नियमों के आधार पर कार्रवाई करती है। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट का मुख्यालय द हेग में है। ब्रिटेन, कनाडा, जापान समेत 123 देश रोम समझौते के तहत इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के सदस्य हैं। आईसीसी ने यूक्रेन में बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोपों के आधार पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया था। आईसीसी के वारंट पर देश गिरफ्तारी के लिए बाध्य नहीं इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सभी सदस्य देशों को वारंट भेजता है। आईसीसी का ये वारंट सदस्य देशों के लिए सलाह की तरह होता है और वो इसे मानने के लिए बाध्य नहीं होते हैं। इसकी वजह यह है कि हर संप्रभु देश अपने आतंरिक और विदेश मामलों में नीति बनाने के लिए स्वतंत्र होता है। दूसरी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की तरह ही आईसीसी भी हर देश की संप्रभुता का सम्मान करती है। अपने 20 साल के इतिहास में आईसीसी ने मार्च 2012 में पहला फैसला सुनाया था। आईसीसी ने ये फैसला डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के उग्रवादी नेता थॉमस लुबांगा के खिलाफ सुनाया था।

विश्व में अपने दुष्प्रचार अभियान को तेज करेगा चीन, गठित की इन्फार्मेशन फोर्स, राष्ट्रपति चिनफिंग ने कही ये बात

बीजिंग। चीन में राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शुक्रवार को इन्फार्मेशन सपोर्ट फोर्स (आइएसएफ) के गठन की घोषणा की। यह फोर्स चीन की सेना- पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की एक शाखा होगी। चिनफिंग ने कहा है कि यह फोर्स पीएलए की रणनीतिक शाखा होगी और यह विश्व की सबसे बड़ी सेना के एक स्तम्भ की तरह कार्य करेगी। चीनी सेना के सर्वोच्च कमांडर हैं चिनफिंग जाहिर है कि इस फोर्स के जरिये चीन विश्व में अपने दुष्प्रचार अभियान को तेज करेगा और यह फोर्स उसके प्रचार युद्ध में मुख्य भूमिका अदा करेगी। राष्ट्रपति चिनफिंग के पास चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग के प्रमुख का पद भी है। इसके चलते वह चीनी सेना के सर्वोच्च कमांडर हैं। इस नई फोर्स का गठन सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के एक निर्णय के तहत हुआ है। पार्टी के महासचिव का पद भी चिनफिंग के पास है। इस लिहाज से चीन की सत्ता के तीनों सर्वोच्च पद चिनफिंग के पास हैं। यह नई फोर्स स्ट्रैटेजिक सपोर्ट फोर्स आइएसएफ के जरिये चीनी सेना अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए माहौल तैयार करेगी और इसके बाद जरूरत के अनुसार कार्रवाई करेगी।

ईरान समर्थित इराकी फोर्स पर एयरस्ट्राइक, 1 की मौत

हथियार, सेना की गाड़ियों को निशाना बनाया अमेरिका-इजराइल बोले- हमले में हमारा हाथ नहीं

बगदाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

ईरान और इजराइल में टकराव के बीच शनिवार को इराक में एक मिलिट्री बेस पर धमाका हुआ। हमले में 1 की मौत हो गई, वहीं 8 लोग घायल हुए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल ने बताया कि एयरस्ट्राइक ईरान के समर्थन वाली पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स के हेडक्वार्टर पर हुई।

हालांकि, हमला किसने किया इसकी जानकारी नहीं मिली है। पीएमएफ के अधिकारियों ने अमेरिकी सैनिकों पर हमले का आरोप लगाया है। लेकिन अमेरिकी सेना ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया। अमेरिका के सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। इसके अलावा इजराइल ने भी हमले में अपनी भूमिका से इनकार कर दिया है।

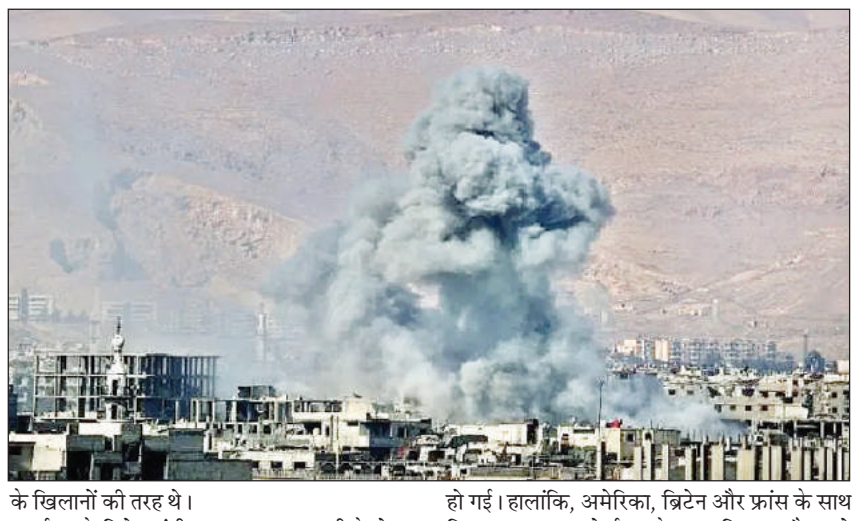

आईएसआईएस से लड़ने के लिए बनाया गया था पीएमएफ

पीएमएफ को हाशेद अल-शाबी के नाम से भी जाना जाता है। यह शियाओं के सशस्त्र समूह का एक संगठन है, जिसे 2014 में आईएसआईएस से लड़ने के लिए बनाया गया था। यह अब इराक के सुरक्षा बलों का हिस्सा है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, एयरस्ट्राइक एक वेयरहाउस के ऊपर हुई। इस दौरान पीएमएफ के उपकरणों, हथियारों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया।

पिछले कुछ महीनों में पीएमएफ ने इराक और सीरिया में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर हमले किए थे। संगठन ने कहा था कि अमेरिका हमास के खिलाफ जंग में इजराइल का साथ दे रहा है। इसी के विरोध में उन्होंने हमला किया।

ईरान बोला- इजराइल ने जो ड्रोन्स भेजे उनसे खेलते हैं हमारे बच्चे

दूसरी तरफ, शुक्रवार सुबह ईरान पर इजराइल के मिसाइल और ड्रोन हमले को लेकर ईरान के विदेश मंत्री हुस्सैन अमीराब्दुल्लाहियान का बयान सामने आया। उन्होंने कहा, इजराइल ने इस्फहान शहर पर हमले के लिए जो ड्रोन्स इस्तेमाल किए वो हमारे बच्चों के खिलानों की तरह थे।

ईरान के विदेश मंत्री इस वक्त यूएनएससी के सेशन के लिए न्यूयॉर्क में हैं। उन्होंने बताया कि ईरान फिलहाल इजराइल पर किसी हमले की प्लानिंग नहीं कर रहा है। हुस्सैन ने इजराइल को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने ईरान के खिलाफ कोई भी एक्शन लिया तो ईरान पूरी ताकत के साथ इसका जवाब देगा।

सीरिया में ईरानी दूतावास पर इजराइली हमले के बाद बढ़ा तनाव

1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में मौजूद ईरान के वाणिज्य दूतावास पर एयरस्ट्राइक की थी। इस हमले में ईरान के 2 टॉप कमांडरों समेत 13 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से दोनों देशों में तनाव बढ़ गया। अटैक के बाद ईरान ने इजराइल से बदला लेने की धमकी दी।

इसके 12 दिन बाद 13 अप्रैल को ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोन्स से हमला किया। इस दौरान नेवातिम मिलिट्री बेस को निशाना बनाया गया। हमले में एक बच्ची गंभीर तौर पर घायल हो गई। हालांकि, अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस के साथ मिलकर इजराइल ने ईरान के 99 प्रतिशत अटैक को नाकाम कर दिया।

इजराइल ने ईरान पर जवाबी कार्रवाई की

हमले के बाद ईरान ने कहा कि उसने अपना बदला ले लिया है और वह अब विवाद को और नहीं बढ़ाना चाहता। लेकिन इजराइल ने ईरान पर जवाबी कार्रवाई करने की बात कही। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसके लिए वॉर कैबिनेट की 5 बैठकें की थीं।

19 अप्रैल ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई के 85वें जन्मदिन पर इजराइल ने इस्फहान प्रांत पर 3 मिसाइलों और ड्रोन्स से हमला किया। इसी प्रांत में ईरान की नतांज न्यूक्लियर साइट भी है। हालांकि, हमले में उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

ईरान ने दावा किया कि उन्होंने इजराइल के 3 ड्रोन्स को मार गिराया। हमले से कोई भी नुकसान नहीं हुआ। इस हमले के बाद ईरानी अधिकारी ने कहा कि फिलहाल वो किसी जवाबी हमले की प्लानिंग नहीं कर रहे हैं।

अब युद्ध में दिखेंगे कई बदलाव अमेरिकी वायु सेना ने एआई विमान से एफ-16 को हराया

वॉशिंगटन, 20 अप्रैल।

दशकों से बिना इंसान के हवा से हवा में युद्ध की कल्पना की जाती रही है, लेकिन अब यह सपना हकीकत बन गया है। 2023 में, अमेरिकी वायु सेना ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एक्स-62ए विमान का इस्तेमाल कर एआई से लैस विमान को असल में उड़ रहे एफ-16 लड़ाकू जेट से हवाई लड़ाई में भिड़ाया और जीत हासिल की। पिछले साल किए गए एक परीक्षण में, एआई से लैस विमान (एक्स-62ए विस्टा) ने असल में उड़ रहे एफ-16 लड़ाकू जेट को हवाई लड़ाई में हरा दिया। यह पहली बार है जब किसी एआई विमान ने मानव पायलट वाले विमान को युद्धाभ्यास में मात दी है। इस उपलब्धि को एयरोस्पेस मशीन लर्निंग में एक बड़ी छलांग के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी वायु सेना टेस्ट पायलट स्कूल और डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी को इस सफलता का श्रेय दिया गया है। यह परीक्षण एयर कॉम्बैट इवोल्यूशन कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसमें बाद में भी इसी तरह की कई हवाई लड़ाइयां हुईं और एआई विमान ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। चौंकाने वाली बात ये है कि एक्स-62ए एसीई टीम ने मात्र एक साल से भी कम समय में ये कारनामा कर दिखाया। उन्होंने न सिर्फ एक्स-62ए विमान में एआई को शामिल किया बल्कि असल हवाई युद्ध का अभ्यास कराया, जिसे डॉगफाइट के नाम से जाना जाता है। हालांकि परीक्षण की तारीख का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन यह कैलिफोर्निया के एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस में हुआ था।एक्स-62ए विमान को सुरक्षा पायलटों के साथ उड़ाया जाता है जो जरूरत पड़ने पर एआई को बंद कर सकते हैं।

हालांकि, इस परीक्षण के दौरान ऐसा करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं पड़ी। रिलीज के अनुसार, मानवयुक्त एफ-16 के साथ हवाई लड़ाई के दौरान किसी भी समय सुरक्षा पायलटों को दखल देने की जरूरत नहीं पड़ी। अमेरिकी वायु सेना के परीक्षण पायलट बिल ग्रे इस परीक्षण से काफी उत्साहित हैं। हालांकि उनका मानना है कि यह सिर्फ शुरुआत है। ग्रे का कहना है कि इस परीक्षण से मिली सीख न सिर्फ हवाई युद्ध में बल्कि किसी भी ऐसे कार्य में लागू की जा सकती है जिसे हम किसी ऑटोनोमस प्रणाली को सौंपना चाहें। उनका कहना है कि मशीन लर्निंग के क्षेत्र में मिली सफलताएं आगे भी जारी रहेंगी।

राष्ट्रपति जरदारी ने संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राग कश्मीर अलापा

इस्लामाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित कर कश्मीर मुद्दा उठाया और दक्षिण एशिया में शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए इसका समाधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के सांसदों द्वारा सरकार के खिलाफ की जा रही नारेबाजी के बीच, राष्ट्रपति जरदारी ने राजनीतिक नेताओं से नकदी संकट से जूझ रहे देश के समक्ष चुनौतियों से निपटने के लिए ध्रुवीकरण की राजनीति छोड़ने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति जरदारी ने कश्मीर को लेकर कहा कि भारत को पांच अगस्त, 2019 के बाद से उठाए गए सभी कदमों को वापस लेना चाहिए और कश्मीर के लोगों को अपना भविष्य तय करने अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया क्षेत्र में विकास के लिए शांति का माहौल आवश्यक है, और कश्मीर मुद्दे का समाधान शांति की कुंजी है। उधर भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट कह दिया हैं कि संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख देश के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए जरदारी ने कहा कि वह एकजुट होकर सभी चुनौतियों से निपटने में राष्ट्र की ताकत में विश्वास करते हैं। जरदारी ने कहा, ''देश को अब ध्रुवीकरण से हटकर समसामयिक राजनीति की ओर बढ़ने की जरूरत है। इस संयुक्त सदन को संसदीय प्रक्रिया में जनता का विश्वास बहाल करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष जरदारी गठबंधन सरकार के उम्मीदवार थे और उन्होंने पिछले महीने 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। जरदारी ने सभी प्रांतों के लिए अवसरों की समानता पर आधारित एक समावेशी विकास मॉडल विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेश को आकर्षित करना देश का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिए।

ज्यादा तापमान शरीर और स्वास्थ्य दोनों के लिए नुकसानदायक

लंदन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

क्या आपने कभी सोचा है कि इंसान ज्यादा से ज्यादा कितना तापमान बर्दाश्त कर सकता है। वहीं, शरीर खुद को भीषण गर्मी के खिलाफ ठंडा रखने के लिए क्या करता है ज्यादातर लोगों ने अनुभव किया होगा कि ज्यादा तापमान हमारे शरीर और स्वास्थ्य दोनों के लिए नुकसानदायक होता है। कुछ लोगों के लिए तो ज्यादा तापमान घातक भी साबित हो जाता है। जो लोग भीषण गर्मी बर्दाश्त नहीं कर पाते, उनकी मौत भी हो जाती है। हालांकि, ज्यादातर लोगों का शरीर भीषण गर्मी और हाड़कंपाती सर्दी दोनों को झेल जाता है। गर्मियों में देश के कई हिस्सों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस या इससे भी ऊपर निकल जाता है। ऐसे में आपके दिमाग में भी ये सवाल जरूर उठा होगा कि आखिर इतनी गर्मी में इंसान जिंदा कैसे रह पाता है किस तापमान पर इंसान के लिए संकट की स्थिति पैदा हो सकती है वैज्ञानिकों का कहना है कि इंसानी शरीर का सामान्य तापमान 98.6 डिग्री फॉरेनहाइट होता है। ये आपके आसपास के वातावरण यानी बाहरी तापमान के 37 डिग्री सेल्सियस के बराबर होता है। विज्ञान के मुताबिक, इंसान ज्यादा से ज्यादा तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस में आसानी से रह लेता है। विज्ञान

के मुताबिक, इंसान गर्म रक्त वाला स्तनधारी जीव है। इंसान एक खास तंत्र 'होमियोस्टैसिस' से संरक्षित रहता है। इस प्रक्रिया के जरिये इंसानी दिमाग हाइपोथैलेमस से शरीर के तापमान को जिंदा रहने की सीमा में बनाए रखने के लिए ऑटो-कंट्रोल्ड होता है। एक रिपोर्ट कहती है कि ब्रिटेन में 2050 तक गर्मी से होने वाली मौतों में 257 फीसदी की वृद्धि दर्ज की जाएगी। दरअसल, विज्ञान कहता है कि इंसानी शरीर 35 से 37 डिग्री तक का तापमान बिना किसी परेशानी के सह लेता है। जब तापमान 40 डिग्री से ज्यादा होने लगता है, तो लोगों को परेशानी होने लगती है। अध्ययनों के मुताबिक, इंसानों के लिए 50 डिग्री का अधिकतम तापमान बर्दाश्त करना मुश्किल होता है। इससे ज्यादा तापमान जिंदगी का जोखिम पैदा कर देता है। मेडिकल जर्नल लैंसेट की रिपोर्ट के मुताबिक, 2000-04 और 2017-21 के बीच 8 साल के दौरान भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप रहा। इस दौरान भारत में गर्मी से मौतों में 55 फीसदी बढ़ोतरी हुई थी। हाइपोथैलेमस को इंसानों की रक्त वाहिकाओं में फैलाव, शरीर से पसीना निकलने, मुंह से सांस लेने, ताजी हवा के लिए खुली जगहों पर जाने से ऊर्जा मिलती है। इस ऊर्जा से हाइपोथैलेमस इंसानी शरीर के तापमान को नियंत्रित करता रहता है। इसीलिए इंसान तापमान के ज्यादा होने पर भी उसे बर्दाश्त कर जिंदा रह लेता है। हालांकि, जिन जगहों पर मौसम एकसमान नहीं रहता, उन जगहों पर 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा इंसानों के लिए तापमान खतरनाक माना जाता है।

हालांकि, अभी तक इसका कोई ठोस जवाब अब तक नहीं मिला है कि इंसान अधिकतम कितने तापमान में जिंदा रह सकता है हमारी धरती पर अलग-अलग तरह के वातावरण हैं और अलग-अलग क्षमताओं वाले शरीर भी। फिर भी ज्यादा तापमान में एहतियात बरतना बेहतर रहता है। इंसानी शरीर पर बढ़ते तापमान के असर के बारे में बात करते हुए डॉक्टर और शोधकर्ता अक्सर 'हीट स्ट्रेस' शब्द का इस्तेमाल करते हैं।

इमरान बोले- बुशरा के खाने में टॉयलट क्लीनर मिलाया गया

इससे उनके पेट में जलन हो रही, कोर्ट ने मेडिकल टेस्ट का आदेश दिया

रावलपिंडी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को टॉयलेट क्लीनर मिलाकर खाना दिया जा रहा है। रावलपिंडी की अदियाला जेल में करीब 2 हजार करोड़ के घोटाले से जुड़े केस पर सुनवाई चल रही थी। इसी दौरान इमरान ने जज जावेद राणा के सामने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हाउस अरेस्ट के दौरान टॉयलेट क्लीनर वाला खाना खाकर बुशरा के पेट में जलन होने लगी है।

इमरान को मीडिया से दूर रहने की सलाह

इमरान खान ने कहा कि शौकत खानम अस्पताल के अधिकारी डॉ असीम यूसुफ ने बुशरा बीबी का हेल्थ चेकअप शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में कराने का सुझाव दिया था। लेकिन जेल प्रशासन पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में ही टेस्ट कराने पर अड़ा है।

इसके बाद अदालत ने डॉक्टर यूसुफ को इमरान खान और बुशरा बीबी की मेडिकल जांच करने का आदेश दिया। इसके अलावा अदालत ने इमरान खान को मीडिया से बातचीत के लिए भी मना किया है। इस पर इमरान ने सफाई दी कि वो अपने खिलाफ फैल रही अफवाहों को दूर करने के लिए मीडिया से बातचीत करते हैं। बुशरा को कुछ हुआ तो आर्मी चीफ जिम्मेदार इससे पहले 15 अप्रैल को बुशरा बीबी ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट से उनकी पसंद के निजी अस्पताल में मेडिकल टेस्ट की इजाजत देने की अपील की थी। वे यह जानना चाहती थी कि क्या जेल अधिकारियों उन्हे खाने में जहर मिलाकर दे रहे हैं। बुशरा बीबी ने दावा किया था कि उन्हें सीने में जलन के अलावा गले और मुंह में दर्द की शिकायत है। इससे पहले 17 अप्रैल को इमरान ने कहा था कि पाकिस्तान में जंगल राज चल रहा है। देश में जो भी होता है आर्मी चीफ आसिम मुनीर के कहने पर होता है। बुशरा की गिरफ्तारी भी उन्होंने ही करवाई थी। अगर मेरी पत्नी को कुछ भी होता है तो मुनीर सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। आर्मी चीफ को धमकी देते हुए खान ने कहा था, अगर मेरी पत्नी को कुछ भी हुआ तो मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा। जब तक मैं जिंदा रहूंगा, उसके सारे गैरकानूनी और असंवैधानिक कामों का पर्दाफाश करता रहूंगा।

खान ने कहा था- बुशरा को जहर दिया गया

अप्रैल महीने की शुरुआत में भी इमरान ने दावा किया था कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को जहर दिया गया है। इमरान ने यह आरोप जेल में बनी अस्थायी अदालत में सुनवाई के दौरान लगाए थे। खान ने ये भी कहा था कि अगर बुशरा को कोई नुकसान होता है तो इसके लिए आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर जिम्मेदार होंगे।

पाकिस्तान में फरवरी में हुए आम चुनाव से कुछ दिन पहले ही इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को कई मामलों में सजा सुनाई गई थी। इनमें गैरकानूनी निकाह और तोशाखाना से जुड़ा मामला भी शामिल था। इन केस में बुशरा बीबी को भी 21 साल जेल की सजा हुई थी। इसके बाद से वो खान के बनीगाला बंगले में हाउस अरेस्ट में हैं।

इमरान-बुशरा ने इद्दत का समय पूरा किए बगैर निकाह किया

दरअसल, इमरान-बुशरा की शादी को फ्रॉड बताते हुए बुशरा के एक्स हसबैंड खावर फरीद मानेका ने याचिका दायर कराई थी। मानेका ने आरोप लगाए थे कि बुशरा ने इद्दत का पीरियड पूरा किए बिना ही खान से शादी कर ली थी। दरअसल, इस्लाम धर्म में इद्दत तलाक के बाद दूसरी शादी करने के बीच की एक तय मियाद होती है। वहीं इमरान खान खुद पिछले साल अगस्त से पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद है। तब उन्हें तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद मई में हुई हिंसा, गैरकानूनी निकाह और तोशाखाना से जुड़े एक और मामले में उन्हें कुल 31 साल की सजा सुनाई गई।

गृह मंत्रालय के फैसले पर संसदीय समिति की मंजूरी

असम में सीआरपीएफ की जीडी बटालियन आरएएफ होगी

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की असम में जनरल ड्यूटी में तैनात बटालियन को स्थायी तौर पर रेपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) में तब्दील किया जा रहा है। सुरक्षा मामलों की संसदीय समिति ने गृह मंत्रालय के इस निर्णय पर अपनी सहमति की मुहर लगा दी है। सामान्य बटालियन को आरएएफ में तब्दील करने पर 275 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इस अदला-बदली में जो भी मौजूदा पद खत्म होंगे या नए पद सृजित होंगे, वह जानकारी वित्त मंत्रालय की मंजूरी मिलने के बाद साझा की जाएगी।

असम से लगती दूसरे राज्यों की सीमाओं पर कई बार दंगे हो चुके हैं। असम, मिजोरम और असम, मेघालय सीमा पर हुए दंगों में अनेक लोगों की जान गई है। राज्य में किसी भी तरह के दंगे को रोकने के लिए अब वहां पर स्थायी तौर से आरएएफ की बटालियन तैयार की जाएगी। इसके लिए वहां पर पहले से तैनात सीआरपीएफ की जनरल ड्यूटी बटालियन को आरएएफ में तब्दील किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के माध्यम से यह प्रस्ताव कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी सीसीएस के पास भेजा गया था। वहां से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है।

आरएएफ की स्थायी बटालियन तैयार करने में 275 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसका मसौदा वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, आरएएफ बटालियन को हथियार, गोला बारूद, स्टोर, वाहन और दंगा रोधी उपकरण, आदि मुहैया कराए जाएंगे। आरएएफ की एक बटालियन में 1284 पद स्वीकृत होते हैं। दूसरी तरफ सामान्य बटालियन में 1150 पद रहते हैं। वित्त मंत्रालय की मंजूरी मिलते ही बटालियन के कुछ पदों को लेकर निर्णय लिया जाएगा। संभव है कि इसमें कुछ पद खत्म हों और कई नए पद सृजित किए जाएं।

केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की ही एक इकाई आरएएफ यानी रेपिड एक्शन फोर्स के तौर पर होती है। इस बल की खूबी ये है कि इसने देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपना योगदान दिया है। आरएएफ ने हैती में संयुक्त राष्ट्र मिशन के अंतर्गत अमेरिकी सैन्य टुकड़ी के साथ मिलकर 504 सैन्य पुलिस बटालियन (ड्रैगन फाइटर) के एक दस्ते के रूप में वहां मुश्किल परिस्थितियों में चुनाव संपन्न कराए थे। मौजूदा समय में आरएएफ की 15 बटालियन हैं। इस बल की खासियत ये है कि यहां पर अन्य बटालियनों के मुकाबले अफसर दो-तीन गुणा ज्यादा होते हैं।

आरएएफ को अपना एक अलग ध्वज प्रदान किया गया है। यह एक स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग वाली फोर्स है। ड्यूटी चाहे कानून व्यवस्था बनाए रखने की हो या दंगा व उपद्रव पर काबू करना, इसमें आरएएफ ने खुद को साबित कर दिखाया है। अगर कोई संवेदनशील मामला है, तो वहां इस बल की भूमिका और ज्यादा अहम बन जाती है। ऐसे क्षेत्रों में आरएएफ लोकल पुलिस के साथ मिलकर एक्सरसाइज करती है। दंगा व उपद्रव करने वाले आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के अलावा आम लोगों में भरोसा जताने के लिए भी इस बल के दस्ते बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। इसके लिए आरएएफ दस्ते को फैमिलीराइजेशन में पारंगत बनाया जाता है।

आरएएफ की अहम भूमिका का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि विभिन्न राज्यों में डीएम को यह अधिकार दिया गया है कि वह किसी भी आपात स्थिति में बिना केंद्र की मंजूरी के तीन दिन के लिए आरएएफ की तैनाती का आदेश जारी कर सकता है। इसकी एक बटालियन में 1300 से अधिक जवान होते हैं। आरएएफ में अन्य बलों या उनकी इकाइयों के मुकाबले, अफसरों की संख्या ज्यादा रहती है। सीआरपीएफ की अन्य बटालियन में जहां तीन कमांडिंग अफसर सीओ होते हैं, वहीं आरएएफ में आठ सीओ रहते हैं। यह बल संवेदनशील विषयों पर नियमित वर्कशॉप करता है। दंगा या उपद्रव वाले संभावित स्थानों पर विशेष एक्सरसाइज की जाती है। इसके जवान, वरुण वाटर गन, रॉयट ड्रिल, रॉयट गीयर व दूसरे उपकरणों से लैस रहते हैं। इस बल में सब इंस्पेक्टर भी अन्य बलों के मुकाबले तीन गुना ज्यादा होते हैं।

आरएएफ का तात्पर्य द्रुत कार्य बल से हैं। यह एक विशिष्ट बल है। प्रारंभ में 10 बटालियनों के साथ इसे 7 अक्तूबर,1992 में खड़ा किया गया था। साल 2018 के दौरान आरएएफ में 5 नई बटालियन शामिल की गई। दंगे जैसी स्थितियों से निपटने, समाज के विभिन्न वर्गो में परस्पर आत्मविश्वास का माहौल पैदा करने व आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी में योगदान, ये आरएएफ का मुख्य कार्य है। सीआरपीएफ और आरएएफ यूनिटों से 120 पुरुष कार्मिकों की एक सैनिक टुकड़ी का गठन कर उसे 103 बटालियन नई दिल्ली में प्रशिक्षण दिया गया।

इस सैन्य टुकड़ी को 31 मार्च 1993 को हैती के लिए रवाना किया गया। इस सैन्य टुकड़ी को उस दौरान कम्पनी का नाम दिया गया, जिसने हैती में संयुक्त राष्ट्र मिशन के अंतर्गत अमेरिकी सैन्य टुकड़ी के साथ मिलकर 504 सैन्य पुलिस बटालियन (ड्रैगन फाइटर) के एक दस्ते के रूप में वहां चुनावों के दौरान विभिन्न ड्यूटियों का निर्वहन किया था।

संयुक्त राष्ट्र के विशेष अनुरोध एवं भारत सरकार/गृह मंत्रालय के निर्देश पर सीआरपीएफ महिला पुलिस इकाई (एफएफपीयु) को फरवरी 2007 के दौरान संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के रूप में संघर्ष से जुझ रहे अफ्रीकन राष्ट्र लाइबेरिया में तैनात किया गया। वहां 23 राष्ट्रों की तैनाती में केवल भारत ही ऐसा राष्ट्र था, जिसके पास एक विशिष्ट महिला सैन्य टुकड़ी थी।

प्रत्येक सैन्य टुकड़ी की तैनाती की अवधि एक वर्ष है। पूरी तरह से गठित महिला पुलिस इकाई (एफएफपीयु) को विदेश मंत्रालय, लाइबेरिया के राष्ट्रपति के मुख्यालय का सुरक्षा कवच, यूएनपीओएल व एलएनपी (लाइबेरिया राष्ट्रीय पुलिस) के साथ मोबाइल संयुक्त कार्य बल गश्त (जेटीएफपी) एवं किसी भी आपात स्थिति के दौरान जवाबी कार्रवाई करना, जैसी जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपराध पर अंकुश, लाइबेरिया राष्ट्रीय पुलिस के साथ पैदल गश्त, हिंसा की आशंका वाले क्षेत्रों में डकैती विरोधी गश्त, घेराबंदी और तलाशी सहित विशेष अभियान एवं यूएनएमआईएल कर्मचारियों और परिसंपत्तियों का संरक्षण, ये सब भी आरएएफ की ड्यूटी का हिस्सा है।

कश्मीर के 42 नेताओं को खाली करना होगा सरकारी बंगला

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 20 अप्रैल।

जम्मू कश्मीर में नेताओं के लिए एक बुरी खबर है। कोई आतंकी धमकी या हमला नहीं बल्कि राज्य सम्पत्ति विभाग द्वारा उन्हें उन घरों से बेदखल करने का नोटिस थमाया जाना है जिनमें वे कई साल से काबिज थे। जम्मू कश्मीर के एस्टेट अर्थात सम्पत्ति विभाग ने 42 राजनीतिक हस्तियों को बेदखली का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विभाग ने ये नोटिस कोर्ट के आदेश पर जारी किए हैं।

राज्य सम्पत्ति विभाग द्वारा सरकारी बंगलों से कब्जा हटाने के निर्देश के बाद भी इन नेताओं ने सरकारी बंगलों पर कब्जा जारी रखा हुआ था। राज्य सम्पत्ति विभाग ने 5 अगस्त 2019 को धारा 370 हटाए जाने के बाद सैकड़ों लोगों को, जिनमें ज्यादातर कामकाजी पत्रकार थे, उनके क्वार्टर से बेदखल कर दिया, लेकिन कश्मीर और जम्मू दोनों में प्रभावशाली राजनेताओं को बाहर निकालने में बुरी तरह विफल रहा।

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद प्रशासन द्वारा कुछ मीडिया घरानों को कार्यालयविहीन भी कर दिया गया था।

जिन राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों को कारण बताओ नोटिस जारी

किया गया है उनमें गुलाम नबी आजाद, मुजफ्फर हुसैन बेग, कविंद्र गुप्ता, सज्जाद गनी लोन, मौलवी इमरान रजा अंसारी, सत शर्मा, जी.एम. शामिल हैं। सरूरी, सुनील शर्मा, अब्दुल गनी वकील, अब्दुल माजिद पैडर और हकीम मुहम्मद यासीन भी हैं। इनमें सभी राजनीतिक दलों के नेता शामिल हैं। अन्य नेताओं में रविंदर रैना, आरएस पठानिया, प्रदीप शर्मा, विबोध गुप्ता, दलीप सिंह परिहार, रविंदर शर्मा, नीलम लंगेह, शोएब नबी लोन, हाजी अब्दुल रशीद, एमएस पंडितपुरी, राजा मंजूर, निज़ाम-उ-दीन भट, मीर मुहम्मद फैयाज़ शामिल हैं। जबकि जफर इकबाल मन्हास, अब्दुल रहीम राथर, बशीर अहमद डार, मुहम्मद अमीन भट, सोफी यूसुफ, एम.वाई. तारिगामी, यासिर रेशी, सुरिंदर अंबरदार, मुहम्मद अब्बास वानी, शफीक मीर, शिल्पी वर्मा, तारिक अहमद कीन, शेख इशफाक जब्बार, जाहिद हुसैन जान, एस.एस. चन्नी, सोना-उल्लाह लोन और रेयाज़ अहमद मीर को भी नोटिस थमाया गया है।

राज्य सम्पत्ति विभाग ने इन कब्जाधारियों को निर्देश दिया है कि वे जम्मू और श्रीनगर में आवंटन के आवास को जारी रखने के समर्थन में या अन्यथा इन नोटिसों की प्राप्ति की तारीख से दिन 10 दिनों के भीतर दस्तावेजी साक्ष्य, यदि कोई हो, के साथ लिखित प्रतिक्रिया देने के लिए व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल मोड के माध्यम से निदेशक एस्टेट के समक्ष उपस्थित हों। प्रासंगिक रूप से, मुख्य न्यायाधीश एन. कोटिस्वर सिंह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने 3 अप्रैल, 2024 के अपने आदेश में निदेशक राज्य सम्पत्ति विभाग कश्मीर और जम्मू दोनों को इन रहने वालों से निपटने और आवास को रद्द करने और वहां से बेदखल करने के लिए विशिष्ट व्यक्तिगत आदेश पारित करने का निर्देश दिया था। या ऐसा करने के लिए विशिष्ट कारण बताकर उसका आवंटन करने के लिए कहा था।

कश्मीर में लोकसभा चुनावों में तैर रहा यक्ष प्रश्न

आजाद ने हार के डर से मैदान छोड़ा, पर भाजपा ने क्यों

जम्मू, 20 अप्रैल (ब्यूरो)।

अनुच्छेद 370 हटा कर कश्मीर के विकास का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी कश्मीर के विकास का श्रेय कश्मीर में ही लेने को तैयार नहीं है। राजनीतिक पंडितों के अनुसार, दरअसल उसे हकीकत का सामना होने का डर है। इसलिए वह कश्मीर के तीन संसदीय क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार न उतार कर उस सच्चाई का सामना नहीं करना चाहती जिसमें कहा जा रहा है कि भाजपा फिलहाल कश्मीर में पैठ नहीं बना पाई है। कश्मीर के तीन संसदीय क्षेत्रों अनंतनाग, श्रीनगर और बारामुला से अपने उम्मीदवार न उतारने का संकेत इसी हफते गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिया था। उनके इस संकेत से उनके कश्मीर के काडर में सच में कोई निराशा नहीं हुई बल्कि इज्जत बची तो लाखों पाए की भावना से वे फूले नहीं समाए थे। इतना जरूर था कि प्रदेश पार्टी अध्यक्ष रविन्द्र रैना जरूर निराश हुए हैं जिन्हें यह उम्मीद थी कि पार्टी उन्हें उनके गृह जिले राजौरी-अनंतनाग में सपनों की फसल काटने का मौका प्रदान करेगी और उन्हें राजौरी-अनंतनाग सीट से मैदान में उतारा जाएगा।

अनंतनाग-राजौरी सीट पर 25 उम्मीदवार मैदान में हैं। सीधा मुकाबला पीडीपी अध्यक्षा महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के गुज्जर नेता मियां अल्ताफ के बीच माना जा रहा है। हालांकि इस संसदीय क्षेत्र में मुकाबला होना तो त्रिकोणीय था पर अंतिम समय में डीपीएपी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद मैदान छोड़ गए। इससे पहले वे उधपमुर-डोडा सीट से भी किस्मत आजमाने की सोच रहे थे क्योंकि डोडा उनका गृह जिला है।

चर्चा यह नहीं है कि कौन कहां से लड़ रहा है या लड़ेगा, बल्कि इसकी है कि आखिर भाजपा कश्मीर से मैदान में क्यों नहीं उतरी। अगर नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की मानें तो भाजपा अपनी पार्टी तथा पीपुल्स कांफ्रेंस के पीछे खड़े होकर प्राक्सी चुनाव लड़ना चाहती है। यह बात अलग है कि उमर अब्दुल्ला के इस बयान के बाद अपनी पार्टी तथा सज्जाद लोन की पीपुल्स कांफ्रेंस के बीच बयानों के तीर एक दूसरे को छलनी करने लगे हैं।

पर इस सच्चाई से इंकार नहीं किया जा सकता कि कश्मीर के जिन तीन संसदीय क्षेत्रों में भाजपा अनुच्छेद 370 हटाने का श्रेय नहीं लेना चाहती है। वहां भाजपा की पैठ नहीं है, क्योंकि नेकां और पीडीपी पुराने और मंजे हुए खिलाड़ी माने जाते हैं। राजनीतिक पंडितों के बकौल कश्मीर में प्रधानमंत्री मोदी की रैली में एकत्र हुई भीड़ को भाजपा के समर्थन में उमड़ा हुआ सैलाब नहीं माना जा सकता क्योंकि कश्मीरियों ने हमेशा ही खाने व दिखाने के दांत अलग अलग वाली कहावत को चरितार्थ किया है।

कांग्रेस नेता तजिंदर सिंह बिट्टू भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

पंजाब के कांग्रेस नेता तजिंदर सिंह बिट्टू ने कांग्रेस पार्टी छोड़ने के कुछ घंटों बाद शनिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गये। श्री बिट्टू यहां भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और पार्टी महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए।

इस मौके पर श्री बिट्टू ने कहा, मैंने कांग्रेस पार्टी में लगभग 35 साल बिताए हैं और आज मुझे लगता है कि कांग्रेस पार्टी मुद्दों से भटक गयी है। मैं किसी के खिलाफ नहीं बोलना चाहता। मैं पंजाब की भलाई के लिए भाजपा में शामिल हो गया। उन्होंने आगे कहा, भाजपा पंजाब के विकास और यहां के लोगों के लिए बेहतर विकल्प है। मैं पंजाब के लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास करने का आग्रह करता हूं। श्री बिट्टू ने आज ही हिमाचल प्रदेश के प्रभारी सचिव के साथ ही कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

ओड़ीशा नाव त्रासदी : सात शव बरामद, एक लापता की तलाश जारी

सीएम साय ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की

झारसुगुडा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

ओड़ीशा के झारसुगुडा जिले रेंगाली थाना क्षेत्र के शर्धा महानदी घाट पर नाव पलटने की घटना में सात लोगों के शव बाहर निकाल लिये है और अन्य एक व्यक्ति लापता है, उसकी तलाश जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मृतकों के परिजनों के लिए चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने के संबंध में निर्देश शनिवार को जिला प्रशासन को दिए।

जिला पुलिस अधीक्षक पी स्मित परमार ने बताया कि बचाव एवं तलाश अभियान आज सुबह फिर से चलाया गया। अभी तक सात शवों को बाहर निकाल लिया गया है और एक लापता व्यक्ति की तलाश जारी है। इससे पहले कल शाम राधिका निषाद नाम की महिला का शव बरामद हुआ था। यह हादसा ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के पचगांव के आगे महानदी पार करने के दौरान हुआ। नाव में करीब 70 लोग सवार थे और एकाएक नाव पलट गई। जिससे अफरा-तरफा मच गई। अधिकतर लोग तैरकर नदी से बाहर आ गए, वहीं कुछ लोगो को मछुआरों ने बचा लिया था।

घटना की जानकारी मिलते ही ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ सरकार तत्काल हरकत में आई स्वयं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव ने संज्ञान लेते हुए रायगढ़ कलेक्टर पुलिस के अलावा रायगढ़ जिले की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से लापता लोगों को ढूंढ़ने की कोशिश की गई, लेकिन रात होने पर ऑपरेशन रोक दिया गया। आज सुबह फिर से तलाश अभियान शुरू किया गया। ओडिशा सरकार के निर्देश पर गोताखोरों के साथ भुवनेश्वर से पहुंचे स्कूबा डाइवर्स की टीम खोजबीन में जुटी हुई है। इस बीच सुबह करीब 8.20 बजे सात साल के पीकू राठिया, निवासी अंजोरीपाली, ब्लॉक खरसिया का शव बरामद किया गया है। इसके बाद गोताखोरों ने दो शव और निकाले। जिनमें एक महिला राधिका राठिया और एक बच्चे नवीन राठिया का भी शव मिला है।

इसके अलावा लक्ष्मी राठिया, कुणाल राठिया, तेरसबाई राठिया के शव भी मिल गए हैं। बचाव एवं राहत टीम ने नदी से अब तक सात शवों को बाहर निकाल लिया है, वहीं एक लापता घसनीन की तलाश की जा रही है। बचाव अभियान जारी है।

पंजाब में दो ड्रोन, साढ़े तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद

जालंधर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी के एक और नापाक प्रयास को विफल करते हुये पंजाब के जिला फिरोजपुर, अमृतसर और फाजिल्का से दो ड्रोन और तीन किलो 430 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार को बीएसएफ खुफिया इकाई को जिला फिरोजपुर के सीमावर्ती क्षेत्र में खेप के साथ एक ड्रोन की उपस्थिति के बारे में सूचना मिली। इस पर बीएसएफ जवानों ने संदिग्ध क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। तलाशी में फिरोजपुर जिले के जंगीर सिंह की ढाणी गांव से सटे एक खेत से संदिग्ध हेरोइन के तीन पैकेट बरामद हुये, जिनमें कुल दो किलो 710 किलोग्राम के साथ एक ड्रोन बरामद किया गया। पैकेट नीले रंग के बैग में रखे हुए थे। ड्रोन में एक छोटी टॉर्च और एक चमकदार हरे रंग की छोटी सी गेंद भी लगी हुई मिली। इससे पहले शुक्रवार को बीएसएफ के जवानों ने खुफिया इकाई की सूचना पर कार्रवाई करते हुये अमृतसर जिले के नेस्था गांव से सटे एक खेत से एक पैकेट संदिग्ध हेरोइन (कुल वजन - 500 ग्राम) के साथ एक ड्रोन को बरामद किया था। पैकेट को पीले चिपकने वाले टेप में लपेटा गया था और ड्रोन से एक छोटी टॉर्च भी जुड़ी हुयी मिली। बरामद दोनों ड्रोन की पहचान चीन निर्मित डीजेआई मैट्रिक्स 300 आरटीके के रूप में की गयी है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार को बीएसएफ खुफिया इकाई को फाजिल्का जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में नशीले पदार्थों की खेप की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली। बीएसएफ जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुये संदिग्ध इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। पूर्वाह्न लगभग 1150 बजे, सैनिकों ने संदिग्ध हेरोइन के तीन पैकेट (कुल वजन - 2.220 किलोग्राम) सफलतापूर्वक बरामद किये। पैकेट काले रंग के थैले में रखे हुये थे तथा थैले में तीन ग्लोस्टिक भी लगी हुयी मिलीं। यह बरामदगी फाजिल्का जिले के ढाणी नत्था सिंह वाला गांव से सटे एक खेत में हुयी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर-सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है। आज आप गुस्से में परिवार के किसी सदस्य को भला-बुरा कह सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप ख़ुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को ख़ुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहों से दूर रहें। ख़ुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की ज़रुरत है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। मुहब्बत के मोर्चे पर आज आपकी तूती बोलेगी, क्योंकि आपका महबूब आपकी रसिक कल्पनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए तैयार है। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं। किसी पेड़ में जल डालना आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा ख़ासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख़्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। इस राशि के उद्यराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अच्छी चीज़ों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग़ खुला रहेगा। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। शाम के वक़्त आज आप किसी करीबी के घर वक़्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपके जीवन-साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी ज़ुबान पर काबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है। दोस्त अकेलापन दूर करने के सबसे अच्छे माध्यमों में से एक हैं। दोस्तों के साथ समय बिताकर आज के दिन आप बेहतरीन चीज़ में समय निवेश कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। डाक या ई-मेल से आया कोई महत्वपूर्ण संदेश पूरे परिवार के लिए ख़ुशख़बरी लाएगा। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। आपका संगी आज आपके लिए घर पर कोई सरप्राइज डिश बना सकता है जिससे आपके दिन की थकान मिट जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफ़े की उम्मीद कर सकता है। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 21 अप्रैल 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 01:13 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी सायं 05:08 तक
योग : व्याघात रात्रि 03:43 तक
करण : कौलव दोपहर 12:00 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत, महावीर जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बेतहाशा गर्मी में भी योगी की झलक पाने उमड़ा उत्साहित राजस्थान

देश ने मोदी जी को सत्ता सौंपने का प्रण कर लिया है: योगी

चित्तौड़गढ़, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर शनिवार को दूसरी बार राजस्थान के चुनावी समर में उतरे। योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, चित्तौड़गढ़ से सांसद और भाजपा उम्मीदवार सीपी जोशी के लिए रोड शो किया। बेतहाशा गर्मी में भी राजस्थान की सड़कों पर मोदी-मोदी, योगी-योगी की ही गूंज रही। आमजन से मिले स्नेह से अभिभूत योगी ने इस सीट पर फिर से कमल का फूल खिलाने की अपील की तो मतदाताओं ने विश्वास दिलाया- अबकी पार 400 पार, फिर एक बार-मोदी सरकार। सीएम योगी व सीपी जोशी ने भैरो सिंह शेखावत की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

योगी ने कहा, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मभूमि से वीरभूमि मेवाड़ को प्रणाम करने आया हूं। इस धरा का इतिहास है कि यह राष्ट्रवाद के मुद्दे से कभी विचलित नहीं हुई। भारत मां के सर्वस्व बलिदान के लिए यह वीरभूमि सदा तत्पर रही है। आधुनिक भारत के तीर्थ के रूप में इस धरा को पूरा भारत कोटि-कोटि प्रणाम करता है। सीएम योगी ने कहा कि शुक्रवार को संपन्न हुए पहले चरण के 102 लोकसभा सीटों के रुझान बताते हैं कि पूरे देश की आवाज है- फिर एक बार मोदी सरकार। अबकी बार-400 पार का लक्ष्य सफल होने जा रहा है। प्रचंड तूफान ने फिर से मोदी जी को सत्ता सौंपने का प्रण कर लिया है। कांग्रेस की जातिवादी-सांप्रदायिक सोच के कारण देश ने बहुत नुकसान सहा है। कांग्रेस सुरक्षा व आस्था से खिलवाड़ करने वाली पार्टी है। आज भारत में पटाखा फूटने पर भी पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है, लेकिन कांग्रेस के समय आतंकियों को बिरयानी खिलाई जाती थी। कांग्रेसी बोलते थे कि राम हुए ही नहीं। ऐसे लोगों को सत्ता में आने का अधिकार नहीं है। योगी ने आह्वान किया कि सीपी जोशी ने साबित किया है कि वे चित्तौड़गढ़ के सबसे उपयुक्त प्रत्याशी हैं। जनता 2014 व 2019 के वोटों को मिलाकर उससे अधिक वोटों से जोशी को जिताकर सदन में भेजें। चित्तौड़गढ़ के मतदाता योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने को सड़कों पर खड़े रहे। बेतहाशा गर्मी भी उनके इरादे न डिगा सकी। यहां रोड शो में लोगों ने गुलाब की पंखुड़ियों से योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया। घरों की छतों पर खड़े पुरुष, बच्चे, युवा-बुजुर्ग, महिलाएं व बच्चियां पुष्पवर्षा करती रहीं। आमजन योगी आदित्यनाथ के रोड शो को मोबाइल में कैद करते दिखे। भगवा रंग की साड़ियों में महिलाओं ने योगी आदित्यनाथ का अभिवादन किया।

योगी आदित्यनाथ पर राजस्थान के लोगों ने की गुलाब के पंखुड़ियों की वर्षा

चित्तौड़गढ़ रोड शो के दौरान खूब गीत बजे। जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। आ रहे हैं भगवाधारी, अब है मथुरा की बारी गीतों के जरिए योगी आदित्यनाथ का जोरदार स्वागत किया गया। हर तरफ योगी-योगी, जोर है मोदी-मोदी। आएंगे फिर मोदी ही, आएंगे फिर योगी ही। अबकी 400 बार, लख बधाई मोदी जी, हमें भगवा लहराना है आदि गीत पर कलाकार खूब थिरकते रहे। वहीं मंचों पर स्थानीय कलाकारों ने शिव के गण बनकर भी योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया। रोड शो में ढोल, मजीरा, नगाड़ों आदि का स्थानीय कलाकारों ने प्रदर्शन किया। रोड शो के दौरान सड़कों पर राजस्थान का लोकनृत्य भी दिखा।

रोड शो के दौरान योगी आदित्यनाथ ने भी चित्तौड़गढ़ के मतदाताओं का अभिवादन किया तो हाथ में कमल का फूल चुनाव चिह्न लेकर भी वोट देने के साथ ही यहां मतदान प्रतिशत बढ़ाने की अपील की। हर तरफ सिर्फ भारतीय जनता पार्टी का झंडा ही फहराता दिखा। रास्ता भी भगवा गुब्बारों से सजा रहा। चित्तौड़गढ़ के रोड शो में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जादू राजस्थान वालों के सिर चढ़कर बोला। रोड शो के दौरान रास्ते में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने भी योगी आदित्यनाथ पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिवादन किया। बुलडोजर बाबा के नाम से प्रसिद्ध योगी आदित्यनाथ को रोड शो में बुलडोजर भी रहा। इस पर खड़े युवाओं ने योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया तो मुस्कुराते हुए बुलडोजर बाबा ने भी राजस्थान के युवाओं का अभिवादन किया। यही नहीं, बुलडोजर पर खड़े युवा बाबा की मुस्कुराती फोटो भी अपने मोबाइल के कैमरे में कैद करते रहे।

राजस्थान की धरती से योगी आदित्यनाथ का आह्वान

कांग्रेस को बना दीजिए इतिहास

राजसमंद में योगी ने विशाल जनसभा को किया संबोधित

राजसमंद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान की धरती से आह्वान किया है कि कांग्रेस को इतिहास की वस्तु बना दीजिए। उन्होंने कहा जब राजस्थान की धरती अंगड़ाई लेती है तो पूरे देश में उसकी गूंज सुनाई देती है। कांग्रेस की ऐसी गति कीजिए कि लोग कहें एक थी कांग्रेस। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं सत्य का पथिक हूं और राजस्थान की धरा पर सत्य की आवाज को मजबूती मिलती है, यही कारण है कि यहां मुझे सबसे ज्यादा प्यार मिलता है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पूर्वज राजस्थान से ही गये थे, उनके दादा गुरु ने मेवाड़ की धरती से गोरखपुर आकर राष्ट्रवाद की अलख जगाई थी।

योगी आदित्यनाथ शनिवार को राजसमंद लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी महिमा कुमारी मेवाड़ के पक्ष में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है, यहां भक्ति और शक्ति का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। बप्पा रावल की वीरता से लेकर महाराणा प्रताप के स्वदेश और स्वाभिमान पर पूरा देश गौरव की अनुभूति करता है। महारानी पद्मिनी के जौहर को कौन भुला सकता है। आज यूपी से इस धरा पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। योगी ने कहा कि मीरा बाई की भक्ति हम सबके मन में राष्ट्रभक्ति एक नई ज्वाला पैदा करती है। ये भूमि कृष्ण की भक्ति में लीन मीराबाई को वृंदावन से जोड़कर राजस्थान और यूपी के संबंधों को मजबूत करती है।

योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि उन लोगों ने महाराणा प्रताप की जगह अकबर को महान बनाने का कार्य किया। महाराणा प्रताप विपरीत परिस्थितियों में धैर्य न खोकर लड़ते रहे। उन्होंने कष्ट सहकर देश और स्वधर्म की रक्षा की। उस वक्त की सबसे बड़ी ताकत कहे जाने वाले अकबर को उन्होंने घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। इस धरती ने कभी भी स्वदेश, स्वधर्म और स्वाभिमान के साथ समझौता नहीं किया है। योगी ने कहा कि कांग्रेस के लोग भारत की सनातन आस्था पर प्रहार करने में कोई संकोच नहीं करते। देश की आस्था पर प्रहार करने के लिए ये कहते थे कि राम हुए ही नहीं। हमें भी कांग्रेस को वोट देकर अपने इतिहास को कलंकित नहीं करना है। कोई स्वाभिमानी कौम ऐसा नहीं कर सकती। उन्होंने महाराणा प्रताप के साथ राजस्थान की भील और मीणा जातियों की वीरता की भी चर्चा की।

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि लोग पूछते हैं कि राजस्थान में उन्हें इतना प्यार क्यों मिलता है। उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि मैं सत्य का पथिक हूं और राजस्थान की धरती पर सत्य की आवाज को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि देश अपने भाग्य के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनता का आशीर्वाद मांगा जा रहा है, दूसरी ओर ऐसे लोग हैं जो भारत को बदहाल देखना चाहते हैं। 10 साल में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। कोई विधर्मी भारत की सीमा का अतिक्रमण नहीं कर सकता। आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान हुआ है। पटाखा भी फूटता है तो पाकिस्तान सबसे पहले सफाई देता है। उसे पता है कि भारत में कोई आतंकवादी घटना होती है तो उसे लेने के देने पड़ जाएंगे।

योगी आदित्यनाथ ने देश में हुए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि मोदी सरकार में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दिया जा रहा है, जबकि पाकिस्तान में 23 करोड़ लोग एक जून की रोटी के लिए तरस रहे हैं। आज वहां मस्जिदों में विस्फोट हो रहे हैं और लोगों के चीथड़े उड़ते हैं। पाकिस्तान बड़ी ठसक के साथ भारत से अलग हुआ था, मगर आज वहां लोग बदहाली की जिंदगी जी रहे हैं। दूसरी तरफ आज भारत में दिल्ली और जयपुर से एक क्लिक पर पैसे सीधे गरीब जनता के खाते में जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने आयुष्मान भारत योजना, फ्री बिजली कनेक्शन, उज्ज्वला योजना, महिला स्वावलंबन सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को भी गिनाया। बताया कि अगले पांच साल में तीन करोड़ नये आवास गरीबों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस के लोग आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते थे और गरीब भूख से मरता था, किसान आत्महत्या करता था, नौजवान पलायन करता था, बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में देश की 102 लोकसभा सीटों पर चुनाव हुए हैं। पूरे देश से एक ही आवाज आ रही है, जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। योगी ने कहा कि रामनवमी पर अयोध्या में सूर्य की किरणों से श्रीराम का तिलक हुआ, जिसे देख पूरा देश आह्लादित हो रहा था। उन्होंने 26 अप्रैल के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को कमल के चुनाव चिह्न पर भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की। इस अवसर पर मंजू जी बाघमार, विश्वराज जी मेवाड़, हरीश सिंह रावत, सुरेन्द्र सिंह राठौर, दीप्ती माही, अविनाश गहलोत, शंकर सिंह रावत, पुष्प जी जैन, नरेश कन्नौजिया सहित तमाम गणमान्य मौजूद रहे।

योगी-योगी के नारों के साथ जोधपुर में बाबा का जोरदार स्वागत

भाजपा ने सुरक्षा, समृद्धि व आस्था को सम्मान दिया है: योगी

जोधपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर की सड़कों पर शनिवार को तिल रखने तक की जगह नहीं थी। भाजपा के स्टार प्रचारक व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने जनमानस सड़कों पर उतर पड़ा। सबसे पहले शंख की ध्वनि के बीच योगी आदित्यनाथ का जोरदार स्वागत किया गया।

योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री, जोधपुर से सांसद व भाजपा उम्मीदवार गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए डेढ़ घंटे तक रोड शो किया। जोधपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को देखने जनसैलाब उमड़ पड़ा। अभिभूत जनमानस ने पूरे रास्ते योगी-योगी के नारे लगाए। घर की छतों से पुष्पवर्षा कर योगी आदित्यनाथ का अभूतपूर्व अभिनंदन भी किया गया। वहीं योगी आदित्यनाथ भी आमजन पर गुलाब की पंखुड़ियां फेंक कर, हाथ हिला कर और हाथ जोड़ कर अभिवादन करते रहे। उन्होंने कमल का फूल चुनाव चिन्ह लेकर भाजपा को जिताने का आह्वान किया। कहीं महिलाएं भगवा रंग की साड़ी पहने तो कहीं गले में रामनवमी पट्टा पहने रोड शो में शामिल हुईं।

जोधपुर की सड़कों पर जय श्रीराम की गूंज रही तो वहीं योगी आदित्यनाथ के लिए देखो-देखो कौन आया, भारत मां का शेर आया और जयश्री राम मोदी-योगी जिंदाबाद जैसे गगनचुंबी नारे भी खूब लगे। अबकी बार-400 पार के भी खूब नारे लगते रहे। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कटआउट भी जोधपुर की सड़कों पर लगे रहे। छतों पर खड़ी महिलाएं व बच्चे योगी आदित्यनाथ को देख खूब उत्साहित रहे। योगी के स्वागत को एकत्र आमजन ढोल-नगाड़ों संग नृत्य करते रहे। यहां उपस्थित जनमानस इस अद्भुत पल को कैमरे में कैद करता दिखा। महिलाएं छत से भगवा और भाजपा का झंडा फहराती रहीं तो वहीं सड़कों पर भी जहां तक नजर गईं, सिर्फ भगवा ही दिखा।

जनसैलाब देख अभिभूत योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में जोधपुरवासियों से गजेंद्र सिंह शेखावत को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि जोधपुर श्रद्धा की नगरी है। जोधपुर के विकास, राजस्थान को अग्रणी राज्य बनाने व भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए फिर एक बार-मोदी सरकार जरूरी है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों बाद रामलला विराजमान हुए। अच्छे लोग सदन में जाते हैं तो विकास होता है। भाजपा ने सुरक्षा, समृद्धि और आस्था को सम्मान दिया है।

प्रभु महावीर का पवित्र धाम है

ओसियां तीर्थ

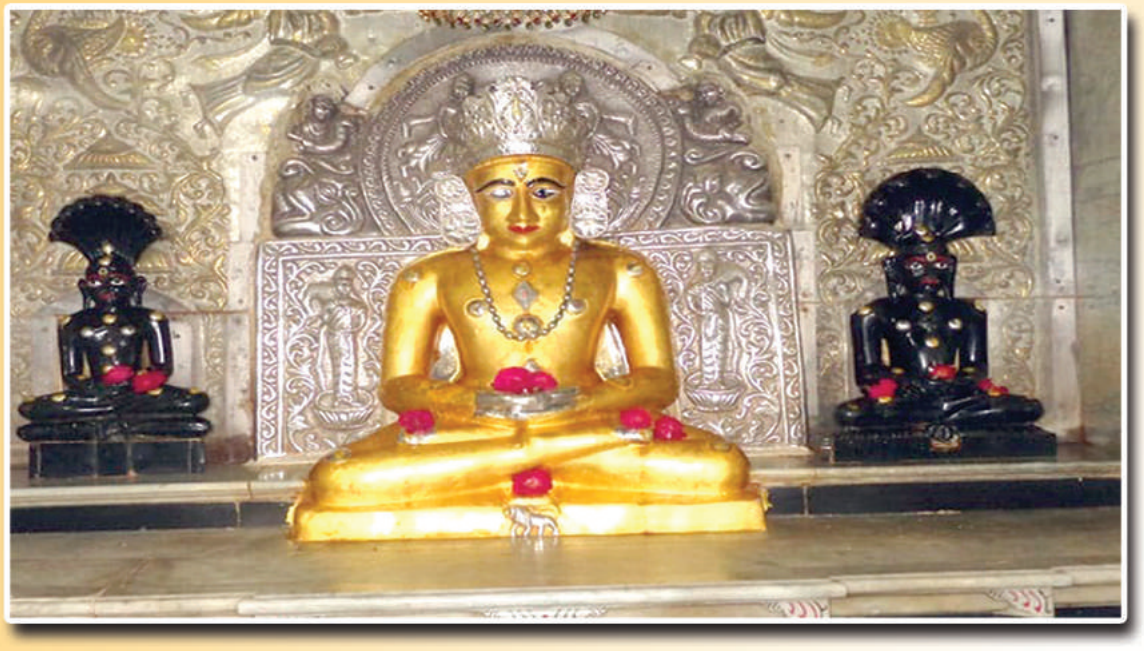

बालू व दूध के मिश्रण से बनी, स्वर्ण- वर्ण की, 80 सें.मी. ऊंचाई वाली अर्ध पदमासनस्थ महावीर की प्रतिमा ओसियां तीर्थ की धरोहर है। प्रभु निर्वाण के 70 वर्ष पश्चात् 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ प्रभु के सातवें पटधर आचार्यदेव रत्नप्रभ सूरीश्वर जी के उपदेशों से प्रभावित होकर, ओसवाल कुल की माता सचियाइ माता ने गाय के दूध व बालू के मिश्रण से प्रतिमा रची।

राजपूत शासक वर्ग ने आचार्य देव की देशना से प्रभावित होकर अहिंसा प्रिय जैन धर्म को स्वीकार किया था। राजा उप्पल देव ने ओसियां तीर्थ के मन्दिर का निर्माण करवाया। ओसियां की चामुण्डेश्वरी देवी को प्रतिदिन एक पशु की बलि भेंट की जाती थी । आचार्य रत्नप्रभ सूरीश्वर जी ने पशु बलि रोकने का बीड़ा उठाया। आचार्यदेव ने प्रतिज्ञा ली कि जब तक देवी बलि ग्रहण करना स्थगित नहीं करती है तब तक वे अन्न जल ग्रहण नहीं करेंगे। महीना गुजर गया, कोई फल न मिलते देख आचार्यश्री ने अपना व्रत आगे बढ़ाया।

अंततः देवी प्रकट होकर आचार्य देव से अन्न ग्रहण करने की विनती करते हुए भविष्य में पशु बलि स्वीकार नहीं करने का आश्वासन दिया। आचार्य देव ने ओस- बाल वंश की स्थापना की व देवी को श्री सचियाइ माता नाम से अलंकृत कर, ओसवाल वंश की स्थापना की व देवी को श्री सचियाई माता नाम से अलंकृत कर ओसवाल वंश की कुलदेवी के पद से सुशोभित किया।

आचार्यदेव की तपस्या व करुणा भाव से असंख्य पशुओं की प्राण रक्षा हुई । अहिंसा धर्म को अनेक राजघरानों ने स्वीकार किया। ऐसे ओसियां तीर्थ की स्थापना का आधार अहिंसा बनी। माता सचियाई ने अपने चमत्कार द्वारा देवाधिदेव प्रभु महावीर की प्रतिमा का दूध व रेत द्वारा सृजन किया । नर से नारायण बनाने वाली प्रभु महावीर की प्रतिमा की छवि निराली है। आचार्य देव के वरद हस्ते जिन प्रतिमा की महामंग लकारी अंजनशलाका की प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई थी । भव्य, पावन व सुन्दर जिन प्रासाद बना। पूज्य श्री की निश्रा में प्रभु प्रतिमा तीर्थ में प्रतिष्ठित हुई। चन्दनबाला व चण्डकौषिक सर्प की भवयात्रा सफल कराने वाले, प्रभु महावीर इस अवसर्पणी काल के अन्तिम तीर्थंकर हैं। प्राणिमात्र के कल्याण की भावना लिए हुए प्रभु की प्रतिमा मनोहारी है। ऐसी मनोहारी छवि के दर्शन, वन्दन व पूजन से मन का उल्लास सीमा रहित हो जाता है। स्वार्थ रहित आत्म अर्पणा अनंत फल दायिनी बन जाती है, श्रावकों के पुण्यों का बंध बँधना व अशुभ कर्मों का क्षय होना स्वाभाविक ही है। भव भ्रमण के थामने वाले, लक्ष 84 के फेरो से बचाने वाले प्रभु मिल जाते हैं ओसियां तीर्थ के श्रद्धालु यात्रियों को। वीर प्रभु के निर्वाण के 70 वर्ष वश्चात संस्थापित तीर्थ का 2600 वर्षों का स्वर्णिम इतिहास है । कई बार प्रभु प्रसाद जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंचा और समय-समय पर प्राचीन तीर्थ का जिर्णोद्धार हुआ था।

अष्टकोणीय सभा मण्डप की सुन्दरता अवर्णनिय है। सभा मण्डप के स्तंभों पर खुदी प्रतिमाएं अद्वितीय है। भगवान महावीर का मन्दिर विश्व विख्यात है । शिल्प, स्थापत्य व मूर्तिकला पर शोधन कार्य करने वाले जिज्ञासु संसार भर से यहां आते हैं । नृत्य मण्डप के गुम्बज पर नृत्य करती हुई नर्तकियां वाद्य यंत्रों के साथ अंकित है । मन्दिर की भ्रमती में बनी तोरणों की कारीगरी व बनावट अद्भुत है । मन्दिर की दीवारों पर देवीदेवताओं के चित्र अंकित हैं । भगवान नेमिनाथ का जीवन चरित्र, महावीर प्रभु का हरणगमेषी

देव द्वारा गर्भहरण का दृश्य व प्रभु महावीर के अभिषेक उत्सव की कलात्मक कोरणी पाषाणों में की गई है । तीर्थ के गर्भगृह के विशाल शिखर पर जिनशा- सन की पताका लहराती है। सभा मण्डप पर सुन्दर कलात्मक सामरण मन्दिर की शोभा बढ़ रहा है। मन्दिर का प्रवेश द्वार कलात्मक है। मन्दिर के रंगमण्डप में आचार्य रत्नप्रभु सुरीश्वर जी का शिष्य समुदाय को उपदेश देने का सुन्दर चित्र उकेरा हुआ है ।

मन्दिर के दोनों तरफ पूर्ण शिखरबद्ध जिन मन्दिर है । ओसवाल वंश के संस्थापक आचार्य देव की दादा- वाडी यहां से एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दादावाडी में चरणपादुकाए प्रतिष्ठित हैं।

ओसवाल वंश के धर्मप्रिय श्रावक समुदाय का व्यव साय विश्व भर में फैला हुआ है। अपनी उद्यमी प्रवृत्ति के कारण ओसवाल वंशज व्यवसाय व व्यापार के हर क्षेत्र में आगे हैं। लोककल्याण की भावना लिए ओस वंश के श्रावकों ने प्रभु मन्दिरों का निर्माण करवाया है, धर्मशालाएं, विद्यालय, स्थानक भवन व चिकित्सालयों का भी निर्माण कर वाया। राष्ट्र संस्कृति की गरिमा बढ़ाने में सदैव ओसवाल वंश का योगदान रहा है। इस वंश के दानवीर झगडुशाह व महाराणा प्रताप के मन्त्रीश्वर भामाशाह का नाम इतिहास के पृष्ठों पर अंकित है। ओसवाल वंश की कुलदेवी सच्चायायी माता का चामत्कारिक मन्दिर निकट ही पहाड़ी पर शोभायमान है। कलात्मक तोरणों व स्तंभों से सुशोभित माता के मन्दिर में विश्व भर से भक्तों का आवागमन रहता है। एक और विचित्र बात यह है कि विश्व भर में सभी प्रकार से सम्पन्न ओसवाल परिवारों का एक घर भी, स्वयं के उद्गम स्थल, ओसियां में नहीं है। तीर्थ परिसर में यात्रियों के ठहरने की उचित व्यवस्था है। सभी प्रकार की आवासीय सुविधा युक्त धर्मशाला के साथ-साथ यात्रियों के भोजन की व्यवस्था भी है। जोधपुर जैसलमेर रेलवे लाइन पर ओसियां रेलवे स्टेशन है। जोधपुर व फलोदी से रोड का रास्ता 65 कि.मी. पड़ता है। यात्री बसों, कारों द्वारा ओसिया तीर्थ पहुंच सकते हैं।

बुद्धस्त्वमेव विबुद्यार्चित- बुद्धिबोधात्
त्वं शंकारोसि भुवनत्रय शंकरत्वात्
याता, सिबधीर। शिवमार्गविधेर विधानात्
व्यक्त त्वमेव भगवन् पुरुषोत्तमोसि

मोक्ष मार्ग प्रदाता, धीर गम्भीर पुरुष- ोत्तम, तीनों जगत के शुभकर्ता प्रभु महाबीर का पवित्र धाम है श्री ओसिया तीर्थ!

– माणिकचंद समदरिया

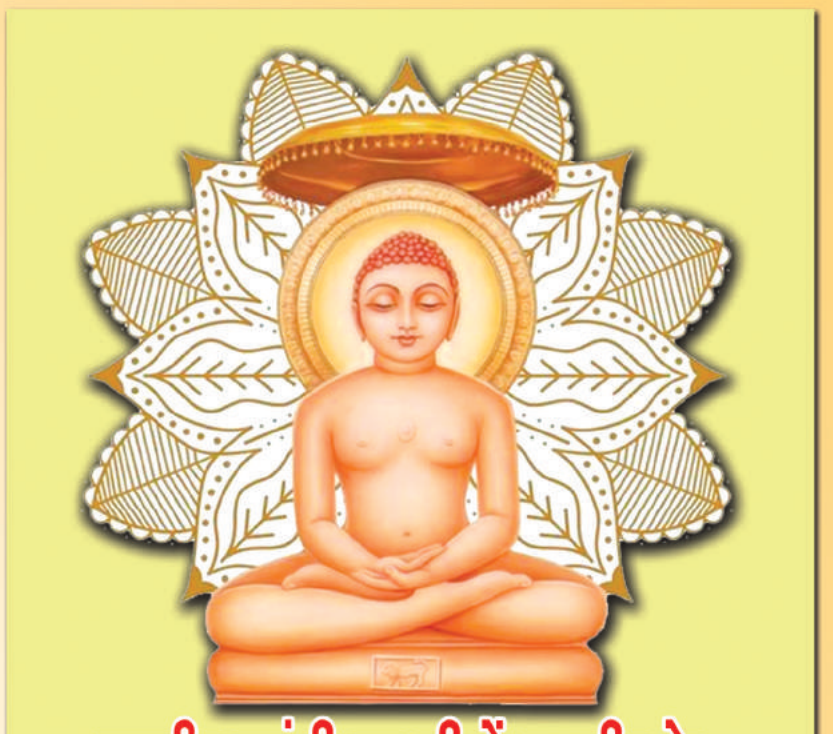

महावीर जयंती पर सीखें महावीर के जीवन से ये 7 जिंदगी बदल देने वाले लेसन

भगवान महावीर जैन धर्म के एक महान आध्यात्मिक गुरु हैं । उन्हे तीर्थंकर भी कहा जाता है, जिनकी महानता, ज्ञान, और त्याग की प्रेरणा देवों को भी चमका देती है . महावीर का जन्म वैशाली, बिहार में हुआ था। भगवान महावीर ने संसार में अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य, और अनेकांतवाद के मार्ग का प्रचार किया। उनके उपदेशों का मूल धारण था कि संयम, साधना, और स्वाध्याय द्वारा मनुष्य अपने आत्मा को पाकर मोक्ष प्राप्त कर सकता है। महावीर का जीवन और उनके उपदेशों ने समाज को धर्म, शांति, और समृद्धि की ओर अग्रसर किया। उनके जीवन के मार्गदर्शन में अनेकों लोगों ने अपने जीवन को परिवर्तित किया और उन्हें एक उच्च आध्यात्मिक स्तर तक पहुंचाया। भगवान महावीर का संदेश आज भी विश्व में अत्यंत महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से अहिंसा और सहिष्णुता के मार्ग का पालन करके समाज को एक सजीव, समृद्ध, और शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करने की दिशा में मार्गदर्शन करता है। भगवान महावीर के जीवन और उपदेशों से हमें कई महत्वपूर्ण जीवन शिक्षाएं मिलती हैं, जिनका पालन करके हम एक सार्थक और सुखी जीवन जी सकते हैं। यहां भगवान महावीर की 7 जीवन शिक्षाएं हैं।

अहिंसा : अहिंसा भगवान महावीर के उपदेशों का मूल आधार है। इसका अर्थ है किसी भी प्राणी को मन, वाणी या शरीर से ना पहुंचाना। अहिंसा का अभ्यास न केवल दूसरों के प्रति करुणा रखना सिखाता है बल्कि आंतरिक शांति भी प्रदान करता है।

अपरिग्रह : अपरिग्रह का अर्थ है अनावश्यक चीजों के संग्रह से दूर रहना। भगवान महावीर ने सिखाया कि भौतिक चीजों के मोह से मुक्त होना जरूरी है। संतोष और त्याग का जीवन जीने से ही सच्ची खुशी मिलती है।

सत्य : सत्य बोलना और सत्य के मार्ग पर चलना भगवान महावीर के महत्वपूर्ण उपदेशों में से एक है। सत्य बोलने से मन स्वच्छ रहता है और दूसरों का विश्वास प्राप्त होता है।

अनेकान्तवाद : अनेकान्तवाद का अर्थ है किसी भी विषय को बहुआयामी दृष्टिकोण से देखना। भगवान महावीर ने सिखाया कि हर चीज के कई पहलू होते हैं और किसी एक दृष्टिकोण को संपूर्ण सत्य नहीं माना जा सकता।

ब्रह्मचर्य : ब्रह्मचर्य का अर्थ है इंद्रियों पर नियंत्रण रखना। इसका मतलब सिर्फ तन से संयम नहीं बल्कि मन से भी शुद्ध रहना है। ब्रह्मचर्य से आत्मसंयम और आत्मबल प्राप्त होता है।

क्षमा : क्षमा का अर्थ है क्रोध और द्वेष के भावों को त्याग देना। भगवान महावीर ने सिखाया कि क्षमा ही सबसे बड़ा बल है। क्षमा करने से मन में शांति रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

तप : तप का अर्थ है कठोर परिश्रम और आत्म-संयम। भगवान महावीर ने सिखाया कि जीवन में लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम और अनुशासन जरूरी है।

इन शिक्षाओं का पालन करने से हम न केवल अपने जीवन में सुख और शांति प्राप्त कर सकते हैं बल्कि अपने आसपास के लोगों के जीवन को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

इस तरह लगाएं बाबा खाटू श्याम के चरणों में अपनी अरदास

खुल जाएंगे सभी बंद रास्ते

राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है। खाटू जी के दर्शन के लिए दूर-दराज के स्थानों से लोग यहां पहुचते हैं। बाबा खाटू श्याम जी को तीन बाण धारी, हारे का सहारा और लख्तादार आदि कई नामों से जाना जाता है। भक्त अपनी मुरादों को पूरी करने के लिए खाटू श्याम जी के दरबार में अरदास भी लगते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि बाबा के चरणों में अरदास किस तरह लगानी चाहिए, ताकि आपके सभी काम बन जाएं।

खरीदें ये सामग्री

बाबा के चरणों में अपनी अरदास लगाने के लिए आपको कुछ चीजों की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए सबसे पहले एक लाल रंग का नया पैन खरीद लें। इसके साथ ही एक सूखा नारियल और एक लाल रंग का धागा भी खरीद लें।

इस तरह लगाएं अरदास

इसके बाद अपने घर में पूजा स्थान के समक्ष बैठकर एक नए पेज पर अपनी मनोकामना लाल पैन से लिख दें। अपनी मनोकामना लिखते समय इस बात का ध्यान रखें, कि एक बार में एक ही इच्छा लिखनी है। इसके बाद पेज को मोड़ कर अपनी श्रद्धा अनुसार इसके साथ दक्षिणा भी रखें। फिर पेज के साथ-साथ दक्षिणा और पैन को नारियल के साथ लाल धागे से बांध दें। अब अपनी अरदास को बाबा खाटू श्याम के मंदिर में अर्पित कर दें।

कर सकते हैं ये काम

यदि किसी कारणवश आप खाटू श्याम मंदिर नहीं जा पा रहे हैं, तो इस स्थिति में अपने घर पर ही बाबा खाटू श्याम की मूर्ति या तस्वीर के सामने अपनी अरदास को चढ़ा सकते हैं। इसके बाद सच्चे मन से खाटू बाबा के सामने अपनी मनोकामना पूरी होने के लिए प्रार्थना करें।

लोग क्यों करते हैं अमरनाथ की कठिन यात्रा?

महत्व जानकर दर्शन किए बिना नहीं रह पाएंगे आप

लाखों शिवभक्त, प्राकृतिक रूप से बने शिवलिंग के दर्शन करने के लिए अमरनाथ की कठिन यात्रा करते हैं। अमरनाथ तीर्थ, जो समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित, को सनातन धर्म का सबसे पवित्र तीर्थों में से एक माना जाता है। बाबा अमरनाथ की यात्रा बेहद कठिन मानी जाती है, इसके बावजूद लाखों भक्त यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। आइए जानते हैं कि अमरनाथ की यात्रा करने से व्यक्ति को जीवन में क्या-क्या लाभ देखने को मिल सकते हैं।

इसलिए यात्रा पर जाते हैं भक्त

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यह वही गुफा है जहां पर भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था। हिंदू पौराणिक ग्रंथों में यह माना गया है कि जो भक्त इस पवित्र गुफा में बने बर्फ के शिवलिंग का सच्चे मन से दर्शन करता है, उसके सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही यह भी बताया गया है कि इस पवित्र धाम की यात्रा से 23 तीर्थों के दर्शन करने के बराबर पुण्य मिलता है।

धार्मिक पुराणों में अमरनाथ के दर्शन करने का इतना महत्व बताया गया है कि काशी में लिंग दर्शन से दस गुना, प्रयाग से सौ गुना और नैमिषारण्य तीर्थ से हजार गुना अधिक पुण्य बाबा बर्फानी के दर्शन करने से मिलता है। इतना ही नहीं अमरनाथ तीर्थ करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। यही कारण है कि भक्त पूरे श्रद्धाभाव के साथ इस कठिन यात्रा को पूरा करते हैं और बाबा बर्फानी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त करते हैं, जिससे भक्तों के सभी प्रकार के कष्ट दूर होते हैं।

कब से कब तक चलेगी यात्रा

अमरनाथ की यात्रा आषाढ़ मास से आरंभ होती है और श्रावण पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन तक चलती है। ऐसे में वर्ष 2024 में अमरनाथ यात्रा का आरंभ 29 जून से शुरू हो रहा है, जिसका समापन 19 अगस्त को होने जा रहा है।

अमरनाथ की खास बातें

अमरनाथ शिवलिंग की ऊंचाई घटती-बढ़ती रहती है, जो चंद्रमा के चरणों पर निर्धारित होती है। चंद्र की कलाओं के साथ शिवलिंग बढ़ता है और चंद्रमा की घटती कलाओं के साथ शिवलिंग भी घटकर अदृश्य हो जाता है। इसके साथ ही अमरनाथ में भगवान शिव के हिमलिंग दर्शन के साथ ही माता सती का शक्तिपीठ के भी दर्शन होते हैं। ऐसा अद्भुत संयोग कहीं और नहीं देखने को मिलता। गुफा में बाबा बर्फानी के बिल्कुल साथ ही देवी पार्वती और भगवान गणेश की भी संरचना बनती है।

घर में लगाएं इन पक्षियों की तस्वीर, पलट जाएगी आपकी किस्मत

वास्तु शास्त्र में ऐसी कई चीजें बताई गई हैं, जो आपकी किस्मत बदल सकती हैं। ऐसे में अगर आप ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर में इन पक्षियों की तस्वीरें लगाएं, तो जीवन में सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि वास्तु के अनुसार, घर में कौन-सी तस्वीर लगाना बेहद शुभ होता है।

हंस–हंस एक बहुत ही सुंदर पक्षी होता है, वास्तुशास्त्र में इसे उतना ही शुभ माना जाता है। ऐसे में अपने घर में हंस की तस्वीर लगाने से आपके भाग्य में वृद्धि होती है। वास्तु शास्त्र में हंस की तस्वीर दक्षिण-पूर्वी दिशा यानी आग्नेय कोण में लगानी चाहिए। यह सबसे अच्छा माना जाता है। इससे घर में सकारात्मकता बनी रहती है और आर्थिक तंगी भी दूर हो जाती है।

मोर–धार्मिक महत्व के अलावा वास्तु शास्त्र में भी मोर को विशेष महत्व दिया गया है। मोर की खूबसूरती बेहद आकर्षक होती है। ऐसे में अगर आप मोर की तस्वीर अपने घर में लगाते हैं, तो इससे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। मोर को सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। इतना ही नहीं, घर में मोर की तस्वीर लगाने से वास्तु दोष दूर हो जाते हैं। वास्तु के अनुसार घर की पूर्वी दीवार पर मोर की तस्वीर लगानी चाहिए।

नीलकंठ– यदि आप वास्तु के हिसाब से घर में नीलकंठ की तस्वीर लगाते हैं, तो आपको कई सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगते हैं। वास्तु के अनुसार, नीलकंठ की तस्वीर लगाने के लिए उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण सर्वोत्तम माना जाता है। इससे घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और पैसों की कमी नहीं होती।

वास्तविकता दिखा रहे हैं वेब सीरीज़ और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म : अलंकृता सहाय

वेब सीरीज में अलंकृता सहाय का उदय: फुह से फैंटेसी जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज में अलंकृता सहाय की भूमिकाओं पर चर्चा और मनोरंजन उद्योग में डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते चलन का विश्लेषणअलंकृता सहाय भारतीय मनोरंजन उद्योग की सबसे प्रतिभाशाली और गतिशील युवा लड़कियों में से एक हैं और हमें उनकी अविश्वसनीय विकास कहानी पर वास्तव में गर्व है। जिस तरह से वह राख स फीनिक्स की तरह उठी और सफलतापूर्वक शीर्ष पर पहुंची, वह वास्तव में कई युवा लड़कियों के लिए प्रेरणादायक और अनुकरणीय है। तमाशा की दुनिया में प्रवेश करने से लेकर संगीत वीडियो और ओटीटी की दुनिया में धूम मचाने तक, अलंकृता सहाय वास्तव में नियमित आधार पर जोरदार प्रदर्शन कर रही हैं और विकास वास्तविक है। जबकि उन्होंने पहले हर संगीत वीडियो में अभूतपूर्व काम किया है, जिसका वह हिस्सा रही हैं। ओटीटी स्पेस में एक भूमिका जिसने उन्हें भारी मात्रा में विश्वसनीयता और सम्मान दिया, वह जियो सिनेमा की फुह से फैंटेसी में उनका प्रदर्शन था। इसने अलंकृता का एक अलग पक्ष प्रस्तुत किया जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा था। यह वास्तव में उनके लिए एक पथप्रदर्शक भूमिका थी और कोई आश्चर्य नहीं, दर्शकों के साथ-साथ निर्माता भी अब उन्हें स्क्रीन पर और अधिक अलग और विविध अवतारों में दिखाने के लिए तैयार हैं। तो, अलंकृता ओटीटी स्पेस में अपने प्रदर्शन को कैसे देखती हैं और डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते रुझानों पर उनकी क्या राय है? इस बारे में पूछे जाने पर, अभिनेत्री ने खुलकर अपने विचार व्यक्त किए और लिखा,ठीक है, फुह से फैंटेसी वास्तव में मेरे लिए एक विशेष परियोजना थी। इसने न केवल मुझे जिओ सिनेमा जैसे विश्वसनीय मंच के साथ जुडऩे का एक अच्छा अवसर दिया, बल्कि इससे मुझे यह समझने में भी मदद मिली कि उद्योग कैसे संचालित होता है और मुझसे क्या अपेक्षा की जाती है।

मुझे लगता है कि शो में काम करने और अपने दर्शकों से प्यार और सम्मान पाने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि आज के समय में, एक अभिनेत्री के रूप में, आपको वास्तव में कोई हिचकिचाहट नहीं हो सकती है, दूसरे क्या सोचेंगे इसके आधार पर कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। वेब सीरीज़ और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म आज वास्तविकता का प्रदर्शन कर रहे हैं और ऐसी परियोजनाओं में भी वास्तविकता का अपना तत्व जुड़ा हुआ है, भले ही यह काल्पनिक हो। बहुत से लोग ओटीटी परियोजनाओं के बारे में बात करते हैं जो कभी-कभी बोल्डनेस और कामुक दृश्यों के मामले में अतिशयोक्तिपूर्ण होती हैं, जहां वास्तव में इसकी आवश्यकता होती है। बहुत सारा समय और आपको इसे सही भावना से लेना होगा। एक मंच के रूप में ओटीटी दिन-ब-दिन बढ़ रहा है और यही कारण है कि, देश के कुछ सबसे लोकप्रिय अभिनेता भी यहां अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। चूंकि यहां बॉक्स ऑफिस का दबाव नहीं है, इसलिए यह कई प्रतिभाशाली अभिनेताओं के लिए अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास करने और क्षेत्र में आगे बढऩे का एक प्रजनन स्थल भी है। मुझे एक ऐसी अभिनेत्री होने पर गर्व है जो ओटीटी क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है और यह हमेशा मेरी विकास कहानी के हिस्से के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। फुह से फैंटेसी में मेरे प्रति जबरदस्त प्यार दिखाने के लिए एक बार फिर सभी को धन्यवाद। यह प्यार ही है जो मुझे आगे बढऩे के लिए प्रेरित करता है।

अमरीश पुरी से पहले बॉलीवुड के इस खलनायक का खौफ खाते थे लोग

आखिरी दिनों में चली गई थी आंखों की रोशनी

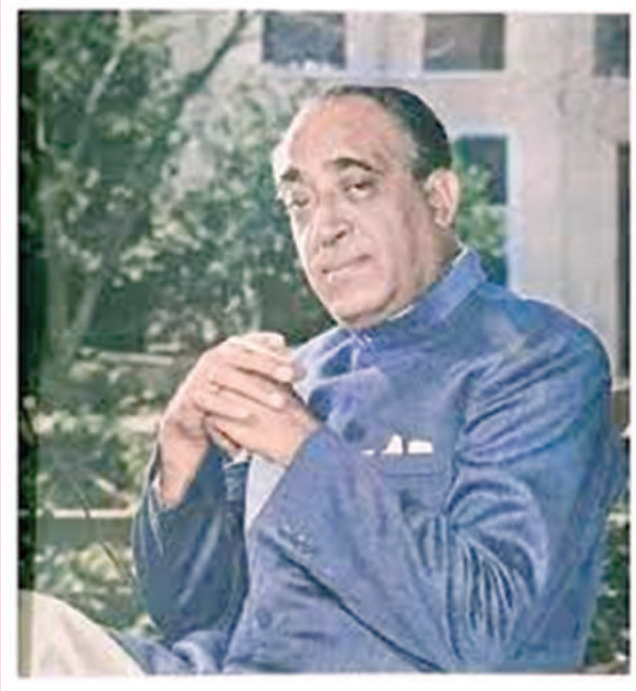

बॉलीवुड में हीरो से ज्यादा विलेन का बोलबाला रहा है। विलेन बनकर उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। इन विलेंस ने अपनी एक्टिंग से लोगों के दिल में डर भी बैठा दिया था। जिसके बाद जब भी लोग उन्हे देखते थे तो गलत इंसान समझते थे। ऐसे ही एक विलेन थे जिन्होंने कई दशकों तक खलनायक बनकर अपनी छाप छोड़ी थी। अमरीश पुरी या प्रेम चोपड़ा से पहले बॉलीवुड में इस खूंखार खलनायक का खौफ था। लोग इस खलनायक की आवाज से भी खौफ खाते थे ।हम जिस विलेन की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि के एन सिंह थे। के एन सिंह ने एक टाइम पर इंडस्ट्री पर राज किया तो जीवन के आखिरी समय में उनका ऐसा हाल हो गया था कि वो पैसे पैसे को मोहताज हो गए थे।

ओलंपिक के लिए हो गए थे सिलेक्ट

केएन सिंह के पिता वकील थे वो भी पहले अपने पिता की तरह वकील बनना चाहते थे लेकिन उन्हें बाद में उनका पेशा पसंद नहीं आया और उन्होंने स्पोर्ट्स में एंट्री की। वे जैवलिन और शॉट पुट में हाथ आजमाने लगे। दिलचस्प यह कि 1936 के बर्लिन ओलंपिक के लिए वह सिलेक्ट हो गए। लेकिन तभी उन्हें कोलकाता जाना पड़ा, जहां उनकी बहन बीमार थी।

आखिरी दिनों में हो गया था ऐसा हाल

केएन सिंह को इंडस्ट्री में लाने वाले पृथ्वीराज कपूर थे। उन्होंने कई सालों तक राज किया। पृथ्वीराज कपूर ने उन्हें एक बेहतरीन विलेन बना दिया था। उन्होंने कई सालों तक राज किया मगर जीवन के आखिरी समय में उनका हाल बुरा हो गया। केएन सिंह ने ईटाइम्स के जर्नलिस्ट को एक इंटरव्यू दिया था जिसके बारे में उन्होंने साल 2023 में बताया था। उन्होंने कहा था कि केएन सिंह ने उन्हें बताया था कि किसी बीमारी की वजह से उनकी आंखों की रोशनी चली गई थी। वो अपनी बेटी के साथ रहते थे और बस घर के अंदर ही रहते थे। जहां एक समय पर केएन सिंह का बोलबाला था वहीं जब उनका ऐसा हाल हो गया था तो इंडस्ट्री से उनका कोई हाल-चाल पूछने भी नहीं पहुंचा था। केएन सिंह साल 2000 में इस दुनिया को अलविदा कह गए।

मिनी स्कर्ट में सरगुन मेहता ने दिखाई कातिलाना अदाएं

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली सिंगर-एक्ट्रेस सरगुन मेहता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी खूबसूरत फोटो-वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में सरगुन मेहता ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं, जिनको बेहद पसंद किया जा रहा है। चलिए एक नजर डालते हैं उनरे शानदार और प्यारे लुक पर।साल 2009 में टीवी शो 12/24 करोल बाग से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सरगुन मेहता सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी खूबसूरत फोटोज शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें एक्ट्रेस ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं और उनका लुक फैंस को बेहद प्यारा लग रहा है।सरगुन मेहता ने अपने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें शेयर की है उनमें एक्ट्रेस ब्लैक शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं। फोटोज में एक्ट्रेस ब्लैक क्रॉप टॉप के साथ ब्लैक शॉर्क स्कर्ट कैरी किए नजर आ रही हैं, जिस पर मल्टी कलर डिजाइन बना हुआ है। एक्ट्रेस ने अपने इस लुक से फैंस का दिल जीत लिया है। साथ ही उनके इस पोस्ट पर काफी सारे लाइक्स भी नजर आ रहे हैं। साथ ही शेयर की गई फोटोज में सरगुन खुले बालों में नजर आ रही हैं, जो हवा में लहरा रहे हैं। एक्ट्रेस लाइट मेकअप कैरी किए नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर एक प्यारी सी स्माइल नजर आ रही है। शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस की क्यूटनेट और स्माइल फैंस का दिल जीत रही है। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने इन फोटो के साथ एक प्यारा सा कैप्शन भी शेयर किया है।इन सभी प्यारी सी तस्वीरों को शेयर करते हुए सरगुन ने एक अच्छा सा कैप्शव भी शेयर किया है, जिसमें वो लिखती हैं, उसके बारे में भूल जाओ मुझ पर ध्यान केंद्रित करो। एक्ट्रेस के इस पोस्ट को बेहद पसंद किया जा रहा है। साथ ही इस पर काफी सारे लाइक्स और कमेंट्स भी आ रहे हैं और फैंस जमकर एक्ट्रेस की तारीफें कर रहे हैं।वहीं, अगर सरगुन मेहता के वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2009 में अपने टीवी शो 12/24 करोल बाग के बाद एक्ट्रेस कलर्स टीवी के फेमस शो फुलवा में नजर आई, जहां से एक्ट्रेस को पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने पंजाबी फिल्म अंग्रेज से भी अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इसके बाद एक्ट्रेस कई हिंदी और पंजाबी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं और नजर आ रही हैं।

लव सेक्स और धोखा 2 की एक टिकट पर दूसरी मिल रही बिल्कुल मुफ्त

दिबाकर बनर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। एकता कपूर ने इस फिल्म को अपनी मां शोभा कपूर के साथ मिलकर बनाया है।दर्शकों के साथ समीक्षक भी इस फिल्म की कहानी को काफी पसंद कर रहे हैं।अब इस बीच एकता ने दर्शकों को बड़ा तोहफा दिया है। दरअसल, लव सेक्स और धोखा 2 की एक टिकट पर दूसरी बिल्कुल मुफ्त मिल रही है।लव सेक्स और धोखा 2 की एक टिकट पर दूसरी मुफ्त पाने के लिए बुकमाईशो पर एलडीएस2 का उपयोग करना होगा।एकता ने इस खबर की जानकारी साझा करते हुए लिखा, यह सच है। 1 खरीदें और लव सेक्स और धोखा 2 का 1 टिकट मुफ्त पाएं। बुकमाईशो पर कोड एलडीएस2 का उपयोग करें।सिनेमाघरों के बाद लव सेक्स धोखा 2 ओटीटी प्लेफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर जून के मध्य तक किया जाएगा। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।लव सेक्स और धोखा 2 के निर्देशक दिबाकर बनर्जी हैं, वहीं एकता ने इस फिल्म को अपनी मां शोभा कपूर के साथ मिलकर बनाया है।ट्रांसजेंडर बोनिता राज पुरोहित इस फिल्म में दमदार भूमिका में हैं। फिल्म में मौनी रॉय और उर्फी जावेद भी है।बॉक्स ऑफिस पर लव सेक्स और धोखा 2 का सामना विद्या बालन, सेंथिल राममूर्ति, इलियाना डिक्रूज और प्रतीक गांधी जैसे सितारों से सजी फिल्म दो और दो प्यार से हो रहा है।

इसके अलावा अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां भी दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही है।अजय देवगन की फिल्म मैदान भी इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है। यह दोनों फिल्में ईद के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

47 साल की उम्र में अमेरिकन सिंगर और ग्रैमी अवार्ड विनर मैंडिसा का निधन

अमेरिकन आइडल जीतने वालीं और ग्रैमी अवॉर्ड विनर आर्टिस्ट मैंडिसा अपने घर में रहस्यमयी तरीके से मृत पाई गई हैं। पुलिस ने उनकी मौत की जांच शुरू कर दी है। ये हादसा 47 वर्षीय सिंगर के ऋरपज्ञश्रळप ढशपपशीीशश स्थित घर में ही हुआ है। मैंडिसा के वेरिफाइड सोशल मीडिया हैंडल से भी ये दुख भरी खबर कंफर्म कर दी गई है। शुक्रवार को उनकी डेथ की खबर कंफर्म की गई। लेकिन मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। उनके आसपास से मिले एविडेंस और स्थितियों को देखते हुए स्थानीय पुलिस मामले की जांत कर रही है। इस बीच मैंडिसा के फैन्स में भी दुख की लहर दौड़ गई है।ंउनके सोशल मीडिया पर उनकी टीम की ओर से पोस्ट किया गया कि हम ये कंफर्म करते हैं कि कल मैंडिसा अपने ही घर में मृत पाई गईं। लेकिन अब तक हम मौत का कोई कारण नहीं जान सके हैं। न ही आगे कोई डिटेल्स हैं। हम दुख की इस घड़ी में आपसे मैंडिसा के परिवार और उनके करीबियों के लिए प्रार्थना करने की अपील करते हैं। मैंडिसा हमेशा से ही हिम्मत करने वालों की एक साहसी आवाज रही है। और संघर्ष करने वालों के साथ खड़ी रही हैं। मैंडिसा की मौत की खबर कंफर्म होते ही उनके करीबी और फैन्स ने दुख जताना शुरू कर दिया है। शहर के थळश्रश्रळरीप ऊेंपीूं और काउंटी मेडिकल एग्जामिनर ऑफिस ने ये कंफर्म कर दिया है कि फॉरेंसिक जांच होगी।

मैंडिसा की म्यूजिक जर्नी

साल 2006 में आए इंडियन आइडल से मैंडिसा की आवाज घर घर तक पहचान बनाने में कामयाब रही। इसके अगले ही साल उन्होंने अपना डेब्यू एल्बम रिलीज किया जिसका नाम था ट्रू ब्यूटी। इस एल्बम के साथ ही क्रिश्चियन म्यूजिक में उनका सफर शुरू हो गया। इसके बाद उनके बहुत से एल्बम रिलीज हुए। जिसमें फ्रीडम, इट्स क्रिस्मस, वॉट इफ वी वेयर रियल जैसे एल्बम शामिल हैं। सिंगिंग के हुनर के चलते मैंडिसा ने ग्रैमी अवॉर्ड भी जीते। साल 2010, 2012 और 2014 में उन्हें ग्रैमी अवॉर्ड से नवाजा गया।

अवनीत कौर ने ट्रांसपैरेंट आउटफिट पहन गिराई बिजली

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर इन दिनों अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस को अपनी ओर लुभा रही हैं। एक्ट्रेसजब भी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक अदाओं पर अपना दिल हार जाते हैं।अवनीत कौर इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेसेस में से एक हैं। महज 21 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने अपने नए लुक्स से फैंस को दीवाना बना रखा है।टीवी से बॉलीवुड में कदम वाली ग्लैमरस अदाकारा अवनीत कौर सोशल मीडिया पर आग लगाने के लिए मशहूर हैं। आए दिन एक्ट्रेस अपनी सिजलिंग पोस्ट से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद आपका दिल जोरों से धड़कना हो जाएगा। अवनीत कौर ने ऑफ व्हाइट कलर की ट्रांसपैरेंट बॉडीकॉन ड्रेस पहनी है। लाइट मेकअप के साथ बालों को ओपन रखा है और एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं। इन तस्वीरों में उनके किलर अंदाज को देखकर फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे की इन तस्वीरों ने यूजर्स का हाल बेहाल कर दिया है और वे अवनीत की हॉटनेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।बताते चलें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए जमकर प्रतिक्रियाएं देते हैं।

बुद्धि का मटका फूटा और मनुष्य बुद्धिमान हो गए!

बहुत पुरानी बात है। अफ्रीका में अनानसी नाम का एक व्यक्ति रहता था। पूरी दुनिया में वह सबसे ज्यादा बुद्धिमान व्यक्ति था। सभी लोग उससे सलाह और मदद मांगने आते थे। एक दिन अनानसी किसी बात अपर दूसरे मनुष्यों से नाराज गया। उसने उन्हें दंड देने की सोची। उसने यह तय किया कि वह अपना सारा ज्ञान उनसे हमेशा के लिए छुपा लेगा ताकि कोई और मनुष्य ज्ञानी न बन सके। उसी दिन से उसने अपना सारा ज्ञान बटोरना शुरू कर दिया। जब उसे लगा कि उसने अपना सारा ज्ञान बटोर लिया है। तो उसने मिट्टी के एक मटके में सारे ज्ञान को बंद कर दिया और अच्छी तरह से सील बंद कर दिया। इसके बाद उसने यह निश्चय किया कि वह इस मटके को ऐसी जगह पर रखेगा जहां से कोई और मनुष्य उसे प्राप्त न कर सके।

अनानसी के एक बेटा था जिसका नाम कवेकू था। कवेकू को धीरे-धीरे यह अनुभव होने लगा कि उसका पिता किसी संदिग्ध कार्य में लिप्त है इसलिए उसने अनानसी पर नजर रखनी शुरू कर दी। एक दिन उसने अपने पिता को एक मटका लेकर दबे पांव झोपड़ी से बाहर जाते हुए देखा। कवेकू ने अपने पिता अनानसी का पीछा किया। अनानसी गांव से बहुत दूर एक जंगल में गया। और उसने मटके को सुरक्षित रखने के लिए एक बहुत ऊंचे पेड़ को खोज लिया। अपना ज्ञान दूसरों में बंट जाने की आशंका से भयभीत अनानसी उस मटके को अपनी आंखों के सामने ही रखना चाहता था। इसलिए वह अपनी छाती पर मटके को टांग कर पेड़ पर चढ़ने लगा। उसने कई बार पेड़ पर चढ़ने की कोशिश की लेकिन वह जरा सा भी नहीं चढ पाया। सामने की तरफ मटका होने की वजह से वह पेड़ पर चढ़ नहीं पा रहा था।

कुछ देर तक कवेकू ने अपने पिता को पेड़ पर चढ़ने का अनथक प्रयास करते देखता रहा। जब उससे रहा न गया तो वह चिल्लाकर बोला- पिताजी, आप मटके को अपनी पीठ पर क्यों नहीं टांगते? तब आप पेड़ पर आसानी से चढ़ पाएंगे। अनानसी मुड़ा और बोला- मुझे तो लगा कि मैंने दुनिया का सारा ज्ञान इस मटके में बंद कर लिया है! लेकिन तुम तो मुझसे भी ज्यादा ज्ञानी निकले। मेरी सारी बुद्धि वह नहीं समझ पा रहा था जो तुम दूर बैठे ही समझ पा रहे थे। उसे कवेकू पर बहुत गुस्सा और उसने मटका जमीन पर पटक डाला। जमीन पर गिरते ही मटका टूट गया और उसमें बंद सारा ज्ञान उसमें से निकलकर पूरी दुनिया में फैल गया और सारे मनुष्य बुद्धिमान हो गए।

जिज्ञासा

ऐसे ईजाद हुआ 'मनी प्लांट' नाम

मनी प्लांट के पौधे के पत्ते का आकार इस तरह का होता है कि वे सिक्कों की तरह लगते हैं। यह पौधा लोग इसलिए अपने घरों में रखते हैं और गार्डन में भी लगाते हैं, ताकि उनके घर में धन बना रहे और कभी धन की कमी न हो। इसी तरह के विश्वास ने इस पौधे को मनी प्लांट नाम दिया। इसे मित्रता का प्रतीक भी माना जाता है, क्योंकि इसे उगाना बहुत ही आसान है। इसके तने को या छोटे टुकड़े को भी अगर पानी में रखा जाए या गमले में लगा दिया जाए तो यह आसानी से बड़ा हो जाता है। यही कारण है कि इसे शुभ माना जाता है। मित्रता भी इसी तरह जो होती है।

क्या जानवर भी हमारी तरह आंसू बहाते हैं?

प्राणियों का अध्ययन करने वाले विज्ञान विषय के साथियों का कहना है कि जानवर हमारी तरह आंसू बहाकर अपना दुख व्यक्त नहीं करते हैं। सिर्फ बंदर ही ऐसा जीव है, जो दुख या तकलीफ में हमारी तरह रोता या कहें कि आंसू बहाता है। फिर भी आपने हाथी, कुत्ते, घोड़े और भी दूसरे जानवरों की आंखों से आंसू निकलते देखे होंगे, पर बात यह है कि इन आंसुओं का जानवरों के दुख और तकलीफ से कोई लेना-देना नहीं है। ये आंसू तो वे आंखों को साफ रखने के लिए बहाते हैं। जब हम रोते हैं तो हमारी आंखों के चारों ओर की मांसपेशियों में खिंचाव होता है और आंखों के पास की अश्रुग्रंथियों पर दबाव पड़ता है और इसी से आंसू बह निकलते हैं। जानवरों में इस तरह की मांसपेशियां होती ही नहीं हैं। जानवरों की आंखों से निकलने वाले आंसू उनका दुख और तकलीफ नहीं बताते, इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें दुख या तकलीफ होती ही नहीं है। बस, अपनी बात कहने का उनका तरीका दूसरा है, जिसे उनके साथ रहकर समझा जा सकता है।

पहाड़ी गिद्ध

बड़े आकार का भूरे रंग का पहाड़ी गिद्ध पूरे हिमालय में पाया जाता है। नीचे से देखने में यह हल्का खाकी लगता है और इसके पंखों के पिछले किनारे और दुम का रंग काला होता है। आकाश में उड़ते समय यह वायुयान की तरह दिखलाई पड़ता है। खाकी रंग के रोएं सिर और गर्दन पर होते हैं। पहाड़ी गिद्ध की लंबाई सामान्यत: 4 फुट होती है। नर और मादा दोनों एक समान दिखाई देते हैं। सिर और गर्दन पर हल्के रंग के रोएं होते हैं। पीठ का ऊपरी रंग भूरा होता है, जिस पर धारियां पड़ी रहती हैं। हिमालय क्षेत्र में पहाड़ों पर आने-जाने वाले लोग पहाड़ी गिद्ध को अच्छी तरह पहचानते हैं। आकाश में काफी ऊंचाई पर उड़ते और चक्कर काटते हुए इस गिद्ध को कभी भी देखा जा सकता है। इसके पंख कड़े और पीठ एकदम सीधी होती है, इसी वजह से यह वायुयान की तरह दिखाई देता है। अन्य गिद्धों की तरह इसके आराम करने की जगह भी निश्चित होती है, जो प्राय: किसी चट्टान के ऊपर अथवा पहाड़ के किसी ऊंचे स्थान होते हैं। यहां यह खाए हुए भोजन को पचाने के लिए बैठ जाता है। इनके बैठने के प्रिय स्थानों का प्रयोग सैकड़ों वर्षों से होता आ रहा है इसलिए इन जगहों पर बड़े-बड़े सफेद धब्बे 2-3 मील दूर से ही दिखाई देते हैं। मरे हुए जानवरों के खाने के तुरंत बाद यह पास के पेड़ों पर जाकर बैठ जाते हैं और पाचन शुरू होते ही अपने विश्राम स्थलों की ओर मुड़ जाते हैं। इनका मुख्य भोजन मरे हुए पशुओं का सड़ा मांस है। यह कभी खुद शिकार नहीं करते। पहाड़ी गिद्ध सामान्यत: 4-6 जोड़े मिलकर किसी पहाड़ या जलमग्न चट्टान पर एक साथ अपने घोंसले बनाते हैं। इनके घोंसले छोटी-छोटी टहनियों और घासफूस के बने होते हैं, जो देखने में बिलकुल भद्दे होते हैं। मादा एक समय में एक ही अंडा देती है, जो लंबा और नुकीला होता है। इन अंडों की औसत लंबाई 4 इंच होती है।

जीत गई बहादुर बकरी की ममता

कहानी

एक बहादुर बकरी थी वह रोज सुबह जंगल में चरने जाया करती और सूर्यास्त होने तक लौट आती। कुछ समय बाद उसके चार बच्चे हुए। उसने अपने बच्चों का नाम आले, बाले, छुन्नु और मुन्नु रख दिया। एक सियार उन बच्चों को खाने लिए वहीं चक्कर लगाया करता रहता। बकरी का चरने के लिए जंगल जाना जरूरी था।

इसलिए बकरी ने बच्चों को बचाने के लिए एक टटिया (बांस की टाटी से बना घर) बनाई और बच्चों से कहा- जब तक मैं आकर आवाज न दूं तब तक ये टटिया मत खोलना।

अब बकरी निश्चिंत होकर जंगल जाती और शाम को आकर आवाज देती- आले टटिया खोल, बाले टटिया खोल, छुन्नु टटिया खोल और मुन्नु टटिया खोल। यह सुनकर ही बच्चे दरवाजा खोलते थे।

एक दिन सियार ने ये सब कुछ सुन लिया। अगले दिन जब बकरी जंगल चली गई तो सियार बकरी के घर पहुंच गया। उसने बकरी की आवाज में कहा- 'आले टटिया खोल, बाले टटिया खोल, छुन्नु टटिया खोल और मुन्नु टटिया खोल।'

बच्चों ने सोचा आज मां जल्दी लौट आईं। उन्होंने टटिया का दरवाज खोल दिया। लेकिन सियार को देखकर वे घबरा गए। मौका पाकर सियार बच्चों को खा गया। शाम को जब बकरी घर पहुंची तो टटिया का दरवाजा का खुला देखकर डर गई। वह अंदर गई तो वहां कोई नहीं था। लेकिन जब उसने वहां सियार के पैरों के निशान देखे तो वह समझ गई कि सियार उसके बच्चों को खा गया है। वह तुरंत बढ़ई के पास गई और अपने सींग पैने करवा लाई। तेली के पास जाकर अपने सींगों को चिकना भी करवा लिया। अब बकरी सियार को ढूंढने लगी। उसे सियार के पेड़ के पास सोता हुआ मिला। बकरी ने सियार से कहा- 'मेरे बच्चे लौटा दो', सियार बोला 'तेरे बच्चे तो मैंने खा लिए और अब मैं तुझे भी खाउंगा'। बकरी गुस्से में आगे बढ़ी और सियार के पेट में अपने सींग घौंप दिए।

जैसे ही सियार का पेट फटा बकरी के चारों बच्चे बाहर निकल आए। सियार मर चुका था और बकरी बच्चों को लेकर घर चली गई। इसके बाद बकरी ने बच्चों को कान में बताकर जाने लगी कि आज वो कितनी बार गाना गाएगी।

मकड़ी के जाल से निकलेगा संगीत

जापान के एक शोधकर्ता ने मकड़ी के बुने हुए जाल के हजारों रेशमी धागों का इस्तेमाल कर वायलिन के तार बनाए हैं। बताया जा रहा है कि स्टील से बने तारों के मुकाबले इन तारों से निकलने वाली आवाज हल्की और गहरी सुनाई देती है। इसकी वजह तार बनाने की विधि हो सकती है क्योंकि तार में मकड़ी के रेशमी धागों को जिस तरह से मोड़ा जाता है, उससे उनके बीज में कोई जगह नहीं बचती है। सूत्रों के मुताबिक, जापान के नारा मेडिकल विश्वविद्यालय के डॉक्टर शिगेयोशी ओसाकी ने वायलिन का एक-एक तार मकड़ी के बुने हुए हजारों रेशमी धागों से बनाया है। डॉ. ओसाकी ने कहा, मकड़ी के रेशम से वायलिन के तार बनाना एकदम नई खोज है। यह वायलिन बजाने वालों और संगीत प्रेमियों को नए सुर सुनने का मौका देगी। उनके इस शोध को फिजिकल रिव्यू लेटर्स पत्रिका के अगले संस्करण में प्रकाशित किया जाएगा। डॉ.ओसाकी कई वर्षों से मकड़ी के रेशम पर शोध कर रहे हैं। उन्होंने पाली हुई मकड़ियों का प्रजनन करवा कर, उनसे खास ड्रैगलाइन रेशम निकालने का तरीका विकसित किया। करीब तीन सौ नेफ्युला माकुलाता मकड़ियों से ये रेशमी धागे निकाले गए। ऐसे तीन से पांच हजार धागों को एक दिशा में मोड़कर एक गट्ठा बनाया गया और फिर तीन गट्ठों को दूसरी दिशा में एक साथ मोड़कर एक तार बनाया गया। डॉ. ओसाका ने पाया कि मकड़ी के रेशम से बने ये तार एल्यूमिनियम की परत से ढंके नायलॉन के तारों से ज्यादा मजबूत हैं। अब डॉ.ओसाकी मकड़ी के रेशम के इस्तेमाल के नए तरीकों पर काम कर रहे हैं।

सैंकड़ों आविष्कार किए थे थामस अल्वा एडिसन ने

नई दिल्ली। विज्ञान के क्षेत्र में थामस अल्वा एडिसन एक ऐसा नाम है जिन्हें न केवल आविष्कारक के तौर पर बल्कि एक उद्यमी के रूप में भी जाना जाता है। उनके नाम एक हजार से भी अधिक पेटेंट हैं। प्रकाश बल्ब का आविष्कार करके घर-घर में रोशनी पहुंचाने वाले एडिसन के नाम 1093 अमेरिकी पेटेंट थे। इसके अलावा ब्रिटेन, फ्रांस तथा जर्मनी में भी उनके नाम कई पेटेंट थे। इसलिए इतिहास में उन्हें सबसे सफल आविष्कारकों के तौर पर पहचान मिली। एडिसन के अंदर वैज्ञानिक तथा उद्यमी क्षमतायें थीं। उन्होंने बचपन में तमाम किस्म की चीजों का व्यापार किया था और अपने जीवन काल में उन्होंने करीब 14 कंपनियां स्थापित की थीं। इनमें से जनरल इलैक्ट्रिक (जीई) आज भी सफलतापूर्वक अपना संचालन कर रही है। जीई की अधिकृत साइट जीई डाट काम ने अपने शुरुआती कर्ताधर्ताओं के बारे में विवरण देते हुए एडिसन के बारे में लिखा है कि थामस एडिसन एक कुशाग्र वैज्ञानिक थे। लेकिन उनकी उद्यमी क्षमता के बारे में लोग कम ही जानते हैं। उन्होंने आज की जीई कंपनी की आधारशिला रखी थी। 11 फरवरी 1847 को जन्मे थामस एडिसन ने 1880 में विद्युत वितरण प्रणाली का भी पेटेंट कराया था जो प्रकाश बल्ब के उनके आविष्कार को आम लोगों के लिए फलीभूत करने के लिहाज से काफी जरूरी था। उन्होंने विद्युत ऊर्जा की अवधारणा को घरों और कारखानों तक पहुंचाया था। कॅरियर की शुरुआत में बतौर एक टेलीग्राफ आपरेटर काम करने वाले एडिसन की रूचि संचार के क्षेत्र में काफी थी और उन्होंने फोनोग्राफसहित अनेक संचार उपकरणों का आविष्कार किया था। बचपन में एडिसन इतने जिज्ञासु प्रवृत्ति के थे कि शिक्षक उनके सवाल-जवाब से खुद को उलझन में महसूस करते थे। एडिसन की मां ने उन्हें बचपन में काफी प्रायोगिक चीजें सिखाईं जिससे एडिसन की रूचि विज्ञान की ओर बढ़ती चली गई। 19 वर्ष की आयु में उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस के ब्यूरो में न्यूज वायर्स के साथ काम किया था। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से रात की पाली में काम करने का अनुरोध किया ताकि उन्हें और अधिक पढ़ने और प्रयोग करने का मौका मिल सके।

छत्रपति शिवजी के गुरु थे समर्थ स्वामी रामदास

हिन्दू पद पादशाही के संस्थापक छत्रपति शिवाजी के गुरु, समर्थ स्वामी रामदास का नाम भारत के साधु-संतों व विद्वत समाज में सुविख्यात है। महाराष्ट्र तथा सम्पूर्ण दक्षिण भारत में तो प्रत्यक्ष हनुमान जी के अवतार के रूप में उनकी पूजा की जाती है। उनके जन्मस्थान जाम्बगांव में उनकी मूर्ति मंदिर में स्थापित की गयी है। यद्यपि मूर्ति स्थापना के समय अनेक विद्वानों ने कहा कि मनुष्यों की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा देवताओं के समान नहीं की जा सकती, पर हनुमान जी के अवतार वाली जन मान्यता के सम्मुख उन्हें झुकना पड़ा।

स्वामी रामदास का जन्म चैत्र शुक्ल 9, विक्रम सम्वत् 1664 (1608 ई0) को दोपहर में हुआ था। यही समय श्रीराम के जन्म का भी है। सूर्याजी पन्त तथा राणूबाई के घर में जन्मे इस बालक का नाम नारायण रखा गया। नारायण बचपन में बहुत शरारती थे। सात वर्ष की अवस्था में उन्होंने हनुमान जी को अपना गुरु मान लिया। इसके बाद तो उनका अधिकांश समय हनुमान मंदिर में पूजा में बीतने लगा। एक बार उन्होंने निश्चय किया कि जब तक मुझे हनुमान जी दर्शन नहीं देंगे, तब तक मैं अन्न जल ग्रहण नहीं करूंगा। यह संकल्प देखकर हनुमान जी प्रकट हुए और उन्हें श्रीराम के दर्शन भी कराये। रामचन्द्र जी ने उनका नाम नारायण से बदलकर रामदास कर दिया।

जब घर वाले उनका विवाह करने लगे, तो वे मण्डप से भागकर गोदावरी के पास टाकली गांव में एक गुफा में रहकर तप करने लगे। भिक्षा से जो सामग्री मिलती, उससे वे अपना जीवनयापन करते थे। बारह साल तक कठोर तप करने के बाद वे तीर्थयात्रा पर निकल पड़े। यात्रा में उन्होंने हिन्दुओं की दुर्दशा तथा उन पर हो रहे मुसलमानों के भीषण अत्याचार देखे। वे समझ गये कि हिन्दुओं के संगठन के बिना भारत का उद्धार नहीं हो सकता।

इस प्रवास में उन्होंने देश भर में 700 मठ बनाये। इनमें श्रीराम और हनुमान जी की पूजा के साथ ही युवक कुश्ती तथा शस्त्र संचालन का अभ्यास करते थे। इस प्रकार उन्होंने युवकों की एक अच्छी टोली खड़ी कर दी। चाफल केंद्र से वे इनका संचालन करते थे। 'जय-जय श्री रघुवीर समथ' उनका उद्घोष था। इसी से लोग उन्हें 'समर्थ स्वामी' कहने लगे। जब शिवाजी ने आदर्श हिन्दू राज्य स्थापित करने के प्रयास प्रारंभ किये, तो उन्होंने समर्थ स्वामी को अपना गुरु और मार्गदर्शक बनाया।

समर्थ स्वामी की जीवनयात्रा के अनुभव मुख्यत: 'दासबोध' नामक ग्रंथ में संकलित हैं। ऐसी मान्यता है यह उन्होंने शिवाजी के मार्गदर्शन के लिए लिखा था। उनके शिष्य उनके प्रवचनों को लिखते रहते थे। यह सब अन्य अनेक ग्रंथों में संकलित है। 1680 में शिवाजी के देहांत के बाद उनके पुत्र शम्भाजी का अनुचित व्यवहार देखकर स्वामी जी को बहुत दु:ख हुआ। उन्होंने पत्र लिखकर उसे समझाया, पर उसने ध्यान नहीं दिया।

स्वामी जी को लगा कि जिस काम के लिए प्रभु ने उन्हें शरीर दिया था, वह उसे यथाशक्ति पूरा कर चुके हैं। अत: उन्होंने स्वयं को समेटना शुरू किया। जब अश्रुपूरित शिष्यों ने उनसे पूछा कि आपके बाद हमें मार्गदर्शन कौन देगा, तो उन्होंने अपने ग्रंथ 'दासबोध' की ओर संकेत किया। माघ कृष्ण 9, विक्रम संवत् 1731 (22 जनवरी, 1672) को राम-नाम लेते हुए समर्थ स्वामी रामदास ने अपना शरीर त्याग दिया।

क्या आप जानते हो

कैसे पड़ा टी-शर्ट का यह नाम?

अमेरिका में लोग वूलन कपड़े पहनते थे। पहले विश्व युद्ध के दौरान जब वहां के सैनिकों ने देखा कि योरपीय देशों के सैनिक एक पतला कपड़ा पहनते हैं, जिससे वे गर्मी में भी खुद को ज्यादा सहज पाते हैं। इस तरह के वस्त्र वूलन के अंदर भी पहने जा सकते थे और मौका आने पर वूलन कपड़े उतारकर सिर्फ उन हल्के कपड़ों में राहत महसूस की जा सकती थी। यहीं से इस तरह के वस्त्र चलन में आए। चूंकि इस तरह के वस्त्रों का आकार अंग्रेजी के अक्षर टी की तरह होता था इसलिए दूसरे विश्व युद्ध में इस तरह के वस्त्रों को खासकर शरीर के ऊपरी हिस्से में पहने जाने वालों वस्त्रों को टी-शर्ट कहा जाने लगा। यह शब्द अमेरिका के सैनिकों ने ईजाद किया था।

क्या आप जानते हैं कि हाथी चींटियों से डरते हैं

विशालकाय हाथी चींटियों से डरते हैं, ये बात हम बचपन से सुनते आए हैं, लेकिन शोध ने भी इस बात की पुष्टि की है। पूर्वी अफ्रीका में बबूल और कीकर के पेड़ों पर रह रही चींटियां हाथियों से उन पेड़ों को बचाती हैं। कीनिया में किए गए इस शोध में अमेरिकी शोधार्थियों ने पाया कि हाल के वर्षों में हाथियों की वजह से पेड़ों को काफी नुकसान पहुंचा है, लेकिन बबूल और कीकर के पेडों पर रह रही चींटियों की वजह से इन पेड़ों को हाथी से नुकसान नहीं पहुंचता। इस रहस्य का पता लगाने के लिए इन पेड़ों से पहले चींटियों को अलग किया। ऐसी स्थिति में हाथी इन पेड़ों को खाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन जैसे ही ज्यादा से ज्यादा चींटियां वापस पेड़ पर लौट आईं बेहद कम ही हाथी उन पेड़ों की ओर आए। शोध के दौरान पाया कि हाथियों ने पेड़ की उन शाखाओं को छुआ तक नहीं जिस पर चींटियां थीं। उन्हें चींटियों की गंध आ जाती थी और पता चल जाता था कि उन्हें खाना कष्टदायक हो सकता है। हाथियों को इस बात का डर था कि उनके सूंड में चींटियां घुसकर उन्हें काट सकती हैं। पूर्वी अफ्रीका में जहां पेड़ों की संख्या घट रही है, वहीं हाथियों की संख्या बढ़ रही है। वहां हाथी अपने भोजन के लिए पेड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं।

मुस्कराइए

संता बंता की डबलडेकर बस में सवारी

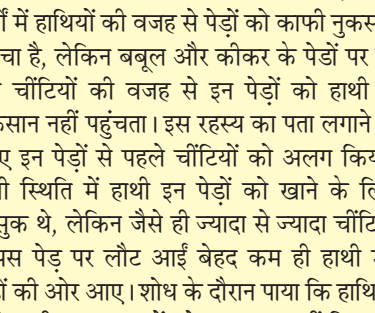

संता बंता डबलडेकर बस में बैठे। संता बस में नीचे बैठा और बंता ऊपर बैठा।

बस में नीचे बैठा संता बोला 'चेक करके आता हूं कि बंता को मजा आ रहा है या नही'

वो ऊपर गया और देखा कि बंता बस के एक कोने में बैठा था। संता, बंता के पास गया और बोला 'अरे बंता क्या हुआ तू ऐसे छुप के क्यों बैठा है?'

तो बंता बोला 'अरे तेरे पास तो नीचे ड्राइवर भी है, मेरे पास तो वो भी नहीं है।'

संता बंता की स्कूटर की सवारी

संता बंता अपने दोस्त के साथ एक ही स्कूटर पर बैठकर जा रहे थे। तभी रास्ते में एक ट्रैफिक पुलिस वाले ने संता-बंता के स्कूटर को रोक लिया।

इस पर संता ने कहा- सॉरी भाईजी, पहले से ही 3 लोग बैठे हैं, बिल्कुल भी जगह नहीं है। आप कोई दूसरा स्कूटर पकड़ें।

एलन मस्क ने खास वजह से किया भारत दौरा स्थगित, अब बता दी नई प्लानिंग

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

दुनिया की सबसे बड़ी ईवी कंपनियों में से एक टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की पहली भारत यात्रा को स्थगित करने की खबर कंफर्म हो गई है. इस खबर को खुद एलन मस्क ने अपने एक्स हैंडल पर कंफर्म किया है. एलन मस्क पहले 21 और 22 अप्रैल को भारत के दौरे पर आने वाले थे. जिसे फिलहाल के लिए कैंसल कर दिया गया है. एलन मस्क ने टेस्ला से जुड़े दायित्वों का हवाइस दौरे पर एलन मस्क टेस्ला के लिए मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और सैटेलाइट कंयूनिकेशन से रिलेटिड योजनाओं का ऐलान करने वाले थे. खबर ये भी थी कि एलन मस्क भारत में 25 हजार करोड़ रुपए का निवेश करने की प्लानिंग कर रहे हैं।

एलन मस्क ने किया पोस्ट

एलन मस्क ने अपने एक्स हैंडल पोस्ट में कहा कि दुर्भाग्य से, टेस्ला दायित्वों के कारण भारत की यात्रा में देरी हो रही है. लेकिन मैं इस वर्ष के अंत में यात्रा के लिए बहुत उत्सुक हूं. जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल को एलन मस्क ने टेस्ला के तिमाही नतीजे जारी करने हैं. ये डेट पहले से ही फिक्स थी. ऐसे में भारत विजिट के बाद तिमाही नतीजे लेट होने की संभावना थी. यही वजह है कि एलन मस्क ने भारत दौरे को टाल दिया है. साल के अंत तक वह कब तक आएंगे. अभी इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

विजिट में क्या करने वाले थे मस्क

अपनी भारत यात्रा के दौरान एलन मस्क भारत में 2 से 3 बिलियन डॉलर यानी 25 हजार करोड़ रुपए तक के निवेश का ऐलान करने वाले थे. जिसके तहत देश में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने का ऐलान होने वाला था. साथ ही सैटेलाइअ कंयूनिकेशन पर भी एलन मस्क ने आवेदन किया हुआ था. जिस पर भी स्थिति स्पष्ट हो सकती थी और कोई बड़ा ऐलान मस्क की ओर से हो सकता था. इसके अलावा अपनी भारत यात्रा के दौरान, टेस्ला के सीईओ का भारतीय स्टार्टअप और स्पेस कंपनियों से मिलने का भी प्रोग्राम था।

10 अप्रैल को किया था पोस्ट

10 अप्रैल को मस्क ने ट्वीट कर कहा था कि वह पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं. उससे पहले भारत सरकार ने एक नई ईवी पॉलिसी का भी ऐलान किया था. जिसमें विदेशी कंपनियों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने में काफी मदद मिलेगी. साथ ही विदेशी कंपनियों को कुछ ईवी पर कम इंपोर्ट ड्यूटी लेने का भी प्रस्ताव था. पिछले साल, मस्क ने घोषणा की थी कि उनकी कंपनी, टेस्ला संभवत: भारत में एक महत्वपूर्ण निवेश करेगी क्योंकि सरकार देश में विदेशी ईवी ब्रांडों को लुभाने पर विचार कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू शेयर बाजारों में पूरे हफ्ते गिरावट बनी रही, सेंसेक्स 73,088 और निफ्टी 22,147 पर बंद

मुंबई । बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में युद्ध की आशंका ही हावी रही। ईरान और इजरायल के तनाव के बीच बाजार में गिरावट देखने को मिली। एफआईआईएस ने जोरदार बिकवाली की, जिससे दुनिया भर के बाजारों में गिरावट नजर आई। घरेलू शेयर बाजारों में पूरे हफ्ते गिरावट बनी रही। बीते सप्ताह बुधवार को रामनवमी पर्व के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से पांच में से केवल चार दिन ही घरेलू शेयर बाजार में कारोबार हुआ। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में भारी बिकवाली दिख रही है। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेसेक्स और निफ्टी फिसल गए हैं। बीएसई का सेंसेक्स 757.55 अंकों की गिरावट के साथ 73,487.35 पर खुला और 845.12 अंकों की गिरावट के साथ 73,399.78 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 242.61 टूटकर 22,276.80 के स्तर पर खुला और 246.91 अंक टूटकर 22,272.50 पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को शेयर बाजार में एक बार फिर कमजोर शुरुआत हुई है। सेंसेक्स 346.34 अंकों की कमजोरी के साथ 73,071.29 पर खुला और 461.78 अंकों की बढ़त के साथ 72,938.00 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 93.35 अंक फिसलकर 22,179.15 पर खुला और 124.60 अंक फिसलकर 22,147.90 पर बंद हुआ। गुरुवार को बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। सेंसेक्स 14.50 अंक फिसलकर 72,924.01 पर खुला और 454.69 अंकों की गिरावट के साथ 72,488.99 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 18.35 अंकों की बढ़त के साथ 22,166.25 पर खुला और -152.06 अंक टूटकर 21,995.85 पर बंद हुआ। लगातार पांचवें दिन प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। शुक्रवार को सेंसेक्स करीब 600 अंक फिसलकर 72,000 पर खुला और 599.34 अंकों की बढ़त के साथ 73,088.33 पर बंद हुआ।

नारायण मूर्ति का 5 महीने का पोता बना करोड़पति, डिविडेंड के रूप में मिलेंगे 4.2 करोड़ रुपए

नई दिल्ली । इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के पांच महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को

हाल ही में उनके दादा ने उन्हें 15 लाख शेयर तोहफ़े में दिए थे। अब इन शेयरों ने एकाग्र को करोड़पति बना दिया है। दरअसल, इंफोसिस कंपनी ने हाल ही में 28 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से बंपर अंतिम और स्पेशल डिविडेंड की घोषणा की है। यानी कि एकाग्र को इन शेयरों से कुल मिलाकर 4.20 करोड़ रुपये का फायदा होगा। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी रकम हासिल करने के चलते एकाग्र भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी का सबसे कम उम्र का करोड़पति शेयरधारक बन गया है। गौरतलब है कि जब नारायण मूर्ति ने अपने पोते को 15 लाख शेयर गिफ्ट किए थे तब उनकी कीमत 240 करोड़ रुपये थी।

16 साल के निचले स्तर पर आया गेहूं का स्टाक, अधिकारी ने बताया किस वजह से आई कमी

नई दिल्ली। सरकारी गोदामों में रखे गए गेहूं का स्टॉक 16 सालों के अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) के आंकड़ों पर गौर करें तो अप्रैल की शुरुआत में गेहूं का भंडार कुल 7.5 मिलियन टन (75 लाख टन) था, जो एक साल पहले के 8.35 मिलियन टन (83.5 लाख टन) से कम था। एक अधिकारी ने बताया कि गेहूं के स्टॉक में कमी आई है, क्योंकि मूल्य को स्थिर रखने के लिए एक करोड़ टन गेहूं खुले बाजार में बेचना पड़ा। पिछले एक दशक में, 1 अप्रैल को गेहूं का स्टॉक औसतन 16.7 मिलियन टन था। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है कि गेहूं का स्टॉक एक करोड़ टन से नीचे नहीं जाए। मुंबई स्थित एक डीलर ने कहा कि सरकार को इस साल किसानों से तीन करोड़ से 3.2 करोड़ टन गेहूं खरीद के अपने लक्ष्य को हरहाल में हासिल करना होगा ताकि अगले सीजन में स्टॉक का स्तर बफर मानक से ऊपर रहे। सरकार ने 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। माना जा रहा है कि आम चुनाव के बाद सरकार शुल्क मुक्त आयात की अनुमति देने पर विचार कर सकती है। भारत 2022 और 2023 में अपने गेहूं खरीद लक्ष्य को हासिल करने में विफल रहा था, क्योंकि ज्यादा गर्मी की वजह से फसल का आकार छोटा हो रह गया था। वहीं रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर कमी होने के कारण मांग बढ़ी थी, इसके बावजूद भारत ने 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। डीलर ने कहा, अगर सरकार आवश्यक मात्रा खरीदने में विफल रहती है... तो वह आम चुनाव के बाद शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने पर विचार कर सकती है।

अडानी पोर्ट्स ने अधिग्रहण के बाद कैसे देश के बंदरगाहों की विकास क्षमता का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

देश के सबसे बड़े निजी पोर्ट ऑपरेटर अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि उसने (अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों सहित) वित्त वर्ष 2023-24 में 42 करोड़ टन कार्गो हैंडल किया जो कंपनी की यात्रा में एक नया मील का पत्थर है।वर्ष दर वर्ष आधार पर यह 24 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि है, जिसमें घरेलू बंदरगाहों ने 40.8 करोड़ टन से ज्यादा का योगदान दिया।

कंपनी को पहली बार 10 करोड़ टन वार्षिक कार्गो थ्रूपुट हासिल करने में 14 साल लगे। वहीं, 20 करोड़ टन का आंकड़ा हासिल करने में अगले पांच साल तथा 30 करोड़ टन तक पहुंचने में तीन साल और लगे।

विशेष रूप से, नवीनतम 10 करोड़ टन का आंकड़ा दो साल से भी कम समय में हासिल किया गया है।

यह प्रभावशाली उपलब्धि कैसे हासिल हुई

एपीएसईजेड पिछले कुछ वर्षों में एकीकृत बंदरगाह इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं के प्रदाता के रूप में उभरा है, जिसमें से गुजरात का मुंद्रा एसईजेड एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

आठ हजार हेक्टेयर से अधिक में फैला मुंद्रा इकोनॉमिक हब सबसे बड़े बहु-उत्पाद एसईजेड, मुक्त व्यापार एवं वेयरहाउसिंग क्षेत्र (एफटीडब्ल्यूजेड) और घरेलू औद्योगिक क्षेत्र के रूप में निवेश के विकल्प प्रदान करता है।

एपीएसईजेड के पहले बंदरगाह मुंद्रा पर 1998 में पहला जहाज आया था। तब से, कंपनी ने देश के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर 15 बंदरगाहों और

टर्मिनलों का एक नेटवर्क बनाया है।

एपीएसईजेड वर्तमान में देश में सबसे बड़ा वाणिज्यिक पोर्ट ऑपरेटर है, जो देश की कार्गो आवाजाही में लगभग एक-चौथाई की हिस्सेदारी रखता है। देश के भीतरी हिस्सों में व्यापक कनेक्टिविटी के साथ गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा के सात समुद्र तटीय राज्यों में घरेलू बंदरगाहों पर इसकी उपस्थिति काफी विस्तृत है।

बंदरगाहों पर सुविधाएं नवीनतम कार्गो-हैंडलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस हैं जो न केवल श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ है बल्कि भारतीय तटों पर आने वाले सबसे बड़े जहाजों को हैंडल करने में भी सक्षम है।

कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, पूरे भारत के एक-चौथाई से अधिक कार्गो वॉल्यूम को एपीएसईजेड बंदरगाहों के माध्यम से भेजा गया था।

एपीएसईजेड के प्रबंध निदेशक करण अदाणी के अनुसार, नवीनतम 10 करोड़ टन का आंकड़ा दो साल से भी कम समय में हासिल किया गया है। यह परिचालन दक्षता बढ़ाने और उद्योग में शीर्ष बंदरगाह ऑपरेटर के रूप में हमारी स्थिति बनाए रखने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता और जारी प्रयासों का एक प्रमाण है।

ओडिशा के भद्रक जिले में धामरा बंदरगाह इस क्षेत्र में ड्राई कार्गो शिपमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। दस साल पहले यह केवल 1.4 करोड़ टन कार्गो हैंडल करता था लेकिन आज इसकी क्षमता 4.2 करोड़ टन से अधिक हो गई है।

इस बंदरगाह पर केपसाइज जहाज (सबसे बड़े ड्राई कार्गो शिप) भी लंगर डाल सकते हैं, और ओडिशा, झारखंड तथा पश्चिम बंगाल के उद्योगों को आपूर्ति प्रदान कर सकता है।

धामरा में 50 लाख टन क्षमता का तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टर्मिनल भी है जो असम, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करता है। कृष्णापट्टनम बंदरगाह अंतर्राष्ट्रीय मानकों का एक हर मौसम में ऑपरेट करने वाला, विश्व स्तरीय गहरे पानी का बंदरगाह है। यह पूरे वर्ष चौबीसों घंटे केपसाइज जहाजों को हैंडल करने में सक्षम है। इसमें अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा, मशीनीकृत हैंडलिंग सिस्टम और समर्पित भंडारण यार्ड हैं जो थोक और ब्रेक बल्क कार्गो के लिए स्वच्छ और संदूषण मुक्त हैंडलिंग सुविधाएं प्रदान करते हैं। इसकी वर्तमान क्षमता 7.5 करोड़ टन है, जो चार साल पहले 6.4 करोड़ टन के मुकाबले उल्लेखनीय वृद्धि है। पुडुचेरी में कराईकल बंदरगाह बिजली संयंत्रों और सीमेंट कारखानों के पास है। वित्त वर्ष 2022-23 में इसने लगभग एक करोड़ टन कार्गो हैंडल किया और 2023-24 में यह आंकड़ा 1.3 करोड़ टन तक पहुंच गया। आठ बंदरगाहों - मात्रा के हिसाब से पोर्टफोलियो का 84 प्रतिशत - ने वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी के लिए दोहरे अंक की वृद्धि प्रदान की। दहेज बंदरगाह खंभात की खाड़ी में स्थित एक गहरे पानी वाला, मल्टी-कार्गो बंदरगाह है। यह रणनीतिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर स्थित है और गुजरात, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश के घने औद्योगिक केंद्रों तक आसान पहुंच प्रदान करता है। यह इसे भारत के उत्तरी और पश्चिमी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में काम करने वाले कार्गो हब के लिए पसंदीदा बंदरगाह बनाता है। प्रमुख बंदरगाह मुंद्रा एक ही महीने (अक्टूबर 2023) में 1.6 करोड़ टन कार्गो को हैंडल वाला देश का पहला बंदरगाह बन गया। वास्तव में, मुंद्रा बंदरगाह से मिली सीख को कंपनी के स्वामित्व वाले अन्य सभी बंदरगाहों पर दोहराया गया है।

भारत ने ओपेक के साथ बातचीत में तेल की स्थिर कीमतों की आवश्यकता पर दिया जोर

नई दिल्ली, 20 अप्रैल । पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ओपेक महासचिव हैथम अल-घैस के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान कच्चा तेल बाजार में स्थिरता और समुचित कीमत के महत्व पर जोर दिया।आधे घंटे की बातचीत में वैश्विक तेल बाजारों में हालिया रुझानों और अस्थिरता तथा अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा स्थिरता पर उनके प्रभावों पर चर्चा हुई।

पुरी ने बातचीत के दौरान कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में, भारत वैश्विक ऊर्जा बाजारों में संतुलन हासिल करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत ओपेक के लिए दूसरा सबसे बड़ा आयातक है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत ने ओपेक देशों से 120 अरब डॉलर के कच्चे तेल, एलपीजी, एलएनजी और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया।

इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ मिसाइल हमला शुरू करने की खबरों के बीच अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तीन डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी हुई, जिससे भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई, जिससे कच्चे तेल के शिपमेंट में बाधा आ सकती है।

बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल हो गई। अमेरिका का वेस्ट टेक्सास लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था।

अमेरिकी भंडार बढ़ने और धीमी अर्थव्यवस्था के कारण चीनी मांग में गिरावट के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई थी।

चूंकि भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है, वैश्विक तेल की कीमतों में तेज वृद्धि से देश आयात खर्च बढ़ सकता है और विदेशी मुद्रा के बड़े व्यय के कारण रुपया कमजोर हो सकता है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट पाकिस्तान के भी हालात ठीक नहीं

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बीते सप्ताह विदेशी निवेशकों के भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 793 अंक टूट गया था। इसका असर देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दिखा है। बीते 12 अप्रेल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 5.401 बिलियन डॉलर गिरकर 643.162 बिलियन डॉलर का ही रह गया है। इससे पहले, पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 648.562 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी हालात कुछ ठीक नहीं हैं। बीते 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। यह ऑल टाइम हाई है। इससे पहले अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां में भी कमी हुई है। बीते 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा आस्तियां में 6.513 बिलियन की कमी हुई है। इन दिनों भारतीय रिजर्व बैंक सोने का स्टॉक बढ़ा रहा है। तभी 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार में बढ़ोतरी हुई है। इस सप्ताह गोल्ड रिजर्व में 124 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब

अपना सोने का भंडार 55.798 बिलियन हो गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के मुद्रा भंडार में भी कमी हुई है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की जबरदस्त किल्लत चल रही है। हालात ऐसे हैं कि वहां काम की चीजें मंगाने लायक भी विदेशी मुद्रा का भंडार नहीं बचा है। इसलिए बेहद संभल कर आयात करना पड़ता है। बीते 12 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां का विदेशी मुद्रा भंडार 48 मिलियन डॉलर घट गया। इससे पहले बीते 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के भंडार में बढ़ोतरी हुई थी। अब वहां 13.37 अरब डॉलर का ही विदेशी मुद्रा भंडार रह गया है।

जनवरी-मार्च तिमाही में विप्रो का मुनाफा आठ फीसदी घटकर 2,835 करोड़ रुपए रहा

बेंगलुरु, 20अप्रैल ।

वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में आईटी सॉफ्टवेयर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी विप्रो का शुद्ध मुनाफा 7.80 प्रतिशत घटकर 2,834.6 करोड़ रुपये रह गया। इससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी को 3,074.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि गत 31 मार्च को समाप्त तिमाही में कंपनी का राजस्व 4.18 प्रतिशत गिरकर 22,208.3 करोड़ रुपये हो गया। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने एक साल पहले इसी तिमाही में 23,190.3 करोड़ रुपये का समेकित राजस्व दर्ज किया था।

कंपनी का आईटी सेवा क्षेत्र का राजस्व 265.74 करोड़ डॉलर रहा, जो क्रमिक रूप से 0.1 प्रतिशत की वृद्धि और एक साल पहले की तुलना में 6.4 प्रतिशत की कमी है।

जारी आंकड़ों से पता चलता है

कि स्वैच्छिक नौकरी छोड़ने की दर 14.2 प्रतिशत थी। चौथी तिमाही में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या में 6,180 और पूरे साल के दौरान 24,516 की कमी आई।

कंपनी ने अनुमान लगाया है कि 30 जून को समाप्त होने वाली तिमाही में स्थिर मुद्रा के संदर्भ में 1.5 प्रतिशत की से 0.5 प्रतिशत की बढ़त तक हो सकती है। विप्रो के सीईओ श्रीनि पल्लिया ने कहा कि 2023-24 आईटी उद्योग के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष साबित हुआ और व्यापक आर्थिक माहौल अनिश्चित बना हुआ है, हालांकि, मैं आगे आने वाले अवसरों को लेकर आशावादी हूं।

पल्लिया ने कहा कि कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ अपने ग्राहकों की जरूरतों को बदलने के साथ एक प्रमुख तकनीकी बदलाव की राह पर है क्योंकि वे प्रतिस्पर्धी लाभ और उन्नत व्यावसायिक मूल्य के लिए इसकी शक्ति का उपयोग करना चाहते हैं।

पल्लिया ने कहा, हमारे पास हमारे लक्ष्यों को साकार करने में मदद करने के लिए दुनिया भर में 2,30,000 से अधिक विप्रोइट्स की क्षमताएं, नेतृत्व और ताकत है। हालांकि हमें काफी काम करना है, मुझे विश्वास है कि अपने सामूहिक प्रयास के साथ मिलकर हम विकास के अगले अध्याय का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

पल्लिया ने इसी महीने कंपनी की बागडोर संभाली है। उनके पूर्ववर्ती थिएरी डेलापोर्टे ने अचानक सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसी खबरें आ रही थीं कि विप्रो के प्रवर्तक उनके प्रदर्शन से खुश नहीं थे।

नेट प्रॉफिट 310 करोड़ रहा

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चौथी तिमाही के नतीजे घोषित,नेट इंटरेस्ट इनकम 280 करोड़ रही

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जनवरी-मार्च तिमाही में जियो फाइनेंशियल का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़कर 310 करोड़ रहा।

चौथी तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम 280 करोड़ रही

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी जियो फाइनेंशियल की चौथी तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम 280 करोड़ रुपए रही। वहीं टोटल इंटरेस्ट इनकम 418 करोड़ रुपए और टोटल रेवेन्यू 418 करोड़ रुपए रहा।

इससे पहले तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में जियो फाइनेंशियल का नेट प्रॉफिट 293 करोड़ रुपए रहा था। वहीं तीसरी तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम 269 करोड़ रुपए रही थी। वहीं टोटल इंटरेस्ट इनकम 414 करोड़ रुपए और टोटल रेवेन्यू 413 करोड़ रुपए रहा था।

जियो फाइनेंशियल का शेयर आज 370 रुपए पर बंद

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर 2.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 370 रुपए पर बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 2.35 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है।

21 अगस्त को लिस्ट हुआ था जेएसएफ का शेयर

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की लिस्टिंग 21 अगस्त को हुई थी। यह बीएसई पर 265 रुपए और एनएसई पर 262 रुपए पर लिस्ट हुआ था। 19 जुलाई के कारोबारी दिन के अंत में जिन-जिन शेयरहोल्डर्स के पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर्स थे, उन्हें 1:1 के रेश्यो में जियो फाइनेंशियल के शेयर मिले थे। उदाहरण के लिए यदि किसी निवेशक के पास आरआईएल के 100 शेयर थे, तो उसे जेएसएफ के 100 शेयर दिए गए थे।

जुलाई में आरआईएल से अलग हुई थी कंपनी

रिलायंस का फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस जुलाई महीने में अपनी मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से अलग हुआ था। डीमर्जर के बाद प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म के तहत जियो फाइनेंशियल के शेयर का भाव 261.85 रुपए तय हुआ था। कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का प्लान जियो फाइनेंशियल का प्लान कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का है। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी मैक्केरी ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को मार्केट ग्रोथ के मामले में पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए एक बड़ा खतरा बताया था।

पिछले साल मुकेश अंबानी ने किया था ऐलान

पिछले साल मुकेश अंबानी ने जियो फाइनेंशियल को एक अलग यूनिट बनाने का ऐलान किया था। उन्होंने इस बात की घोषणा करते हुए कहा था कि जियो फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी बेस्ड बिजनेस होगा।

ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव के प्रथम संस्करण का रंगारंग शुभारम्भ

ग्रेटर नोएडा, 20 अप्रैल (एजेंसियां) । द मंथन स्कूल, ग्रेटर नोएडा में ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव के प्रथम संस्करण की रंगारंग शुरुआत खेलो इंडिया के निदेशक अरुण कुमार गुप्ता, द्रोणाचार्य अवार्डी डॉ. अजय बंसल, मेजर जनरल दिलावर सिंह की उपस्थिति में हुई। मुख्य अतिथि खेलो इंडिया के निदेशक अरुण गुप्ता ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में एक व्यक्ति जीतता है और बाकी सब सीखते है, इस तरह के आयोजन से जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का मौक़ा दिखाने का अवसर मिलता है। देश खेलों के क्षेत्र में एक लम्बी छलांग लगाने के लिए तैयार है और उस सबकी नींव इसी तरह के आयोजनों से बनती है। द्रोणाचार्य अवार्डी (हॉकी) डॉ. ए.के. बंसल और मेजर जनरल दिलावर सिंह ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहन और समर्थन के अपने शब्दों से प्रेरित किया। इस अवसर पर मंथन स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती पूनम कुमार मेंदीरत्ता, मंथन स्कूल की सीओओ पूजा खुराना और पेफी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पीयूष जैन ने समावेशिता और सौहार्द का माहौल स्थापित करते हुए सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया।ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों की रुचियों और प्रतिभा को ध्यान में रखते हुए ताईक्वांडो, कराटे, फुटबॉल, स्केटिंग, बास्केटबाल और बैडमिंटन सहित खेल प्रतियोगिताओं की एक विविध श्रृंखला पेश की गयी ।

दो दिनों के दौरान 1000 से अधिक स्कूली बच्चे मैत्रीपूर्ण लेकिन प्रतिस्पर्धी माहौल में प्रतिस्पर्धा करते हुए, खेल के प्रति अपने कौशल और जुनून का प्रदर्शन करेंगे।`ल आयोजनों के अलावा, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी द्वारा पेफी के सहयोग से एक डोपिंग रोधी जागरूकता कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 300 से अधिक छात्रों, एथलीटों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य खेलों में स्वच्छ और निष्पक्ष खेल के महत्व के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता बढ़ाना था। ग्रेटर नोएडा खेल महोत्सव न केवल युवा एथलीटों को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करता है बल्कि ईमानदारी, अनुशासन और निष्पक्ष खेल के मूल्यों को भी बढ़ावा देता है। जैसे-जैसे यह आयोजन शुरू होगा, यह खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

न्यूज ब्रीफ

धोनी जब मैदान में उतरते हैं गेंदबाज दवाब में आ जाते हैं, मैदान पर फैंस का शोर भी अतिरिक्त दबाव बनाता है

नई दिल्ली। आईपीएल में खेले गए मैच में चेन्नई के खिलाफ लखनऊ ने जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 6 विकेट पर 176 रन का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे लखनऊ ने कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डि कॉक की शानदार बल्लेबाजी के दम 19वें ओवर में ही 2 विकेट होकर लखनऊ ने जीत हासिल की। मैच खत्म होने के बाद लखनऊ के कप्तान केएल ने महेंद्र सिंह धोनी की बल्लेबाजी को लेकर बयान दिया। महेंद्र सिंह धोनी ने लखमऊ मैच में भी दमदार पारी खेली. 9 बॉल पर 3 चौके और 2 छक्के लगाकर 28 रन बनाए। केएल राहुल ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी जब मैदान में उतरते हैं उनका खौफ गेंदबाजों के अंदर होता है। केएल ने बताया कि जैस ही धोनी मैदान के अंदर आए तो हमारे गेंदबाज दवाब में दिखने लगे। धोनी के अंदर ऐसा कुछ है जो विरोधी गेंदबाजों पर हावी हो जाता है। जब धोनी बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो उनके फैंस का जैसा शोर होता है उससे ही गेंदबाजों पर अतिरिक्त दबाव बन जाता है। चेन्नई की टीम को खाते में 15 से 20 रन तो इसी वजह से ही जुड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि मुकाबले में मुझे पता था कि चेन्नई टीम के स्पिनर हम पर दबाव बनाएंगे। मैंने उन गेंदबाजों का चयन कर रखा था जिनके खिलाफ आक्रमण करना है और यह काम भी किया। क्विंटन डि कॉक ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और बन नहीं आने दिया। इससे हम दोनों का ही काम आसान हो गया।

पावरप्ले में गेंदबाजी में सुधार की जरूरत : ऋतुराज गायकवाड़

लखनऊ। एलएसजी के खिलाफ सीएसके की टीम को अपने 7वें मैच में तीसरी हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद बात करते हुए चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने इस बात को स्वीकार किया कि उनकी टीम कम से कम 10-15 रन पीछे रह गई। ऋतुराज के अनुसार उनकी टीम बीच के ओवरों में तेजी से रन नहीं बना पाई, जिसके कारण वह एक अच्छा टोटल बनाने से चूक गए। ऋतुराज ने मैच के बाद कहा, मुझे पता है कि हमने काफी अच्छे तरीके से अपनी पारी को फिनिश किया। इससे बेहतर फ़िनिशिंग के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था। हालांकि, मुझे यह लगता है कि पावरप्ले के बाद हमने 14-15वें ओवर तक धीमी बल्लेबाजी की और निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाते रहे। मुझे लगता है कि हमने 10-15 रन कम बनाए। साथ ही गायकवाड़ ने कहा कि पावरप्ले में गेंदबाजी में टीम को सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह उम्मीद कर रहे हैं कि उनकी टीम वापसी करेगी क्योंकि दोनों टीमें जल्द ही चेपॉक में फिर से खेलने वाली हैं। लखनऊ के खिलाफ एमएस धोनी ने 9 गेंदों में नाबाद 28 रन बनाकर सीएसके को 20 ओवरों में 176/6 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। रवींद्र जडेजा द्वारा नाबाद 57 रन बनाकर सीएसके को मैच में बनाए रखने के बाद धोनी ने टीम को एक अच्छा फिनिश दिया। हालांकि, केएल राहुल (82) और क्विंटन डी कॉक (54) की 134 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की मदद से लखनऊ ने चेन्नई को आठ विकेट से हरा दिया।

शिवम को मिल सकती है टी20 विश्वकप के लिए जगह : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे की जमकर प्रशंसा की है। डिविलियर्स के अनुसार शिवम टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में जगह हासिल कर सकते हैं। शिवम ने इस सत्र में 60 के प्रभावशाली औसत से 242 रन बनाए हैं। स्पिनरों के खिलाफ उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। शिवम को अंतिम ओवर में रोकना गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन हो जाता है। इस बल्लेबाजी ने इस सत्र में दो अर्धशतक लगाये हैं। इस प्रदर्शन से उन्हें टी20 विश्व कप के लिए भारत की टीम में जगह मिलना आसान कर दिया हैं। डिविलियर्स ने कहा हैं कि शिवम को भारत की टी20 मैच में होना चाहिए। शिवम टी20 विश्व कप टीम में जगह बना सकते हैं पर पहले से ही बहुत सारे खिलाड़ी होने से उन्हें अवसर में कठिनाई हो सकती है। उन्होंने कई अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन किया है और उनका सीज़न शानदार रहा है। वह एक हिटर और एक शानदार क्रिकेटर हैं। डिविलियर्स ने कहा कि आरसीबी छोड़ने के बाद से उन्होंने बहुत लंबा सफर तय किया है।

हैदराबाद ने दिल्ली को उसके घर में किया चारों खाने चित्त

नटराजन को मिले चार विकेट, मैकगर्क ने जड़ा पचासा

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। ट्रैविस हेड (32 गेंदो पर 89 रन) और अभिषेक शर्मा (12 गेंदो पर 46 रन) के बीच 131 रन की तूफानी शतकीय साझीदारी के बाद थंगारसु नटराजन (19 रन पर चार विकेट) के उम्दा प्रदर्शन की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 35वें मुकाबले में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 67 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया।

अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीत कर पहले खेलते हुये हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 266 रन बनाये जिसके जवाब में मेजबान टीम 19.1 ओवर में 199 रन पर ढेर हो गयी। आईपीएल के मौजूदा सत्र में यह तीसरा मौका है जब हैदराबाद ने 250 रन से अधिक का स्कोर खड़ा किया है।इस जीत के साथ सनराइजर्स हैदराबाद अंकतालिका में राजस्थान रायल्स के बाद दूसरी पायदान पर पहुंच गयी है वहीं दिल्ली कैपिटल्स सातवें नंबर पर लुढ़क गयी है।हैदराबाद की जीत की गाथा हेड और शर्मा ने मैदान के चारों ओर रनों की बौछार कर लिख दी थी जबकि नटराजन और मयंक मार्कंडेय (26 रन पर दो विकेट) ने अपनी उम्दा गेंदबाजी से जीत के लक्ष्य को

बौना कर दिया। दिल्ली के कुलदीप यादव (55 रन पर चार विकेट) ने हालांकि हेड और शर्मा की जोड़ी को निपटा कर दिल्ली को सांस लेने का अवसर दिया था मगर नितीश कुमार रेड्डी (37) और शाहबाज़ अहमद (59 नाबाद) ने तेज गति से रन बटोरते हुये दिल्ली के लिये एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य तैयार कर दिया था।लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत निराशाजनक तरीके से हुयी जब उसने दो शुरुआती विकेट मात्र 25 रन पर गंवा दिये मगर जेक फ्रेज़र-मक्गर्क (18 गेंद पर 65 रन) और अभिषेक पोरेल (42) ने 30 गेंदों में 84 रन की साझीदारी कर दिल्ली की उम्मीदों को हवा दे दी। इन दोनो धाकड़ खिलाड़ियों को मयंक मार्कंडेय ने निपटा कर दिल्ली का दिल तोड दिया। कप्तान रिषभ पंत (44) ने हालांकि लक्ष्य के करीब पहुंचने की सुस्त कोशिश की मगर उनके इस प्रयास पर भी पुछल्ले बल्लेबाजों ने अपना विकेट जल्दी गंवा कर पलीता लगा दिया।

थंगारसु नटराजन ने एक के बाद एक चार विकेट चटका कर जीत के अंतर को और भी बढा दिया। इससे पहले वशिंगटन सुंदर और भुवनेश्वर कुमार ने सलामी जोड़ी को सस्ते में निपटा कर हैदराबाद की राह आसान कर दी थी। फ्रेजर ने 28 मिनट क्रीज पर रह कर दिल्ली की फिजां की गर्मी को बढाया था।इससे पहले कुलदीप यादव ने अपने एक ओवर में अभिषेक और एडन मारक्रम (1) को आउट कर हैदराबाद के तेवर को ठंडा किया था। इस बीच शतक की ओर बढ रहे ट्रेविस हेड भी कुलदीप के अगले ओवर में उनका तीसरा शिकार बने जब आफ स्टांप से बाहर जा रही गेंद को पुल करने के प्रयास में लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर ट्रिस्टन स्टब्स ने आगे की ओर डाइव लगाकर उनका शानदार कैच लपक लिया। उन्होने 42 मिनट क्रीज पर रहकर 11 चौके और छह छक्के लगाये।पारी के दसवें ओवर में अक्षर पटेल ने हाइनरिक क्लासन (15) को क्लीन बोल्ड आउट कर रनो की रफ्तार को पूरी तरह काबू में कर लिया। नितीश कुमार रेड्डी (37) ने हालांकि कुछ अच्छे शाट्स खेल कर रन गति को बढाने का प्रयास किया मगर कुलदीप की नजरों से वह भी नहीं बच सके जब मिडिल स्टंप पर फेंकी गयी गुड लेंथ गेंद को पुल करने के प्रयास में वह लांग आन पर खड़े डेविड वार्नर को कैच थमा बैठे। आखिरी के ओवरों में शाहबाज़ अहमद (59 नाबाद) ने तेज गति से रन बटोरते हुये टीम के स्कोर को 250 के पार पहुंचाया मगर दूसरे छोर पर अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने के कारण वह टीम के स्कोर को 300 के स्कोर के आसपास भी पहुंचाने में असफल रहे।

डिप्रेशन से उबरने के बाद आईपीएल में चमके आशुतोष

इस सीजन 200 के ऊपर स्ट्राइक रेट से बनाए हैं रन टीम के दूसरे टॉप स्कोरर

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां) । पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग में भले ही लगातार मैच हार रही हो, लेकिन टीम के युवा बैटिंग ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा ने सबका दिल जीता है। मध्य प्रदेश के रतलाम के 25 साल के आशुतोष ने कई बार पंजाब को हार के मुहाने से जीत के रास्ते पर लौटाया था। फिलहाल आशुतोष इस सीजन पंजाब के दूसरे टॉप स्कोरर हैं। उनसे आगे शशांक सिंह हैं। टी 20 में सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले भारतीय हैं आशुतोष, युवी का रिकॉर्ड तोड़ा आशुतोष ने रेलवे के लिए 2023 में डेब्यू किया। पिछले साल अरुणाचल के खिलाफ आशुतोष ने किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने युवराज के 12 गेंद के अर्धशतक को तोड़ते हुए 11 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने पारी में 12 गेंद पर 53 रन बनाए।

मप्र छोड़ रेलवे से खेल रहे आशुतोष क्रिकेट में करियर बनाने के लिए रतलाम से इंदौर सिर्फ आठ साल की उम्र में पहुंच गए। 10 साल की उम्र में वो अपना खाना खुद बनाया करते थे। आशुतोष बताते हैं कि शुरुआत में उनके पास खाने के पैसे भी नहीं होते थे, जिस वजह से वो अंपायरिंग किया करते थे। उनकी मदद एमपीसीए एकेडमी के कोच अमय खुरासिया ने की।

आशुतोष ने 2018 में टी-20 और 2019 में लिस्ट ए डेब्यू किया। हालांकि, मप्र में नए कोच की नियुक्ति के बाद उन्हें अगले साल टीम में जगह नहीं मिली। आशुतोष बताते हैं, नए कोच ने मुझे बिना कारण बाहर कर दिया। मैं उस दौरान सिर्फ जिम करता और होटल में रहता था। मैं डिप्रेशन में जा रहा था। मप्र से मौका न मिलने के बाद उन्होंने बेस चेंज कर लिया और रेलवे से जुड़ गए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चुनाव से पहले...

कांग्रेस ने 370 के बहाने बाबा साहेब का संविधान कश्मीर में लागू नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2024 का चुनाव सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं हो रहा है, बल्कि देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हो रहा है। पिछले कार्यकाल में हमने चंद्रयान की सफलता देखी, अगले कार्यकाल में देशवासी गगनयान की सफलता देखेंगे। सिर्फ 10 वर्षों में देश ने विकास की लंबी दूरी तय की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपके सपने ही मेरा संकल्प हैं।

एससी-एसटी, ...

पीएम मोदी ने वहां मौजूद लोगों से कहा कि आज मैं अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर आप सभी के बीच आया हूं। आपके लिए मैंने दिन-रात मेहनत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आपका सपना मेरा संकल्प है और मेरे जीवन का प्रत्येक क्षण आपके और देश के लिए समर्पित है उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ नीतियां नहीं बनाता, मैं गारंटी भी देता हूं और इसके लिए में 2047 तक हर दिन 24 घंटे काम करूंगा।इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के पास ना तो वर्तमान में कोई नेता नहीं है और ना ही भविष्य के लिए कोई दृष्टिकोण है। उनका इतिहास घोटालों से भरा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को सबसे कम महत्व दिया जाता था और जो लोग पंक्ति में आखिरी स्थान पर खड़े होते थे, उन लोगों को एनडीए सरकार ने पहले स्थान पर पहुंचाया। पीएम ने कहा कि 2014 में एनडीए ने पहली बार एक एससी राष्ट्रपति के रूप में नामित किया था। इसके बाद 2019 में एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाया। यह हमारी सरकार है जिसने बाबा साहब अंबेडकर से जुड़े पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले चरण के मतदान ने देश का उत्साह बढ़ाया और यह उत्साह मैं यहां भी देख सकता हूं। पहले चरण का मतदान एनडीए और हमारे विकसित भारत के दृष्टिकोण के पक्ष में था। उन्होंने कहा कि मैं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा को उनकी सक्रियता के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

नीति, नीयत...

नरेंद्र मोदी ने सबसे बड़ा काम 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने का काम किया।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भीलवाड़ा के सांसद सुभाष भेड़िया के कार्यकाल में केंद्र सरकार द्वारा कराए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि नेशनल हाइवे-158, जयपुर-उदयपुर वंदे मातरम ट्रेन, भीलवाड़ा में मेडिकल कॉलेज, भीलवाड़ा से आसींद व गुलाबपुरा रोड पर नेशनल हाइवे, भीलवाड़ा स्टेशन का जीर्णोद्धार यह सब सांसद बहेड़िया के विकास कार्यों के खाते में जाता है। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा में विकास जो कराए गए हैं, वह केवल भाजपा के शासन में ही हुए हैं।अमित शाह ने कहा, नरेंद्र मोदी ने एक झटके से ट्रिपल तलाक को हटाया है। नई संसद भवन का निर्माण कराया। कर्तव्य पथ बनाया। अंग्रेजों के कानून को हटाकर नया कानून बनाया। 80 करोड़ गरीबों के कल्याण के लिए काम किया। मुफ्त राशन दिया। 12 करोड़ शौचालय बनाकर माताओं-बहनों का सम्मान किया। 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला का कनेक्शन दिया। 14 करोड़ जनता को नल से जल दिया। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा में प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल को दिया गया हर वोट नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएगा। मोदी ने जो भी वादे किए उन्होंने पूरे किए। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे कहते हैं कि राजस्थान वालों का कश्मीर से क्या लेना-देना। खड़गे जी को नहीं मालूम कि राजस्थान से कितने लोग सेना में हैं। कश्मीर के लिए राजस्थान के न जाने कितनी माताओं ने अपने लाल की बलि दी है। अनुच्छेद-370 हटाना चाहिए की नहीं हटाना चाहिए। कांग्रेस पार्टी 70 साल से 370 को संभालकर बैठी थी। मोदी जी ने इसे समाप्त कर दिया। कश्मीर को हमेशा के लिए भारत का हिस्सा बना दिया।

राहुल बाबा...

हमने बहुमत का उपयोग आरक्षण हटाने के लिए नहीं किया। कांग्रेस वालों आपको बहुत मिला तो आपने इमरजेंस डाली थी। हमें बहुमत मिला हमने 370 को समाप्त किया। हमने राम मंदिर बनाया। हमने हिंदू, बौद्ध, सिख शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए सीएए लेकर आए। हमने वोट का उपयोग गरीबी को हटाने के लिए किया। देश को सुरक्षित बनाने के लिए किया। शाह ने जनता से कहा कि आज पूरे देश के सामने दो विकल्प हैं। एक ओर नरेंद्र मोदी जी हैं और दूसरी ओर राहुल बाबा हैं। एक ओर देश के गरीब परिवार में जन्म लेने वाले प्रधानमंत्री मोदी जी हैं, जो इतने सालों से देश की सेवा में लगे हुए हैं। उनके पास तजुर्बा है। वहीं दूसरी ओर राहुल बाबा हैं रॉकेट की तरह 20 बार लांच हुए मगर बार-बार फेल ही हो जाता है। एक ओर 12 करोड़ घोटाले-घपले-भ्रष्टाचार करने वाली कांग्रेस पार्टी है तो दूसरी 23 साल के करियर में जिसके ऊपर चार आने घोटाले का भी आरोप नहीं है, ऐसे नरेंद्र मोदी हैं।

चीन की तीन...

इंटरनेशनल ट्रेड और ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड शामिल है। जबकि बेलारूस के मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट पर प्रतिबंध लगाया गया है।बेलारूस की मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इन चारों कंपनियों पर पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में मदद करने का आरोप है। मैथ्यू मिलर ने कहा कि ये कंपनियां भारी तबाही वाले हथियारों के प्रसार में शामिल पाई गई हैं। जिसके चलते इनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। अमेरिका के विदेश विभाग ने बताया कि बेलारूस की कंपनी मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट कंपनी पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए विशेष व्हीकल चेसिस मुहैया कर रही थी। ये चेसिस बैलिस्टिक मिसाइल में लॉन्च सपोर्ट में इस्तेमाल होता है।अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि चीन की कंपनी ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड, पाकिस्तान में लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल तैयार करने वाले निकाय नेशनल डेवलेपमेंट कॉम्प्लैक्स (एनडीसी) को फिलामेंट बिडिंग मशीन मुहैया कर रही थी। यह मशीन रॉकेट मोटर में इस्तेमाल की जा रही थी। चीन की ही कंपनी तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड पाकिस्तान को वेल्डिंग संबंधी औजार और एक्सीलेटर सिस्टम देने में संलिप्त पाई गई। तियानजिन कंपनी का संबंध चीन की सेना के साथ भी पाया गया है।प्रतिबंध के तहत इन कंपनियों की अमेरिका में मौजूद सम्पत्तियां जब्त कर ली जाएंगी। कंपनी के मालिक और बड़े हिस्सेदारों पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। इससे पहले भी अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में मदद करने के आरोप में तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया था। ये तीनों कंपनियां जनरल टेक्नोलॉजी लिमिटेड, बीजिंग लुओ लुओ टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट लिमिटेड और चांगझो यूटेक कंपोजिट कंपनी लिमिटेड है। ये तीनों कंपनियां भी चीन की हैं।

पाकिस्तान में हिंदू...

नौकरानी बनाने एवं यौन हिंसा के खतरे बहुत अधिक हैं। यह भी कहा गया कि धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों के साथ होने वाले इस व्यवहार को किसी भी प्रकार से न ही सही ठहराया जा सकता है और न ही सहन किया जा सकता है।संयुक्त राष्ट्र की वेबसाइट पर उपस्थित वक्तव्य में लिखा है कि विशेषज्ञ इस बात से चिंतित हैं कि अल्पसंख्यक समुदाय की लड़कियों और महिलाओं के साथ जबरन निकाह और मतांतरण होता है और उसे अदालतों द्वारा सही भी ठहराया जाता है और उसके बाद मजहबी कानून के अनुसार लड़कियों को उनके अपहरणकर्ता के पास भेज दिया जाता है और उनके अभिभावकों के पास नहीं जाने दिया जाता है। इसमें यह भी कहा गया है कि पुलिस आम तौर पर यह कहकर मामले को दबा देती है कि अपनी मर्जी से लड़के और लड़की ने शादी कर ली है।विशेषज्ञों ने अपने वक्तव्य में यह भी कहा कि किसी भी महिला का यह अधिकार होता है कि वह अपने मन से अपने जीवनसाथी का चयन कर सके और अपना जीवन सम्मान और समानता के साथ जी सके और इसकी रक्षा कानून द्वारा होनी चाहिए। इसमें दो मामलों का खास तौर पर उल्लेख किया गया है, जिसमें एक 13 वर्षीय लड़की स्कूल जाने के लिए तैयार हो रही थी और उसका बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया। उसका बर्बर यौन उत्पीड़न किया गया और बाद में उसका जबरन धर्मांतरण कराया गया। यह घटना वर्ष 2022 की है, जब धर्मांतरण के बाद उसका निकाह उसके बलात्कारी से कराया गया। इसी तरह वर्ष 2024 में एक ईसाई लड़की का अपहरण, यौन उत्पीड़न और धर्मतान्-तरण कराने के बाद बलात्कारी से निकाह कराया गया।पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का अपहरण बहुत ही आम बात है और सबसे दुखद बात यही है कि लड़कियों को जब्त किये जाने के बाद भी उन्हें परिवार को नहीं सौंपा जाता है। जब यह रिपोर्ट आई है, उस समय पाकिस्तान में एक हिंदू बच्ची प्रिया के दो साल पहले हुए अपहरण को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। 7 वर्षीय प्रिया का अपहरण तब हो गया था जब उसके पिता मुहर्रम पर शर्बत पिला रहे थे और वह उनकी सहायता कर रही थी। वह ऐसी जगह से गायब हुई थी, जहां पर हजारों लोग इकट्ठा थे, मगर पुलिस को उसके अपहरण को लेकर कोई भी जानकारी या सबूत नहीं मिल सका था। आज दो साल हो गए हैं और लोगों का धैर्य जवाब दे रहा है। प्रिया को लेकर अभी तक प्रदर्शन हो रहे हैं।प्रिया जैसी न जाने कितनी घटनाएं पाकिस्तान की जमीन में दफन हैं। हिंदू लड़कियों के लिए पाकिस्तान सुरक्षित नहीं हैं। जीवनसाथी चुनने के उनके मूल अधिकार का हनन लगातार हो रहा है। जो हिंदू अपनी जान और सम्मान बचाकर किसी प्रकार से भारत आ गए हैं, वे उन अत्याचारों के विषय में खुलकर बताते हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान की शिक्षा प्रणाली में किस प्रकार हिंदुओं के खिलाफ जहर भरा जाता है, वाब भी किसी से छिपा नहीं है। यह देखना होगा कि पाकिस्तान इस वक्तव्य पर क्या कदम उठाता है। क्योंकि यह पहली बार नहीं है जब संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक लड़कियों के धार्मिक अधिकारों को लेकर निंदा प्रस्ताव पारित किया हो। वर्ष 2023 में भी जनवरी में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक महिलाओं और लड़कियों के जबरन मतांतरण और निकाह को लेकर चिंता व्यक्त की थी। पिछले वर्ष भी पाकिस्तान सरकार से यह अनुरोध किया गया था कि वह अल्पसंख्यक महिलाओं और लड़कियों के साथ हो रही ज्यादतियों को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाए। परंतु पाकिस्तान ने पिछले वर्ष भी इसे अनदेखा ही किया था, क्योंकि यदि अनदेखा नहीं किया होता तो प्रिया कुमारी मिल गई होती, यदि प्रिया कुमारी के अपहरण के दो वर्ष बाद भी उसे वापस लाने के लिए विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं तो यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान शायद असलियत देखना ही नहीं चाहता है। या फिर देखता है, समझता है और नकार रहा है।

कानून में ...

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि सरकार चुनने में नागरिकों की सहभागी भूमिका होती है और इसलिए कहा जाता है कि यह सरकार लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए सरकार है। सीजेआई ने बताया कि जब वह पहली बार मतदाता बने थे और मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदान केंद्र में कतार में खड़े हुए थे, तब वह कितने उत्साहित थे। उन्होंने कहा, जब मैं वोट देता हूं तो अंगुली पर लगने वाली स्याही देशभक्ति और राष्ट्र के साथ जुड़ाव की जबरदस्त भावना पैदा करती है।न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, इसलिए हमारा संविधान और हमारा कानून एक नागरिक, एक वोट और एक मूल्य का प्रावधान करता है। मुझे लगता है कि संवैधानिक लोकतंत्र के रूप में यह हमारे देश की महान दृढ़ता और शक्ति है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जब वह वकील थे और उन्हें काम के लिए इधर-उधर भागना पड़ता था, तब भी वह वोट डालने का अपना कर्तव्य निभाने से नहीं चूके।

आर्थिक शक्ति के...

तुलनीय देशों में निजी क्षेत्र का निवेश अक्सर बहुत अधिक होता है। वर्ष 2022 में निजी क्षेत्र ने ओईसीडी देशों के अनुसंधान एवं विकास खर्च में औसतन 74 फीसदी और यूरोपीय संघ के 27 सदस्यों के लिए इस तरह के वित्तपोषण का 66 फीसदी था। भारत में आज निर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, फार्मास्यूटिकल्स और अन्य क्षेत्रों में कई वैश्विक कंपनियां हैं। वे देश के अनुसंधान में बहुत अधिक योगदान दे सकते हैं।

12वीं में सीतापुर के शुभम वर्मा टॉप, 97.80 प्रतिशत अंक मिले

प्रयागराज, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
यूपी बोर्ड के दसवीं और 12वीं का परिणाम जारी हो गया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) के सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने प्रयागराज स्थित मुख्यालय में इसकी घोषणा की। 12वीं की बोर्ड परीक्षा में सीतापुर के शुभम वर्मा ने टॉप किया है। बागपत बड़ौत के विष्णु चौधरी दूसरे नंबर पर और अमरोहा की काजल सिंह ने दूसरे स्थान पर रही हैं। सीतापुर की कशिश मौर्य भी दूसरे नंबर पर हैं।

12वीं में कुल 82.60 फीसदी छात्र पास हुए हैं। जिसमें 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शुभम वर्मा ने टॉप किया है। शुभम वर्मा ने 97.80 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। शुभम वर्मा सीतापुर के बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज महमूदाबाद का छात्र है।

इंटरमीडिएट में छात्रों का का 77.78 प्रतिशत पास प्रतिशत रहा जबकि छात्राओं का 88.4 2 प्रतिशत रहा। इस बार यूपी बोर्ड 12वीं की परीक्षा का आयोजन 22 फरवरी से 9 मार्च तक किया गया था। 12वीं की परीक्षा के लिए करीब25 लाख से ज्यादा छात्रों ने रजिस्ट्रेशन किया था।

यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट रिजल्ट में दूसरे स्थान पर छह बच्चे हैं। जिनमें, बागपत के विष्णु चौधरी, अमरोहा की काजल सिंह, सीतापुर के राज वर्मा और कशिश मौर्य, सिद्धार्थ नगर के चार्ली गुप्ता, देवरिया के सुजाता पाण्डेय हैं, जिन्होंने 97.60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इंटरमीडिएट का 82.60 प्रतिशत है। 25 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी पंजीकृत हुए थे। 24 लाख से ज्यादा बच्चों ने परीक्षा दी। 77.78 फीसदी लड़के और 88.42 फीसदी लड़कियां उत्तीर्ण हुई हैं। यूपी बोर्ड की 12 की परीक्षाएं 22 फरवरी से प्रारंभ हुई थी। जो कि 4 मार्च को समाप्त हुई। परीक्षाओं का मूल्यांकन कार्य 16 मार्च से प्रारंभ होकर 31 मार्च को पूरा हुआ था। परीक्षाओं के संचालन और मूल्यांकन को लेकर इस बार यूपी बोर्ड ने खास सख्ती बरती थी।

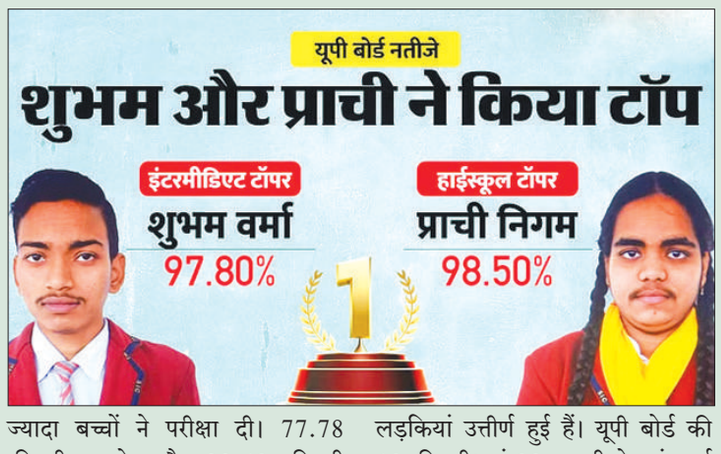

हाईस्कूल के नतीजों में सिर्फ पहली, दूसरी और तीसरी रैंक की बात करें तो तीनों शीर्ष स्थान पर कुल छह बच्चे हैं। इनमें पांच लड़कियां हैं और सिर्फ एक लड़का है। वहीं, इंटरमीडिएट की बात करें तो शीर्ष तीन रैंक में 12 बच्चे हैं। इनमें सिर्फ चार लड़के हैं और आठ लड़कियां हैं।

दसवीं में सीतापुर की प्राची निगम टॉप, 98.50 प्रतिशत अंक मिले

प्रयागराज, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
यूपी बोर्ड के दसवीं की परीक्षा का परिणाम भी जारी हो गया है। दसवीं की परीक्षा में सीतापुर की ही रहने वाली प्राची निगम ने हाईस्कूल में टॉप किया है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट दोनों में सीतापुर के छात्र टॉपर हुए हैं। प्राची के 600 में से 591 नंबर आए हैं। उनके 98.50 प्रतिशत अंक आए हैं। इंटर में शुभम वर्मा ने टॉप किया है। 97.80 फीसदी अंक हासिल किए हैं।

परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का 12 दिन में मूल्यांकन हुआ है और 19 दिन में रिजल्ट दिया गया। हाईस्कूल का रिजल्ट 89.55 प्रतिशत रहा है और इंटरमीडिएट का 82.60 प्रतिशत है। 55 लाख से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी।

हाईस्कूल में भी लड़कियों ने फिर बाजी मारी है। दसवीं में सीतापुर की प्राची निगम ने टॉप किया है। प्राची निगम के पिता चन्द्रप्रकाश निगम भाजपा नेता हैं। हाईस्कूल परीक्षा में जेल में बंद कल 115 में से 91 अभ्यर्थी शामिल हुए। उसमें से 89 ने परीक्षा उत्तीर्ण की हैं। यूपी माध्यमिक शिक्षा परिषद् ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2024 की बोर्ड परीक्षा के साथ माध्यमिक शिक्षा परिषद् ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस वर्ष यूपी बोर्ड ने प्रथम बार रिकॉर्ड 12 कार्य दिवसों में परीक्षा सम्पन्न हुई है। रिकॉर्ड 12 कार्य दिवसों में ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का काम किया गया। विगत 100 वर्षों के इतिहास में वर्ष 2023 के बाद दूसरी बार सबसे पहले 20 अप्रैल 2024 को दोपहर दो बजे परिणाम घोषित किए गए हैं।

हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षायें 22 फरवरी 2024 से नौ मार्च 2024 के मध्य कुल 8,265 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुई। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की लिखित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 16 मार्च 2024 से 30 मार्च 2024 के मध्य प्रदेश के विभिन्न जनपदों में निर्धारित कुल 259 मूल्यांकन केन्द्रों पर मात्र 12 दिनों में सम्पन्न हुआ। आगे बताया कि हाईस्कूल के समस्त परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 89.55 है।

पूरे देश में मोदी सरकार के लिए प्रचंड जनमत : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में यूपी की 8 सहित देश के 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर चुनाव सम्पन्न हुए हैं। अबतक के रुझान इस बात को बहुत स्पष्टता के साथ प्रदर्शित करते हैं कि पूरे देश में आम जन का मत मोदी सरकार के लिए प्रचंड रूप से सामने आ रहा है। स्वभाविक रूप से पीएम के नेतृत्व में देश में सुरक्षा का बेहतर माहौल बना है, यह अद्भुत और अभिनंदनीय है। सीएम योगी शनिवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आधी आबादी तो पूरी तरह से मोदी जी के सुरक्षा के मॉडल को अंगीकार कर रही है। पीएम के नेतृत्व में देश में सुरक्षित माहौल के साथ सुशासन का मॉडल भारत ने पूरी दुनिया को दिया है।

मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ भाजपा शासित राज्यों में मोदी जी के मार्गदर्शन में सुरक्षा का बेहतर मॉडल दिया है, इसका हालिया उदाहरण रामनवमी का सकुशल आयोजन है, जबकि अपने तुष्टिकरण की नीति के लिए कुख्यात पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार के कारण वहां रामनवमी की शोभायात्राओं पर हमले हुए हैं। सनातन आस्था को आहत करने की किस हद तक कुचेष्टाएं हो रही हैं, यह एक बार फिर वहां देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि सुशासन की पहली शर्त रूल ऑफ लॉ है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा पूरे देश और प्रदेशों में सुरक्षा का बेहतर माहौल देने का कार्य किया किया है। प्रथम चरण के जो रुझान देखने को मिले हैं, पूर्ण विश्वास है कि सातों चरण में भी यही माहौल देखने को मिलेगा।

सीएम योगी ने राजस्थान के चुनावी दौरे पर निकलने से पहले कहा कि राजस्थान परिवारवाद नहीं बल्कि राष्ट्रवाद, विकास, सुरक्षा और सुशासन के मोदी मॉडल को स्वीकार करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ जिताने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि मुझे दूसरी बार राजस्थान में चुनावी जनसभाओं के लिए जाने का अवसर मिल रहा है, जिसे लेकर मैं उत्साहित हूं। वहां हर बार नये स्वरूप में लोगों में उत्साह देखने को मिलता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी शत प्रतिशत सीटें राजस्थान की जनता भाजपा को देने का कार्य करेगी।

मथुरा में गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में सुरक्षा में बड़ी चूक

सुरक्षाकर्मियों में अफरातफरी

मथुरा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश के मथुरा में शनिवार को दिल्ली में सत्तासीन पार्टी में गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे। गृहमंत्री के कार्यक्रम में सुरक्षा में बड़ी चूक हुई। उनके मंच पर पहुंचने से चंद सेंकड पहले मंच के बराबर में लगे साउंड सिस्टम के तारों में आग लग गई। चिंगारी निकलते देखी तो सुरक्षाकर्मियों में अफरातफरी मच गई।

फायर फाइटिंग सिस्टम से आनन-फानन में आग बुझाई गई। मथुरा में अमित शाह ने विपक्ष को निशाने पर लिया। उन्होंने सपा-कांग्रेस के गठबंधन से लेकर उनकी नीतियों और विरासत में राजनीति मिलने तक की बात कही। उन्होंने कहा कि 2017 में भी दो लड़के (राहुल-अखिलेश) साथ में आए थे। लेकिन, भाजपा जीती थी। इस बार फिर दोनों लड़के साथ में हैं। लेकिन, इस बार भी भाजपा ही जीतेगी। बताते चलें कि उनके साथ मंच पर वर्तमान सांसद और भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी और जयंत चौधरी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। गृहमंत्री अमित शाह से पहले हेमा मालिनी ने जन संबोधन किया। उन्होंने पिछले 10 वर्षों की सरकार उलब्धियां गिनाईं। साथ ही आने वाले पांच वर्षों में पार्टी का क्या लक्ष्य और उद्देश्य है, इसे भी बताया।

ढोलक के साथ भाजपा की विदाई: अखिलेश यादव

राहुल ने कहा महालक्ष्मी योजना होगी शुरू

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव ने अमरोहा में जनसभा को संबोधित किया। अखिलेश यादव ने कहा कि पहले चरण के चुनाव में भाजपा की हवा निकल गई है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार बनने पर महालक्ष्मी योजना लागू की जाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि गठबंधन की सरकार बनने के बाद युवाओं, किसानों और महिलाओं को लाभ होगा। सभी के लिए हमने रोडमैप तैयार किया है। इसलिए बीजेपी जातिगणना करवाने से डरती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं समेत अन्य मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रही।

राहुल गांधी ने कहा कि जाति जनगणना मतलब हिंदुस्तान का एक्सरे। गठबंधन की सरकार आने के बाद जाति जनगणना करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोग इसे नकारते हैं। देश की जनता को पता होना चाहिए की 90 प्रतिशत लोगों की कितनी भागीदारी है। राहुल गांधी ने कहा कि मनरेगा की मजदूरी बढ़कर 400 रुपये हो जाएगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दोगुनी मानदेय मिलेगा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन की सरकार उद्योगपतियों को दिया गया पैसा किसानों और गरीबों को दिया जाएगा।

राहुल ने कहा कि युवाओं के लिए पहली नौकरी पक्की नाम से योजना लागू होगी। उन्होंने कहा कि ग्रेजुएट युवाओं को अप्रिटिस का हक दिया जाएगा। किसान को कभी उसका हक नहीं मिलता। सरकार आने के बाद किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा। किसानों का कमीशन बैठाया जाएगा। जो किसानों के लिए योजनाएं लागू करेंगी। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। इसे रोकने के लिए कानून लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी का मानदेय दोगुना हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि युवाओं को रोजगार के नाम पर भाजपा ने ठगा है। उन्होंने कहा कि देश में तीस लाख पोस्ट खाली है। सभी पदों पर भर्ती की जाएगी। दूसरा काम पहले युवाओं को सेना में रोजगार और पेंशन मिलता था। शहीद होने का दर्जा मिलता था। मोदी ने वह सब बंद कर दिया। अग्निवीर को शहीद का दर्जा नहीं मिलेगा। कैंटीन की सुविधा भी नहीं मिलेगी।

राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा ने जितना पैसा अमीरों को दिया हम गरीबों को देंगे। उन्होंने कहा कि उद्योपतियों के साथ किसानों का भी कर्जा माफ होगा। उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना को लागू किया जाएगा। इसके लिए सभी परिवारों की लिस्ट बनेगी। इसके तहत हर गरीब परिवार से एक महिला को चुनेगी। इसके बाद कांग्रेस पार्टी एक लाख साल के उसके खाते में डालेगी। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों का कर्जा माफ कर दिया लेकिन किसानों का नहीं किया। उन्होंने कहा कि देश के 22 लोगों के पास देश के 70 करोड जनता के बराबर पैसा है। कांग्रेस ने किसानों का कर्ज माफ किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी से लोगों को नुकसान उठाना पड़ा। राहुल गांधी ने कहा कि यह विचार धारा की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि पहली बार इंडी गठबंधन संविधान और लोकतंत्र की रक्षा कर रहा है। बीजेपी इसे खत्म करने में लगी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के नेताओं ने कहा कि वह संविधान को बदल देंगे। पिछले दस साल पीएम मोदी अरबपतियों के साथ रहे। उन्होंने कहा कि उद्योगपति अडाणी ने सभी एयरपोर्ट समेत अन्य चीजें दे दी गई। अखिलेश यादव ने कहा कि जो यहां का परंपरागत वोट बीजेपी को मिला करता था वह भी खुल कर विरोध कर रहे हैं। ऐसे परंपरागत वोटर भी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ खड़े हो गए हैं। हम हरहाल में गठबंधन के उम्मीदवार को जिताएंगे।

लखनऊ में पिलर गिरने से छात्रा की मौत

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
लखनऊ में शनिवार को दूसरी की छात्रा के ऊपर पिलर गिर गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना चिनहट थाना क्षेत्र की है।

अनिल रावत पत्नी गीता रावत और दो बच्चों बेटा आलोक (12),बेटी शुति (8) परिवार संग पासी टोला नियर गंगा विहार मल्हौर रोड थाना चिनहट में रहते हैं। अनिल की बेटी शुति शनिवार सुबह करीब साढ़े दस बजे घर पर बने पुराने जर्जर पिलर पर तार से कपड़े उतार रही थी। इस बीच तार में कपड़े फंस गए ।

नगर विधानसभा कार्यालय का उद्घाटन

जनता प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं विकास मॉडल को दे रही प्राथमिकता:सांसद अमरपाल मौर्य

मिर्जापुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।
बरौधा कचार स्थित भाजपा कार्यालय सभागार में भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह की अध्यक्षता में जिला के पूर्व जनप्रतिनिधियों एवं पूर्व जिला पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित हुई।

जिसमें मुख्य अतिथि मुख्य वक्ता प्रदेश के महामंत्री क्षेत्रीय प्रभारी काशी राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य रहे। जिलाध्यक्ष ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। साथ ही आये हुए सभी पूर्व जनप्रतिनिधि व पूर्व जिला पदाधिकारियों का अभिनन्दन कर आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में आये हुए सभी जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों से परिचय करते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 का समय करीब है। आप सभी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं।

देश एवं प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं विकास मॉडल को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल के प्रथम चरण के चुनाव को देखते हुए पूरा विश्वास हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी ने 400 पार का शानदार आगाज किया है जो कि 4 जून को प्रमाण के साथ दिखाई देने वाला है। आप सभी पूर्व जनप्रतिनिधिगण व पूर्व एवं वरिष्ठ पदाधिकारीगण संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पूरे लोकसभा में तन-मन से जूट जाएं एवं केन्द्र व प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से मिले लाभ को जनता के सामने रखें। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि ने होटल रॉही इन कटरा बाजीराव में पहुँच कर लोकसभा चुनाव 2024 की दृष्टि से नगर विधानसभा कार्यालय का रिबन काटकर उद्घाटन किया। वहां उपस्थित नगर विधानसभा के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी घर घर सम्पर्क कर मोदी एवं योगी की योजनाओं को जनता के सामने लाएं तथा अबकी बार 400 पार कर मोदी को तीसरी बार देश का पुनः प्रधानमंत्री बनाएं। कार्यक्रम का संयोजक संचालन जिलामंत्री कौशल श्रीवास्तव ने किया।

इन लोगों की रही उपस्थिति

बैठक में जिला प्रभारी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरोज कुशवाहा, लोकसभा प्रभारी रविन्द्र नाथ पाठक, लोकसभा संयोजक दिनेश वर्मा, कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, जिला महामंत्री हरिशंकर सिंह पटेल, रविशंकर पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष लालबहादुर सिंह, अनिल सिंह, पूर्व जिला संयोजक दिनेश तिवारी, पूर्व विधायक सुचिस्मिता मौर्या, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री मनीराम कोल, पूर्व प्रमुख अनमोल सिंह, राजकुमारी खत्री, मालती त्रिपाठी, अजय उपाध्याय, प्रेमशीला सिंह, रामचन्द्र सोनकर, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, राजेन्द्र सिंह पटेल, महेन्द्र सिंह पटेल, सोहन श्रीमाली, बृजभूषण सिंह पटेल, शम्भू नाथ तिवारी, संजय यादव, हेमन्त त्रिपाठी, गौरव ऊमर, नितिन गुप्ता, ज्ञान प्रकाश दूबे, चंद्रांशु गोयल, विकेश्वर प्रताप सिंह, प्रणेश प्रताप सिंह, शिव शरण राय, मनीष गुप्ता, भावेश शर्मा, श्याम सिंह, विजय निषाद, सूरज निषाद के साथ साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दूबे ने दी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 21 अप्रैल, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

हैदराबाद में तेज बारिश, चिलचिलाती गर्मी से लोगों को मिली राहत

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद और तेलंगाना के कई जिलों में शनिवार को तूफान के साथ भारी बारिश हुई। बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। शहर और बाहरी इलाकों के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिससे सड़कों पर पानी भर गया और यातायात प्रभावित हुआ।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हैदराबाद, जगतियाल, जनगांव, जोगुलम्बा गडवाल, कामारेड्डी, मल्काजगिरी, नगरकुर्नूल, निर्मल, निजामाबाद, राजन्ना सिरसिल्ला, रंगारेड्डी, संगारेड्डी, सिद्दीपेट, वानापर्थी, वारंगल, हनमकोंडा और यदाद्री भुवनगिरी में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की।

आईएमडी के शनिवार को जारी बुलेटिन में लोगों को सलाह दी गई कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और उसके अनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।

शहर के बाहरी इलाकों सहित राज्य के कुछ हिस्सों में शुक्रवार शाम को बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई। शनिवार तड़के इसमें और तेजी आ गई।

राजेंद्रनगर, तुर्कयाम्जल, सरूरनगर, नागोले, उप्पल, चैतन्यपुरी, कीसरा, दम्मईगुडा, यपराल, आदिकमेट, गाचीबाउली, नाचाराम, हब्सीगुडा और कई अन्य इलाकों में मध्यम से भारी बारिश हुई। बारिश के कारण दफ्तर जाने वाले लोग फंस गए। स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ा।

हनुमान जयंती के संदर्भ में पुलिस आयुक्त ने आयोजकों के साथ की बैठक

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी ने शनिवार को शहर में मंगलवार को आयोजित होने वाली हनुमान जयंती शोभायात्रा के आयोजकों के साथ बैठक की। बैठक में विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। हैदराबाद सीपी ने रैली के शांतिपूर्ण संचालन के लिए आयोजकों से सहयोग मांगा। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट या संदेश साझा न करें।

श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि आईसीसीसी बिल्डिंग में एक संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा जिसमे सभी सरकारी विभागों के अधिकारी सुबह 8 बजे से मौजूद रहेंगे और समापन तक जुलूस की निगरानी करेंगे। बैठक में टीएसआरटीसी, एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी, ईएमआरआई, जीएचएमसी, सड़क और भवन, बिजली विभाग के अधिकारियों और बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

तेरापंथ महिला मंडल ने स्कूल में वितरित किए लंच बॉक्स

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ महिला मंडल ने शनिवार को स्कूल में लांच बॉक्स वितरित किए। यह जानकारी देते हुए प्रभा दूगड़ बताया कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित निर्माण-बढ़ते कदम विकास की ओर के अंतर्गत शनिवार को सिकंदराबाद स्थित टैगोर एरा इंस्टीट्यूट सेकेंडरी स्कूल में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय कक्षा के बच्चों को 90 लंच बॉक्स प्रदान किये गये। मंडल समय-समय पर स्कूलों की सार- संभाल करता हुआ सेवा कार्य कर रहा है।नवकार मंत्र द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बच्चों ने लयबद्ध अणुव्रत गीत का संगान भी किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष कविता आच्छा एवं मंत्री सुशीला मोदी के साथ पूर्वाध्यक्ष अनीता गिड़िया, रीता सुराणा, शकुंतला बुच्चा, चंदन कोठारी, मीनाक्षी सुराणा, सरला आर भूतोड़िया, प्रभा दूगड़ एवं संतोष गुजरानी भी उपस्थित थीं। स्कूल के प्रिंसिपल ने महिला मंडल को इसने कार्य के लिए धन्यवाद दिया ।

गोशालाओं में आपसी समन्वय जरुरी : कमल टावरी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

योजना आयोग के पूर्व सदस्य एवं आईएएस डॉ. कमल टावरी ने कहा की गोशालाओं में आपसी समन्वय की जरुरत है। आपसी समन्वय होने से गोशालाओ को और अधिक सुचारु रूप से चलाया जा सकता है। सभी गोशाला प्रबंधक अपनी अपनी गोशाला में गौ उत्पाद बनाये एवं उनकी मार्केटिंग पर भी ध्यान दें, जिससे की गोशाला आत्मनिर्भर बन सकती है, इसके लिए पंचगव्य विद्यापीठम द्वारा हर संभव सहायता दिलाने का भी उन्होंने आश्वासन दिया। कमल टावरी शनिवार को आगापुरा स्थित राम कथा के कार्यालय में तेलंगाना गोशाला फेडरेशन द्वारा आयोजित गोशाला प्रबंधको की सभा को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक को सम्बोधित करते हुए आईएएस अजय मिश्रा ने कहा की तेलंगाना राज्य में बड़ी संख्या में गोशालाएं कार्यरत हैं एवं सभी का आपसी समन्यव होने से गोशालाओ की अनेक समस्याओं का समाधान मिल जायेगा। गोशाला प्रबंधको को समर्पित भाव से गोशाला के लिए समय देना चाहिए एवं नवीनतम तकनीक का प्रयोग करना चाहिए।तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के मानद अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कहा की गोशालाओ को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एवं युवा व महिला वर्ग को गोशाला से जोड़ने के लिए निकट भविष्य में पंचगव्य विद्या पीठ द्वारा शमशीरगंज शिव मंदिर गोशाला एवं कोंगरा स्थित कामधेनु गोशाला में अगले माह गौ उत्पाद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सम्बंधित जानकारी अगले सप्ताह में प्रकाशित की जाएगी। उच्च क्वालिटी के गौ उत्पाद तैयार कर बाजार में बेचने से गोशाल-ाओ को आमदनी होगी, युवाओ को रोजगार मिलेगा एवं सामान्य जनता का स्वास्थ भी सुधरेगा।बैठक में लव फॉर काऊ के जसमत पटेल, महेश बैंक के रमेश बंग, टीकमचंद, गोपाल गोशाला के तुलसीराम बंसल, इमलीबन गोशाला के अजय राज शर्मा, ध्यान फाउंडेशन के दीपक विजयवर्गीय, शिव मंदिर गोशाला से गणेश अग्रवाल, सत्यजीत अग्रवाल, कामधेनु गोशाला से मुरलीधर राव एवं अन्य गोशालाओ से प्रतिनिधि उपस्थित थे।

गौ रक्षकों ने दो गाड़ियों में भरी 59 गायों को कटने से बचाया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दूसरे राज्यों से हैदराबाद में काटने के मकसद से अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर लाए जा रहे गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना एवं गोरक्षा दल टाइगर फोर्स, ध्यान फाऊंडेशन, हिंदू तख्त के कार्यकर्ता गाय बचाओ के विशेष अभियान में किसी भी हद तक गायों को कटने से बचा रहे हैं। उगादि एवं सनातनी नववर्ष के दिन के बाद से गाय पकड़ने का सिलसिला जारी है। गौरक्षकों ने पहली आयशर गाड़ी में भरे 28 गोवंश पोचमपल्ली पुलिस की सहायता से तथा दूसरी गाड़ी में मौजूद 31 गोवंश को उप्पल पुलिस की सहायता से छुड़ाया गया। इन वाहनों में भरी कुल 59 गायों को पुलिस की सहायता से कटने से बचाया गया श्र गाड़ियों में भरे अवैध गोवंश को हैदराबाद के कत्लखाने ले जाया जा रहा था। गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में सुरक्षित छोड़कर गोवंश को जीवन दान दिया गया। यह जानकारी राष्ट्रीय गौरक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने दी।

उन्होंने बताया कि गौ रक्षा के इस महा अभियान में गौरक्षा दल टाइगर फोर्स के अध्यक्ष दीपक सिंह, गौरक्षा दल तेलंगाना प्रेसिडेंट कालू सिंह, बजरंग दल के ऊपल जिला कन्वीनर सुनील नायक, गौज्ञान फाऊंडेशन नितेश विजयवर्गीय, बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, रविंदर गौड, डॉ.इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौ रक्षा दल तेलंगाना जनरल सेक्रेटरी पवन रेड्डी, गौ रक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, पीलियापल्ली गांव के उप सरपंच सतीश पोचमपल्ली, भाजपा ग्रामीण जिला जनरल सेक्रेटरी शिव कुमार, पोचमपल्ली एडवोकेट साई कुमार, जेआर पवन, सुमन, भानु, मधु, कार्तिक, लोकेश, छोटा चंदू, बजेश, गौतम, मिलन, मोहन, केदार सिंह, सतीश सिंह, कोटी मयूरेश, प्रणित, सोनू सिंह, बिडाला, पीलियापल्ली गांव के अनेक कार्यकर्ता सहित अन्य गौ रक्षक मौजूद थे।

एकादशी के उपलक्ष्य में श्री राज मित्र मण्डल द्वारा महेन्द्रा हिल्स स्थित पहाडी श्याम मंदिर में आयोजित श्री श्याम संकीर्तन के अवसर पर स्वाती दाहिमा एवं संदीप अग्रवाल ने भजन प्रस्तुत किए। अवसर पर श्री राज मित्र मण्डल द्वारा मंदिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया एवं भजन गायकों का सम्मान किया गया। इस दौरान भारी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

बेगम बाजार निवासी ब्रिजमोहन दास मुरारी दास मूंधड़ा के निवास पर सुंदरकांड प्रस्तुत करते हुए श्री वैष्णव सत्संग मण्डल सुल्तान बाजार के सदस्य एवं श्रोतागण।

भगवान श्री महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में श्री काचीगुडा जैन संघ द्वारा राहदारी और श्रमिको के लिए छांछ वितरण किया गया। अवसर पर उपस्थित गौप्रेमी जसमतभाई पटेल, दिनेश गोसर, रिद्धिश जागीरदार, संघ के रमेश चोवटिया, ललित धोका, पंकज वाणी ग़ोता, मणिलाल सावला, सुरेश गाला एवं अन्य।

शनिवार को स्कूली बच्चों ने महबूबा स्कूल बेगमपेट सर्कल, सनतनगर विधानसभा क्षेत्र हैदराबाद में मानव श्रृंखला बनाकर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया।

गांजे सहित युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशन टीम ने शनिवार को एक युवक को गंजे सहित गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से 2.3 किलोग्राम गांजा बरामद किया। गिरफ्तार किया गया मोतीनगर निवासी बी लोकेश आंध्र प्रदेश गया था और आंध्र प्रदेश के सोमपेटा के सुरेश नामक व्यक्ति से गांजा खरीदा था और शहर आया था। डीसीपी एसओटी, डी श्रीनिवास ने बताया कि लोकेश ने गंजे को श्रमिकों को बेचने और मोटी रकम कमाने की योजना बनाई। फरार सुरेश को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

तेरापंथ कन्यामंडल की भाषण प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ कन्यामंडल द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शासन श्री साध्वी श्री शिवमालाजी आदि ठाणा 4 के सानिध्य में नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की मंगल शुरुआत हुई। श्रमण भगवान महावीर और आचार्य महाश्रमण जी में समानताएं विषयक भाषण प्रतियोगिता में 9 कन्याओं ने भाग लिया। जिनमें प्रथम स्थान लवीशा जैन, छवि बैद, द्वितीय स्थान महक डागा, तृतीय स्थान पर जीविका बैद रही।निर्णय पद को

सुशोभित कर अंजु बैद व मंजु दुगड़ ने सभी कन्याओं के भाव, भाषा, उच्चारण की प्रस्तुति देखकर निर्णय दिया। अंजु बैद ने जैन धर्म और तेरापंथ की मान्यताएं बताई एवं वक्तृत्व कला के गुर सिखाए। शासन श्री साध्वी शिवमाला जी ने जीवन में अहिंसा, समता और कन्याओं को सीता जैसी सहनशील बनने की शिक्षा दी। साध्वी अमितरेखा जी ने कन्याओं को गुरुदेव की कई प्रेरक घटनाओं के प्रसंग बताएं। कन्या सह-प्रभारी रेखा संकलेचा ने मंच संचालन किया।

आगामी कार्यक्रम चित्रकला एवं आर्ट प्रदर्शनी की जानकारी दी। टीटीएफ के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष पटवारी एबीटीवाईपी के सचेतक एवं किशोर मंडल के पर्यवेक्षक अभिनंदन नाहटा, पूर्व तेलंगाना आगम प्रभारी लक्ष्मीपत डुंगरवाल, हैदराबाद महिला मंडल की कोषाध्यक्ष अल्पना दुगड़ एवं सहमंत्री प्रेम संचेती सभी ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली कन्याओं को पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा, महिला मंडल, युवक परिषद् एवं तेरापंथ प्रोफेशनल फॉर्म के मेंबर्स भी उपस्थित थे । आशीष अल्पना दुगड़ के घर पर ये कार्यक्रम आयोजित किया गया। मीनाक्षी सुराणा महिला मंडल प्रचार-प्रसार मंत्री ने मीडिया का कार्य सुचारु रुप से किया। आभार ज्ञापन प्रेम संचेती ने किया। कार्यक्रम के अंत में अल्पाहार की व्यवस्था रखी गई व सभी ने कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की व सभी कन्याओं की प्रस्तुति सराहनीय रही।

इस पैकेट को अपने घर में रखिये और मच्छरों से छुटकारा पाईये।
मच्छरों का दुश्मन
₹30 कैप्टन हर्बल
कैप्टन हर्बल पॉवर पैकेट लगायें मच्छरों से छुटकारा पायें और घर खुशबु से महकायें
सेल्समेन की आवश्युकता (पुरुष / महिलाएं)
उचीत कमिशन दिया जाएगा
सम्पर्क करें
9849178028, 8019753828

कांग्रेस और बीआरएस का डीएनए एक ही है : लक्ष्मण

तेलंगाना में भाजपा लगातार हो रही मजबूत, कांग्रेस–बीआरएस अपनी चिंता करें

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा के राज्यसभा सदस्य के लक्ष्मण ने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस भारतीय जनता पार्टी को निशाना बना रहे हैं क्योंकि भाजपा राज्य में लगातार मजबूत हो रही है।

शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए लक्ष्मण ने कहा कि दोनों दलों ने आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराने के लिए एक गुप्त गठबंधन बनाया है और रणनीति के तहत दोनों दलों के नेता भाजपा को निशाना बना रहे हैं।

कांग्रेस और बीआरएस का डीएनए एक ही है। वे समान नीतियों और विचारधाराओं का पालन करते हैं।

वे लोगों को गुमराह करने के लिए फर्जी लड़ाई में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी असुरक्षा के दावे इस बात का संकेत है कि उन्हें अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है। तेलंगाना और देश में कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है।

बीआरएस पर कड़ा प्रहार करते हुए लक्ष्मण ने कहा कि पार्टी ने लोगों का विश्वास खो दिया है और पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की कोई भी बस यात्रा उनका विश्वास वापस नहीं जीत पाएगी।

बारिश और ओलावृष्टि से सैकड़ों एकड़ फसल बर्बाद

धान, मक्का, आम, कपास, मिर्च और सब्जियों की फसलों को हुआ काफी नुकसान

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने शनिवार को वारंगल और निजामाबाद जिलों में कई एकड़ में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाया, जिससे सैकड़ों किसान की फसल बर्बाद हो गई। भारी बारिश से वारंगल, जनगांव और महबूबाबाद जिलों में धान, मक्का, आम, कपास, मिर्च और सब्जियों की फसलों को काफी नुकसान हुआ। वारंगल, हनुमाकोंडा, काजीपेट, धर्मसागर, वेलेरू, स्टेशन घनपुर और तारिगोपपुला मंडलों में भारी बारिश हुई। भारी बारिश के बाद वारंगल, हनमकोंडा और काजीपेट के निचले इलाकों में पानी भर गया। निज़ामाबाद जिले में भारी बारिश के कारण कई एकड़ खड़ी फसलें जलमग्न हो गईं। जिले के मचारेड्डी, डिचपल्ली, इंदलवई, सिरिकोंडा, धारपल्ली और जक्रानपल्ली मंडलों में भारी बारिश हुई।

जिले में तेज हवाओं के कारण कई पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए और बिजली लाइनों और ट्रांसफार्मरों को हुए नुकसान के कारण कई मंडलों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई।

जिले के नंदीपेट मंडल के खुदवनपुर गांव में बिजली गिरने से तीन भैंसों की मौत हो गई। कृषि विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, 1000 एकड़ से ज्यादा धान को नुकसान हुआ है।

कामारेड्डी जिले में सोमारपेटा, थमाडा टांडा और मचारेड्डी मंडल के अंकिरेड्डीपल्ली टांडा में भारी बारिश हुई। सोमरपेटा में एक ट्रैक्टर पर आम का पेड़ गिरने से वह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिले की कई मंडियों में कई क्विंटल धान की बोरियां बारिश में भीगकर बह गईं।

नीलम मधु के नामांकन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निकाली रैली

मेदक, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सांसद उम्मीदवार नीलम मधु मुदिराज के नामांकन के अवसर पर कांग्रेस पार्टी ने पटनचेरु निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी काटा श्रीनिवास गौड़ के नेतृत्व में पटनचेरू विधानसभा क्षेत्र गुम्माडिला टोला गेट से मेडक जिला केंद्र तक एक विशाल रैली शुरू की। इस मौके पर सांसद प्रत्याशी नीलम मधु के साथ रवाना हुईं वन, पर्यावरण एवं राजस्व विभाग मंत्री एवं संसदीय प्रभारी मंत्री कोंडा सुरेखा गुम्माडीला पहुंचीं। मंत्री सुरेखा ने गुम्माडिला टोल प्लाजा सेंटर पर आयोजित भारी वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नरसापुर में अवुला राजी रेड्डी के नेतृत्व में मंत्री का जोरदार स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में पार्टी प्रमुख, कार्यकर्ता और अन्य लोग शामिल हुए।

आंध्र प्रदेश में मां ने तीन बच्चों के साथ की आत्महत्या

कडप्पा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले के गैलीवीडु गांव में शनिवार को एक युवती ने अपने तीन बच्चों के साथ टैंक में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि महिला ने अपने तीन बच्चों के साथ आज तड़के गांधीमडुगु सिंचाई टैंक में कूद कर आत्महत्या कर ली थी।

महिला ने पहले अपने तीनों बच्चों को धक्का दिया और बाद में खुद टैंक में कूद गई।मृतकों की पहचान नागमणि (30), नव्याश्री (10), दिनेश (06) और जाह्नवी (03) के रूप में हुई है और पुलिस ने शवों को सिंचाई टैंक से बाहर निकाला है।नागमणि का परिवार चिलकुरीपेट गांव का रहने वाला था।

परिजनों ने बताया कि नागमणि का पति विक्रम से किसी बात को लेकर कल रात झगड़ा हुआ था और वह गुस्से में बच्चों को लेकर घर से निकल गयी और आज सुबह उसने इतना बड़ा कदम उठाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और इस सिलसिले में पूछताछ के लिये विक्रम को पकड़ लिया।

केसीआर चुनाव प्रचार के लिए कल से प्रारंभ करेंगे बस यात्रा

हैदराबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव अगले महीने होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के अभियान को तेज करने के लिए 22 अप्रैल से तेलंगाना में बस यात्रा शुरू करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री की बस यात्रा के दौरान 17 में से 16 लोकसभा क्षेत्रों को कवर करने की योजना है, जो 10 मई को समाप्त होगी।

पार्टी प्रवक्ता केथिरेड्डी वासुदेव रेड्डी ने इस संदर्भ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज से मुलाकात कर बस यात्रा की अनुमति मांगी और केसीआर का विस्तृत दौरा कार्यक्रम सौंपा। बीआरएस नेता ने उल्लेख किया कि चूंकि चुनाव के समय सभी अधिकारी चुनाव आयोग के अधीन काम करते हैं, इसलिए उन्होंने सीईओ से संबंधित पुलिस अधिकारियों को बस यात्रा के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश देने का अनुरोध किया। उन्होंने सीईओ से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने और उन पर ध्यान केंद्रित करने और यदि आवश्यक हो तो केंद्रीय बलों को तैनात करने का भी आग्रह किया। वासुदेव रेड्डी ने यह भी शिकायत की कि सत्तारूढ़ कांग्रेस बीआरएस कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया योद्धाओं पर हमला कर रही है और उनकी पार्टी के फ्लेक्स और बैनर हटा रही है और मांग की कि चुनाव आयोग चुनावों का पारदर्शी और शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि बस यात्रा के दौरान केसीआर लोगों से मिलेंगे और उन्हें उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन देंगे। बीआरएस नेताओं का मानना है कि केसीआर की बस यात्रा से पार्टी कैडर का मनोबल बढ़ेगा। नवंबर 2023 में हुए चुनावों में कांग्रेस के हाथों सत्ता खोने के बाद, बीआरएस को पांच मौजूदा सांसदों, तीन विधायकों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के कांग्रेस या भाजपा में कूदने से कई झटके मिले हैं। केसीआर ने गुरुवार को भविष्यवाणी की थी कि अगले महीने के लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में राजनीतिक उथल-पुथल शुरू हो जाएगी और उनका मानना है कि जो भी होगा बीआरएस के लिए अच्छा होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस के 20 विधायक उनके संपर्क में हैं।

प्रत्याशियों के खर्चों का सटीक विवरण दर्ज किया जाए : राजेंद्र जादावर

आसिफाबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आदिलाबाद संसदीय चुनाव व्यय निरीक्षकों को लोकसभा चुनाव लड़ने वाले राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के खर्चों का विवरण सटीक रूप से दर्ज करना चाहिए। विवेकानन्द राजेन्द्र जादावर ने शुक्रवार को आदिलाबाद एकीकृत जिला समाहरणालय भवन परिसर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आदिलाबाद, निर्मल, कुमराभीम आसिफाबाद जिलों के कलेक्टर, अपर समाहर्ता एवं निर्वाचन विभाग के अधिकारियों के साथ निर्वाचन व्यय विवरण के पंजीयन एवं अनुश्रवण की समीक्षा की।

इस मौके पर आदिलाबाद लोकसभा चुनाव के पर्यवेक्षकों ने कहा कि आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र में होने वाले लोकसभा चुनाव के संदर्भ में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को प्रचार कार्यक्रम के तहत किए गए हर खर्च का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के विरूद्ध प्रचार हेतु प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों पर भारत निर्वाचन आयोग के नियमानुसार कार्यवाही की जाये। जिला केंद्र स्थित एकीकृत

जिला कलक्ट्रेट भवन परिसर के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से जिला कलक्टर वेंकटेश डोत्रे, एसपी सुरेश कुमार, जिला अपर समाहर्ता (राजस्व) दसारी वेणु, अतिरिक्त एसपी प्रभाकर राव के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में चुनाव संचालन नियमों को सख्ती से लागू किया जा रहा है तथा चुनाव सम्पन्न कराने के लिए फ्लाइंग, सांख्यिकी, वीडियो निगरानी, वीडियो अवलोकन एवं लेखा टीमें नियुक्त की गई हैं। उन्होंने बताया कि एकीकृत जिला समाहरणालय भवन परिसर में चुनाव प्रबंधन के तहत बनाये गये नियंत्रण कक्ष एवं सी-व्हिसल एप के माध्यम से अब तक 14 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनका निर्वाचन नियमों के अनुसार त्वरित निराकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें की गईं और उन्हें बताया गया कि चुनाव में होने वाले खर्च का ब्योरा समय-समय पर दिया जाए और विशेष टीमों द्वारा निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में 4 अंतर्राज्यीय सीमा जांच चौकियां एवं 2 अंतरजिला सीमा जांच चौकियां स्थापित की गयी हैं, जिले में 46 समस्याग्रस्त मतदान केंद्र एवं 56 छाया मतदान केंद्र चिन्हित किये गये है। एसपी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के तहत मतदाताओं को लुभाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नकदी, शराब और उपहारों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि इन जांचों में 1 करोड़ 70 लाख 40 हजार रुपये जब्त किये गये हैं और चेक पोस्टों पर लगातार जांच की जा रही है। इस कार्यक्रम में आसिफाबाद, कागजनगर डीएसपी सदैया, करुणाकर, चुनाव विभाग के अधिकारियों और अन्य ने भाग लिया।

पेयजल आपूर्ति के लिए युद्ध स्तर पर कार्य शुरू

आसिफाबाद, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के अपर समाहर्ता (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी के आदेश पर जिले के लोगों की सुविधा हेतु पेयजल आपूर्ति हेतु अधिकारियों द्वारा युद्ध स्तर पर कार्रवाई की गई है। गर्मी को देखते हुए जिले भर के सुदूरवर्ती इलाकों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विशेष निगरानी एवं उपाय किये जा रहे हैं। इस क्रम में जिले के अपर समाहर्ता अधिकारियों के समन्वय से जिले भर में भ्रमण कर पेयजल समस्याओं की पहचान कर रिपोर्ट बनायी गयी। कार्यवाही के अनुसार समस्याओं के समाधान हेतु किये जा रहे वैकल्पिक उपायों के तहत सिन्टेक्स टंकियों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। इस संदर्भ में, ग्रामीण अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं से खुश थे।

चुनाव सामग्री मदनूर मंडल केंद्र पहुंची

मदनूर, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जहीराबाद संसदीय चुनाव सामग्री मदनूर मंडल केंद्र पहुंच गई है। आपूर्ति जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आयोजित होने वाले मंडल केंद्र में बालक सरकारी हाई स्कूल में पिछली रात संसदीय चुनाव सामग्री पहुंच गई। कामारेड्डी जिला केंद्र के गोदाम में संग्रहीत जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र की ईवीएम मशीनों को जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर डी श्रीनिवास रेड्डी के निर्देशन में मदनूर मंडल केंद्र के सरकारी बालक हाई स्कूल के स्ट्रांग रूम में रखा गया।

कंटेनर में लायी गयी सामग्रियों को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में चुनाव अधिकारियों द्वारा स्ट्रांग रूम में सील कर दिया गया। इस कार्यक्रम में तहसीलदार मुजीब, पीटलम तहसीलदार वेणुगोपाल, नायब तहसीलदार भरत, वरिष्ठ चुनाव सहायक विजय, आर शंकर और कांग्रेस, भाजपा, बीआरएस और बीएलपी पार्टियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

तारा सस्ता के मेंबर्स द्वारा नुमाइश मैदान के सामने माता जी के मंदिर के पास गर्मी से राहत पाने के लिए दूध, पन्ना स्नैक्स आदि वितरण किए गए। इस अवसर पर सतवंती सराय वाला, शकुंतला अग्रवाल, रत्नीबाई, आशा गोयल एवं जरीनाथ राणे आदि मौजूद रहे।

हैदराबाद लोकसभा भाजपा उम्मीदवार व समाजसेवी के. माधवी लता का स्वागत-सम्मान करते हुए नगर के उद्योगपति मृणाल सिगंनोडिया।

तेदेपा अध्यक्ष चंद्रबाबू का जन्मदिन मनाया गया

कागजनगर, 20 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कस्बे में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारा चंद्रबाबू नायडू का जन्मदिन आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र की ओर से सिरपुर विधानसभा क्षेत्र के कागजनगर कार्यालय में संसद अध्यक्ष गुल्लापल्ली आनंद के नेतृत्व में केक काटकर मनाया गया। इसके बाद अंजनेय स्वामी मंदिर में विशेष पूजा की गई और चंद्रबाबू नायडू से स्वस्थ रहने और कई उच्च पद संभालने की कामना की गई। अध्यक्ष गुल्लापल्ली ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू सर्वश्रेष्ठ नेता हैं जिन पर देश को गर्व हो सकता है। इस कार्यक्रम में संसदीय क्षेत्र के मुख्य सचिव करदु अत्राम, जिला नेता चल्लूरी शंकर, राज्य बीसी नेता जय देवेंद्र, मंडल पार्टी अध्यक्ष एल मधुकर, गुलाब राव, राजेश, मगबूल, लक्ष्मण एलमंचिली श्रीनिवास रामचंदर, बासम शेट्टी श्रीनिवास और अन्य ने भाग लिया।

चोरों के निशाने पर बांगड़ अस्पताल के मरीज

शवों को भी नहीं छोड़ रहे चोर, पुलिस जांच में जुटी

पाली,20 अप्रैल (एजेंसियां)।
पाली जिला मुख्यालय पर स्थित सबसे बड़ा अस्पताल चोरों के टारगेट पर है। हाल ही में अस्पताल से एक मृतक के हाथ में से अंगूठी और एक घायल के कान में पहने सोने के गहने चोरी होने के मामले में अब पुलिस ने जांच शुरू की है।

मामले में कोतवाली थाने से एएसआई ओमप्रकाश परिहार, कॉन्स्टेबल दयालराम सहित टीम ने बांगड़ अस्पताल के अधीक्षक डॉ. पीसी व्यास से मिलकर उनसे पूरे मामले की जानकारी लेते हुए जांच प्रारंभ करते हुए घटना के वक्त के कुछ सीसीटीवी फुटेज भी ट्रॉमा वार्ड से कलेक्ट किए हैं। गौरतलब है कि ट्रॉमा वार्ड में गहने चोरी होने के बाद यहां के बंद पड़े सीसीटीवी शुरू करवाए गए थे

और निगरानी व्यवस्था भी दुरुस्त की गई थी।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले हरियाड़ा निवासी ढगलाराम पुत्र लक्ष्मणराम घांची पाली से अपने गांव बाइक पर जा रहे थे। इस दौरान सरद-ारसमंद और निम्बली के बीच अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी। बांगड़ हॉस्पिटल के ट्रॉमा वार्ड में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ट्रॉमा वार्ड में लाते समय वीडियो में उनके हाथ में सोने और चांदी की अंगूठी नजर आ रही थी। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई, परिजनों का आरोप है कि मृतक के पहने गहने उतारने के लिए शव देखा तो सोने की अंगूठी गायब थी।

घायल के गहने हुए चोरी

इसी तरह प्रकार एक अन्य मामले में सड़क हादसे में घायल मंडली गांव निवासी 27 साल के जगदीश पुत्र छगनलाल पाली के बांगड़ हॉस्पिटल के ट्रॉमा वार्ड में लाया गया था। परिजनों का आरोप है कि घायल जगदीश के कानों में पहने आधे तोला सोने के गहने गायब किए गए।

इन दोनों मामलों की शिकायत के बाद जहां अस्पताल प्रबंधन ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है। वहीं, पुलिस ने भी अब इस मामले की जांच शुरू कर गहने के चोरों तक पहुंचने की कवायद शुरू कर दी है।

इनकी गारंटी कौन लेगा सरकार? ये मजदूर ऐसे रोज जूझते हैं पेट और पानी के लिए

उदयपुर,20 अप्रैल (एजेंसियां)।
परिवहन के ये हालत हैं उदयपुर संभाग के आदिवासी क्षेत्रों में जहां लोगों को दो जून की रोटी और पीने का पानी जुटाने के लिए जूझना पड़ता है। गावों से मजदूरी के लिए शहरों को जाना भी जान का जोखिम है। रोडवेज या प्राइवेट बसों के बिना सवारियों से लदी खटारा जीपों में सफर करना ही उनकी नियती है।

उदयपुर जिले के खेरवाड़ा कस्बे से पहाड़ा थाना होकर गुजरात का विजयनगर मार्ग या फिर खेरवाड़ा से फलासिया, झाड़ोल मार्ग पर प्राइवेट बसें नहीं चलती हैं। इन मार्गों पर दिन में दो बस रोडवेज की चलती थी। रोडवेज प्रबंधन ने 10 महीने पूर्व बसों का संचालन बेवजह बंद कर दिया। अब आदिवासी ग्रामीणों को मजदूरी करने जाना हो, शादी ब्याह या मौत मरण के कार्यक्रम में शरीक होना हो या फिर बच्चों को स्कूल जाना हो, बिना परमिट और बगैर फिटनेस टेस्ट के चल रही खटारा जीपें ही आवागमन का जरिया हैं। फाइव सीटर जीपों में 25 सवारियों को बैठाकर किस्मत के भरोसे सफर पर ले जाया जा रहा है।

गौरतलब है कि वर्तमान समय में हो रहे लोकसभा चुनाव और पांच महीने पूर्व हुए विधानसभा चुनावों में ग्रामीणों को गारंटी की रेवड़ियां बांटी गई। मगर सुरक्षित परिवहन साधनों को उम्मीदवारों और उनकी पार्टियों ने नजरअंदाज कर दिया।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर कुल्हाड़ी से हमला

अलवर,20 अप्रैल (एजेंसियां)।
अलवर शहर के सदर थाना अंतर्गत छह महीने पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया, जिसमें पहले पक्ष के दो लोग घायल हो गए। इनको इलाज के लिए उनको अलवर के जिला अस्पताल में लाया गया, जहां से युवक की स्थिति गंभीर होने के चलते उसको जयपुर रेफर कर दिया गया।

पीड़ित महिला शाहिना ने बताया, आज से छह महीने पहले हमारा और ककराली निवासी जुम्मा खान का छोटे बच्चों के ऊपर आपसी कहासुनी झगड़ा हुआ था। उस टाइम झगड़ा शांत हो गया। अब छह महीने बाद जुम्मा खान ने इस झगड़े को बढ़ाते हुए हम पर हमला किया। घायल साबिर अलवर शहर में टेंपो चलाने का कार्य करता है, निवासी मोजपुर का है। शुक्रवार शाम को वह शालीमार अपनी बहन से मिलने आया था, तभी शालीमार स्थित एक परचून की दुकान पर कोल्ड ड्रिंक लेने गया था।

युवक कुछ सामान भूल गया तो वापस समान लेने गया तो जुम्मा खान ने पीछे से युवक पर कुल्हाड़ी से तीन बार हमला कर दिया, जिसका एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। इस घटना का पता साबिर के घर वालों को लगा तो उनके घर से अलीमन बीच बचाव में गई तो आर-ोपी ने उस पर ईंट से हमला कर दिया, जिससे वह भी घायल हो गए। इतना होने के बाद आसपास की दुकानों की भीड़ लग गई और आरोपी मौके से फरार हो गया। जब परिजनों की इस बात का पता लगा तो परिजन महिला व युवक को अलवर के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर युवक की स्थिति गंभीर चलते युवक को जयपुर रेफर कर दिया गया और महिला का इलाज अलवर के जिला अस्पताल में जारी है। परिजनों ने जानकारी देते हुए यह भी बताया कि आरोपी डेरी का काम करता है। फिलहाल, पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ सदर थाने में मामला दर्ज कर दिया है। अब पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी है और आरोपी की तलाश कर रही है।

दादरी में किसान की दर्दनाक मौत

गेहूं निकालते समय मशीन में फंसा हाथ मांस के टुकड़ों में तब्दील हुआ शव

दादरी,20 अप्रैल (एजेंसियां)।
दादरी के बाढड़ा क्षेत्र के गांव डालावास में शुक्रवार देर रात गेहूं निकलवा रहे एक किसान का हाथ मशीन में फंस गया। इसके कारण शरीर का पांव से ऊपर का हिस्सा मशीन में आने से मांस के लोथड़ों में तबदील हो गया। बाढड़ा थाना पुलिस ने शनिवार दोपहर दादरी सिविल अस्पताल में मृतक का पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने इस संबंध में 174 सीपीआरसी के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बिजेंद्र (30) खेती करता था। शुक्रवार रात वह अपने खेत में मशीन से गेहूं निकलवा रहा था। उसी दौरान मशीन में उसका हाथ फंस गया और उसका शरीर मशीन में चले जाने से चिथड़ों में बदल गया। जब तक मशीन रोकी गई तब तक बिजेंद्र के केवल पांव ही बाहर बचे थे। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने मामले की जानकारी उसके परिजनों व पुलिस को दी। बाढड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दादरी सिविल अस्पताल पहुंचाया। वहां मृतक के परिजनों के पहुंचने पर कागजी कार्रवाई पूरी की गई और मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। बिजेंद्र दो भाइयों में छोटा था। मां-बाप बिजेंद्र के साथ रहते हैं। बिजेंद्र के दो बेटियां हैं और एक डेढ़ साल का बेटा है। हादसे में बिजेंद्र की मौत होने से पत्नी- बच्चों व उसके माता-पिता का सहारा छिन गया है। अब परिवार में कमाने वाला व्यक्ति भी नहीं है।

रेलवे ट्रैक पर डटे किसान, 72 ट्रेन रही रद्द

रेलवे ने दिया 12 लाख रुपये का रिफंड

अंबाला,20 अप्रैल (एजेंसियां)।
हरियाणा पंजाब के किसान लगातार आंदोलन कर रहे हैं। किसानों द्वारा शंभू बॉर्डर कारण चौथे दिन भी ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। रेलवे ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हए 72 ट्रेनों को पूर्ण रुप से रद्द कर दिया। वहीं 63 ट्रेनों को बदले मार्ग से, पांच ट्रेनों को बीच रास्ते रद्द तो पांच ट्रेनों को बीच रास्ते के रेलवे स्टेशनों से पुन: चलाया गया। ट्रेनों

के लगातार रद्द होने से अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर अभी तक लगभग 12 लाख रुपये का रिफंड दिया जा चुका है।

पति से तंग महिला जलघर में कूदी, चार साल की बेटी की चीख सुनकर कर्मचारियों ने बचाया, बहन ने लगाए आरोप

रोहतक,20 अप्रैल (एजेंसियां)।
पति की प्रताड़ना से तंग आकर एक 25 साल की महिला ने शनिवार को सोनीपत स्टैंड स्थित जलघर में छलांग लगा दी। जबकि चार साल की बेटी को किनारे पर छोड़ दिया। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी तालाब में कूदे और महिला को बचाया। पुलिस पीड़िता के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेगी।

महिला की बहन ने बताया कि उसकी बहन पूजा की शादी पंजाब में छह साल पहले हुई थी। उसकी चार साल की बेटी है। बहन का आरोप है कि उसकी बहन को उसका पति प्रताड़ित करता है। इतना ही नहीं, मायके से भी झगड़ा करके निकाल दिया गया। वह बहन को घर लेकर आ गई। उसका पति उसके पास आया और सिटी पार्क में बुलाकर अभद्रता करने लगा। उसकी बहन को थप्पड़ तक मारा। परेशान होकर उसकी बहन तालाब में कूदी है। जनस्वास्थ्य विभाग के बेलदार अशोक ने बताया कि वह ड्यूटी पर था। अचानक जलघर में कुछ गिरने व बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी।

तीन किलो अफीम, हेरोइन व 5.07 लाख ड्रगमनी के साथ तस्कर गिरफ्तार, सीआईए ने की कार्रवाई

फगवाड़ा,20 अप्रैल (एजेंसियां)।
पंजाब में कपूरथला पुलिस की ओर से जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाई मुहिम के तहत फगवाड़ा में सीआईए स्टाफ की टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक नशा तस्कर को काबू किया है। जिसके पास से 3 किलो अफीम, 200 ग्राम हेर-ोइन, एक देसी पिस्टल .32 बोर तथा 5.07 लाख ड्रग मनी बरामद की गई है।

इसकी पुष्टि करते हुए सीआईए स्टाफ कपूरथला के इंचार्ज इंस्पेक्टर जरनैल सिंह ने बताया कि आर-ोपी के खिलाफ थाना सतनामपुरा में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

सीआईए इंचार्ज इंस्पेक्टर जरनैल सिंह से मिली जानकारी के अनुसार सब इंस्पेक्टर लाभ सिंह ने पुलिस पार्टी सहित लाविया सराफा बाजार में नाकाबंदी की हुई थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि रामपाल निवासी मोहल्ला लाविया सराफा बाजार बड़े स्तर पर नशा तस्करी का काम करता है और कुछ देर बाद वह अपनी कार में नशा सप्लाई करने जा रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने की गई नाकाबंदी के दौरान

एक पोलो कार को काबू किया और पूछताछ की। जिसकी पहचान रामपाल के रूप में हुई है। आरोपी से अधिकारियों की उपस्थिति में तलाशी ली गई तो उसके पास से 3 किलो अफीम, 200 ग्राम हेरोइन, एक देसी पिस्तौल .32 बोर, 6 रौंद सहित 5.07 लाख की ड्रग मनी बरामद हुई। जिसके आधार पर आरोपी रामपाल के खिलाफ थाना सतनामपुरा में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तीन केस दर्ज हैं।

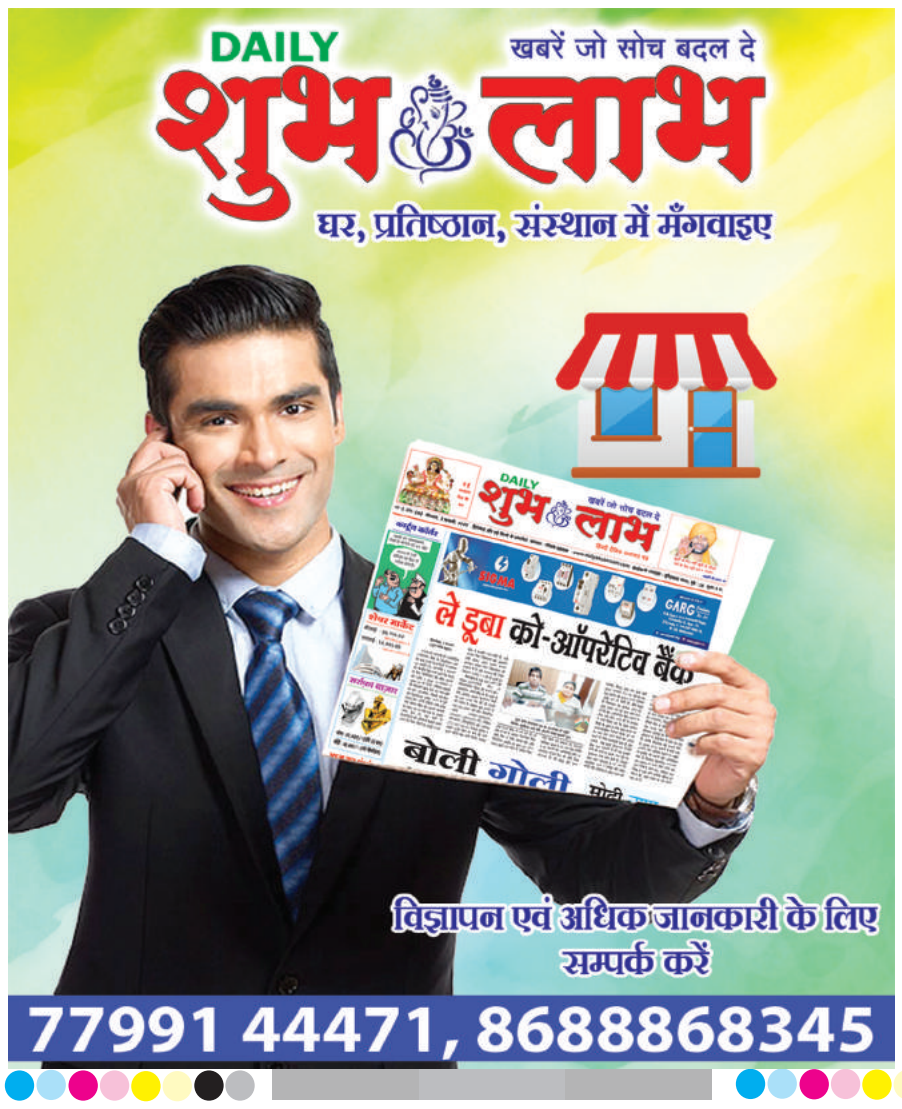

राजस्थान में बढ़ने लगी सूरज की तपिश, कोटा रहा सबसे गर्म

जयपुर,20 अप्रैल (एजेंसियां)।
राजस्थान में मतदान के दिन यानी बीते दिन शुक्रवार को राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में तेज धूप खिलने के साथ ही धूल भरी आंधी चली। अधिकतर जिलों में मौसम साफ रहा। हालांकि, 14 जिलों में येलो अलर्ट जारी था, लेकिन मामूली बूंदाबांदी के अलावा कहीं बारिश के समाचार नहीं मिले। बता दें कि जयपुर सहित उत्तरी पश्चिमी जिलों में बादलों की आवाजाही रही, जिससे मौसम सामान्य रहा। उधर, दक्षिण राजस्थान में गर्मी ने अपने तेवर जरूर दिखाए। कोटा में अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि धौलपुर और करौली में भी पारा 41 डिग्री से पार रहा। जयपुर में 39.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

पिछले दो सप्ताह में बार-बार अलग-अलग पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से मौसम में काफी उतार चढाव देखने को मिले। फिलहाल, कोई नया परिसंचरण नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में अब आगामी सप्ताह में गर्मी अपने तेवर दिखाने शुरू करेगी। हालांकि, मौसम केंद्र जयपुर की ओर से जारी बुलेटिन के मुताबिक, 21 और 22 अप्रैल को उत्तर पश्चिमी राजस्थान में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। लेकिन इसकी संभावना कम ही लग रही है, जिस तरह से तेज हवाएं चल रही हैं और बादल दौड़े जा रहे हैं। ऐसे में अब लू चलने की संभावनाएं ज्यादा लग रही हैं।

अनियंत्रित होकर कार पलटी, पांच से अधिक लोग घायल

बीकानेर,20 अप्रैल (एजेंसियां)।
बीकानेर जिले के नाल थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया। अपने किसी रिश्तेदार के गमी में शामिल होने जा रहे लोगों की कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इस सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन लोग घायल हो गए, घायलों में कुछ की स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

वहीं, हादसे में घायल हुए अन्य लोगों का पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में उपचार चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी लोग सुबह अपने किसी रिश्-तेदार के गमी में शामिल होने कोलायत के भोजूसर जा रहे थे। बच्छासर के पास कार अनियंत्रित होकर पलट गई। गाड़ी पलटते ही चीख-पुकार मच गई। गाड़ी पलटी हुई देखकर ग्रामीण भी दौड़कर मौके पर पहुंच गए और घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला और पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका इलाज जारी है। फिलहाल घायलों में दो की स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No.15156074H Hav (GNR) S ALAGAR RAJA, R/o.18 A, Perumal Kovil Street, Near RI Office, Vill and Po:Kodangipatty, Tk:Bodi, Dist:Theni, Tamilnadu -625531 hereby declare that my son name is to be changed from **RAM MUKESH** to **A RAM MUKESH** vide affidavit dt:20-4-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Vijayalata spouse of Army No.JC732399H Sub Jadhav Vallabhabhanu Karanrao, R/o.Vill:Somatna Phata, Po:Talegaon Dabhade, Teh:Mawal, Dist:Pune have changed my name from **VIJAYALATA** to **VIJAYLATA VALLABHBHANU JADHAV** vide affidavit dt:20-4-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, No.6940531F Hav Tongbram Dhaneshwor Singh of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my son name is to be changed from **TONGBRAM BASU DEV SINGH** to **TONGBRAM BASUDEV SINGH**

CHANGE OF NAME
I, No.15812096N Hav Jijesh Kumar. P, of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is to be changed from **K.SATHI** to **SATHI.K.**

CHANGE OF NAME
I, Service No JC-766783W Rank-Sub, Name-Ajeet Singh presently residing at EME Depot Bn,C/o 56 APO, Secunderabad (TS), PIN-500015 have changed my daughter name from ANJALI to ANJALI KUMARI add in my service documents Before Notary G Ramchander Secunderabad dated 20/04/2024.In future, I will be known by ANJALI KUMARI.

CHANGE OF NAME
I, No.JC 734109Y Sub H/LT Jotin Chandra Boro of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is to be changed from **BHUGESWARI BURO** to **BHOGESHWARI BORO.**

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No JC-769243H Rank-Sub, Name- Muniappan T presently residing at EME Depot Bn,C/o 56 APO, Secunderabad (TS), PIN-500015 have changed my mother name from SITAMMAL to SEETHAMMAL THIRUPPATHI and date of birth from 01/07/1969 to 20/06/1956 add in my service documents Before Notary G Ramchander Secunderabad dated 20/04/2024. In future, I will be known by SEETHAMMAL THIRUPPATHI.

रंजीत रेड्डी आगे कुआं पीछे खाई वाली स्थिति में फंस चुके हैं : कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी

मौजूदा सांसद की हालत उस फुटबॉल जैसी हो गई जिसे कांग्रेस और बीआरएस कार्यकर्ता ठोकर मारने को बेताब

कांग्रेस और बीआरएस कैडर रंजीत रेड्डी को सबक सिखाने के लिए मेरी अभूतपूर्व जीत सुनिश्चित करने को तैयार

हैदराबाद, 20 अप्रैल
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेवेल्ला संसदीय क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने शनिवार को कहा कि मेरी हालिया प्रजा आशीर्वाद यात्रा को मिली प्रतिक्रिया हर किसी की उम्मीदों से कहीं अधिक शानदार थी। गांव-गांव मेरा जो जोरदार स्वागत हुआ वह बहुत ही उत्साहवर्धक था। सबसे अधिक आश्वस्त करने वाला पहलू उन स्थानों पर मेरे लिए जबरदस्त समर्थन था जहां हाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर कम था। वास्तव में यह प्रतिक्रिया मेरे पक्ष में लग रही थी और मुझे आश्चर्य हुआ कि कांग्रेस और टीआरएस पार्टियों के नेता और कैडर सक्रिय रूप से आगे आ रहे हैं और मुझे अपना पूरा समर्थन दे रहे हैं।

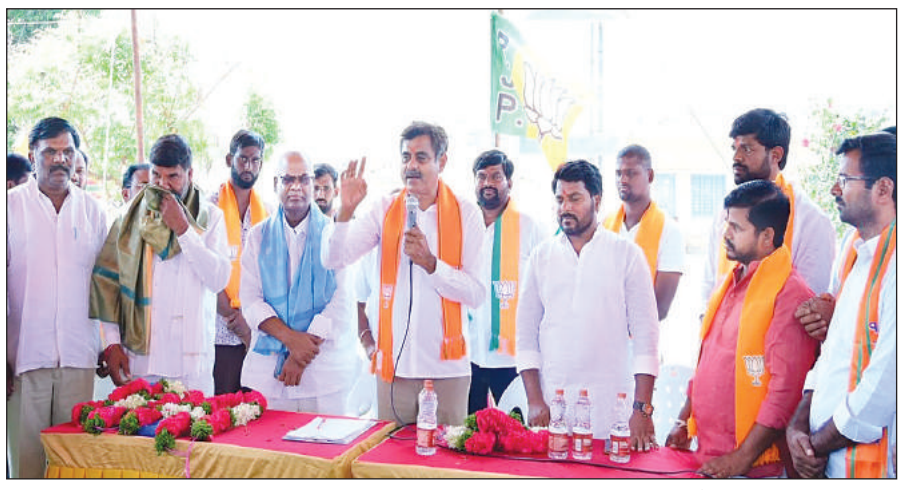

मेरी यात्रा को मिली अपार प्रतिक्रिया से परेशान मेरे विरोधी इसे दोहराने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, उन्हें आंतरिक असंतोष का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उनका अपना कैडर उनके खिलाफ विद्रोह कर रहा है। कांग्रेस उम्मीदवार को कैडर के साथ अत्यधिक विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें रंजीत रेड्डी पर पिछले पांच वर्षों में कभी भी निर्वाचन क्षेत्र का दौरा नहीं करने का आरोप लगाया गया है। वास्तव में एक ताजा उदाहरण यह है कि बशीराबाद मंडल में कांग्रेस कैडर ने खुले तौर पर उनकी यात्रा का विरोध किया और बड़े पैमाने पर नारेबाजी की और उन्हें अपने मंडल से बाहर निकलने की मांग की।

उनके नामांकन पर कांग्रेस कैडर में स्पष्ट असंतोष और गुस्सा है, क्योंकि कुछ दिन पहले तक वह बीआरएस पार्टी के सदस्य के रूप में उनके विरोधी थे। बीआरएस नेता के रूप में उन्होंने हाल ही में विधानसभा चुनावों में उनके खिलाफ कड़ा अभियान चलाया। वे विधानसभा चुनावों के दौरान रंजीत रेड्डी की भूमिका को नहीं भूले हैं, न ही वे सांसद के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस कैडर द्वारा सहे गए सभी उत्पीड़न के लिए उन्हें माफ करने को तैयार हैं। कांग्रेस कैडर उन्हें एक अवसरवादी और दलबदलू व्यक्ति के रूप में देखता है और उनके प्रति भारी अविश्वास रखता है। इस दुश्मनी को दूर करने के लिए वह बीआरएस कैडर तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं जिन्होंने अतीत में उनकी मदद की थी, लेकिन वे इस समय उनके साथ विश्वासघात करने से भी उतने ही परेशान हैं। रंजीत रेड्डी की स्थिति वस्तुतः दो स्टूल के बीच गिरने जैसी है और वह पूरी तरह से भ्रमित हैं। इस चुनाव में कांग्रेस और बीआरएस कैडर दोनों का एकमात्र उद्देश्य रंजीत रेड्डी को हराना प्रतीत होता है। चूंकि उन्हें विश्वास है कि मैं उन्हें हरा दूंगा, इसलिए उन्हें लगता है कि उन्हें सबक सिखाने का सबसे अच्छा तरीका मुझे वोट देना और मेरे लिए अभूतपूर्व जीत का अंतर सुनिश्चित करना है।

हैदराबाद में फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 अप्रैल
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

खुद को डॉक्टर बताकर लोगों की विभिन्न बीमारियों का इलाज करने वाले एक ठग को हैदराबाद पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक बहादुरपुरा निवासी असलम शफी सईद (41) कालापत्थर में क्लिनिक चलाता है और लोगों को विभिन्न बीमारियों की दवाएं देता है। टास्क फोर्स के अतिरिक्त डीसीपी ए. श्रीनिवास ने बताया कि असलम के पास कोई प्रमाणपत्र या कोई डिप्लोमा नहीं था और उसने लोगों को यह कहकर धोखा दिया कि वह एक डॉक्टर है।

नवगीतकार माहेश्वर तिवारी के निधन पर सांझ के साथी ने जताया शोक

हैदराबाद, 20 अप्रैल
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

सांझ के साथी के अध्यक्ष अजित गुप्ता ने शनिवार के प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि देश के जाने-माने नवगीतकार पीतल नगरी मुरादाबाद निवासी यश भारती से सम्मानित माहेश्वर तिवारी का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने आगे बताया कि माहेश्वर तिवारी की प्रमुख कृतियां (नवगीत संग्रह) हरसिंगार कोई तो हो , नदी का अकेलापन , सच की कोई शर्त नहीं , फूल जाए हैं कनेरों में ने काफ़ी सुर्खियां बंटोरी। नगर के वरिष्ठ कवि वेणुगोपाल भट्टड़ ने बताया कि कवि हुल्लड़ मुरादाबादी के सौजन्य से उनका परिचय तिवारी जी से हुआ, फ़िर तो अनेक कवि गोष्ठियों में उनकी अध्यक्षता एवं सान्निध्य में काव्य पाठ करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।संस्था के सदस्य अजित गुप्ता, वेणुगोपाल भट्टड़, रवि श्रीवास्तव, नरेन्द्र राय, डॉ. ऋषभदेव शर्मा, डॉ.अहिल्या मिश्रा, बिशनलाल संघी, नन्दगोपाल भट्टड़,श्रीमती ज्योतिनारायण, पं. रामकृष्ण पाण्डेय, भँवरलाल उपाध्याय, कन्हैयालाल अग्रवाल, अनिल कुमार वाजपेयी, डॉ. मोहन गुप्ता, ओमप्रकाश अग्रवाल, बजरंग भगत और कैलाश भट्टड़ ने माहेश्वर तिवारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.